निर्मल **बीज...**

समृध्दि का बीज...

निर्मल बीज एवं जैविक उत्पाद पुस्तिका

NIRMAL® SEEDS

अंतरराष्ट्रीय दर्जा की क्लास 10,000 जैसे उच्च कोटी की गुणवत्ता
एवं शुध्दता के मानकों से प्रमाणित निर्मल जैव तंत्रज्ञान प्रयोगशाला

जैव तंत्रज्ञान विभाग

निर्मल बीज.....
समृध्दि का बीज.....

सशक्त राष्ट्र के लिए
कृषि जैव तंत्रज्ञान....

गुणवत्तापुर्ण बीजों का अनुसंधान करनेवाली निर्मल सीड्स प्रा. लि. की स्थापना सन 1988 में महाराष्ट्र के जलगाव जिला, पाचोरा में हुई । खुशी के साथ दोहराते है की कम्पनी ISO 9001:2015 मानांकन से भी प्रमाणित है । भारत सरकार के विज्ञान और औद्योगिक मंत्रालय के विज्ञान और तंत्रज्ञान विभाग द्वारा कम्पनी का अनुसंधान और विकास विभाग (R&D) मान्यता प्राप्त है, जो पिछले 33 सालों से अनुसंधान क्षेत्र में निरंतर कार्यान्वित है ।

बीज प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारतीय कृषक समुदाय के लिए उनकी जरुरतों को ध्यान में रखते हुए ''जरुरतों पर निर्भर अनुसंधान'' यही कम्पनी के अनुसंधान कार्यप्रणाली का सुत्र है । इसी व्यापक संकल्पना में फसल सुधार के साथ संकर एवं उन्नतशील किस्में जो विविध कृषि जलवायु क्षेत्रों में जैविक एवं अजैविक तनाव के प्रति सहनशील हो और साथ ही उनकी उपज क्षमता अत्यधिक हो और गुणवत्ता उच्च कोटीकी हो । कम्पनी ने कृषि के शाश्वत विकास के लिए अधिकतम उपज के साथ विशेष रुप से ''न्युट्रीशन ब्रिडींग'' पर जोर देकर बेहतरीन जीनोटाईप जिसमें अधिकतम आवश्यक पोषक तत्वों का समायोजन हो, उसी अभिजात वर्ग के जीनोटाईप पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है ।

कृषि के शाश्वत विकास के लिए अनुसंधान विभाग ने नई पिढ़ी के आधुनिक जैविक उत्पाद बनाये है जोकि, सेंद्रिय खेती के लिए और एकीकृत फसल उत्पादन के लिए अत्यंत लाभकारी है । निर्मल सीड्स अर्थात निर्मल बीज यह एक ऐसा नाम है जो कृषि जगत में गुणवत्ता और विश्वास के लिए जाना जाता है ।

निर्मल सीड्स का कारोबार देश के प्रमुख 23 राज्यों में फैला हुआ है और साथ ही विपणन कार्यालयें भी कार्यान्वित है जैसे की महाराष्ट्र में अकोला, जालना, नागपूर, पुणे और अहमदाबाद, इंदोर, जबलपूर, रायपूर, आग्रा, लखनऊ, जयपुर, जोधपुर, पटना, चंदिगढ, हैदराबाद, करनाल, हुबली, बैंगलोर, त्रिची, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, रांची एवं सिलीगुडी में कार्यालयें स्थापित है ।

आज तक निर्मल सीड्स ने दलहन, तिलहन, अनाज, सब्जियां एवं नगदी फसलों में कुल मिलाकर 35 फसलों में अनुसंधान कर उत्कृष्ट एवं दर्जेदार किस्मों का निर्माण किया है । बीज अनुसंधान के साथ ही कम्पनी आधुनिक जैविक उत्पादों के निर्माण में भी अग्रणी है । कम्पनीने कृषि के शाश्वत विकास के लिए 'रुट ऑरगन कल्चर' इस पेटेन्टेड तंत्रज्ञान पर आधारीत माइकोराईजल जैविक उर्वरक के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय दर्जा की क्लास 10,000 जैसे उच्च कोटी की गुणवत्ता एवं शुध्दता के मानकों से प्रमाणित ''निर्मल जैव तंत्रज्ञान प्रयोगशाला पाचोरा में स्थापित की ।

उच्च उत्पादकता एवं लाभ हेतु निर्मल सीड्स अपनी 'निर्मल पुस्तिका' को जारी कर रही है । इस पुस्तिका में सभी प्रकार के फसलों की उपजशील किस्मों के बारे में विस्तृत विवरण, अनुमोदित सस्य क्रियायें एवं नविनतम जानकारी दी गयी है । हमे विश्वास है की यह अद्यतन 'निर्मल पुस्तिका' किसानों को, उद्यमियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगी ।

अनुक्रमणिका

कपास (हिरसुटम).....01-03
कपास (अरबोरियम).....03-06
ज्वार.....07-10
बाजरा.....11-16
मक्का.....17-20
गेहूँ.....21-23
धान.....24-32
सरसों.....33-35
अरंडी.....36-37
अरहर.....38-41
उड़द.....41-42
मूंग.....42-44

सब्जियाँ फसलें.....45
भिण्डी.....46-51
बैंगन.....52-65
मिर्च.....66-76
स्विट पेपर/शिमला मिर्च.....77-79
टमाटर.....80-85
तुरई.....86-89
लौकी.....90-93
करेला.....94-100
घिया तुरई.....101-106
खीरा/तर ककड़ी.....107-111
टिंडा.....112
तरबूज.....113-116
खरबूजा.....117-119
ग्वार.....120-121
फ्रेंचबीन.....121
मटर.....122
लोबिया.....123
मूली/कद्दू.....124-125

जैविक उत्पाद.....126-134

संकर कपास

एनसीएच-744 (ऐश्वर्या) नॉन बिटी

गुणविशेषताएं

पौधा.....ऊँचा, मध्यम खुला एवं फैलनेवाला पौंधा
फसल की अवधि.....160 से 170 दिन
डेंडू का आकार.....मध्यम एवं लम्बा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....4 से 4.5
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....28 से 30
रूई का उतारा (प्रतिशत).....40 से 41

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन खुलनेवाला एवं ज्यादा डेंडु लगनेवाली किस्म
- लाल पत्ती एवं रसचूसक कीटों के प्रति अति सहनशील
- सिंचित तथा असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- सर्वोत्तम पुर्नबहार क्षमता
- मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए सिफारिश

संकर कपास

एनसीएच-996 (चंद्रमुखी) नॉन बिटी

गुणविशेषताएं

पौधा.....मध्यम ऊँचा,
खुला एवं साधारण फैलनेवाला पौंधा
फसल की अवधि.....150 से 160 दिन
डेडू का आकार.....मध्यम मोटा एवं लम्बा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....4.5 से 5.0
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....30 से 32
रूई का उतारा (प्रतिशत).....38 से 40

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन खुलनेवाला डेंडु
- रसचूसक कीटों के प्रति सहनशील
- सिंचित तथा असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- लाल पत्ती रोग के प्रति सहनशील
- सर्वोत्तम पुर्नबहार क्षमता
- मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए सिफारिश

संकर कपास

एनसीएच-1993 नॉन बिटी

गुणविशेषताएं

पौधा.....मध्यम .ऊँचा, मध्यम खुला व कम फैलनेवाला
फसल की अवधि.....140 से 150 दिन
डेंडू का आकार.....मोटा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....5.5 से 6.0
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....30 से 32
रूई का उतारा (प्रतिशत).....38 से 40

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम उँचा, मजबूत एवं नियंत्रित बढ़नेवाला पौधा
- बड़े डेंडू एवं लंबे रेशेवाली रुई
- बेहतरीन खुलनेवाला डेंडू
- सघन खेती के लिए उपयुक्त
- रसचूसक कीट एवं लाल पत्ती रोग के प्रति मध्यम सहनशील
- मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए सिफारिश

संकर कपास

एनसीएच-1166 (पुर्णिमा) नॉन बिटी

गुणविशेषताएं

पौधा.....मध्यम ऊँचा, एवं नियंत्रित बढ़ाव
फसल की अवधि.....145 से 155 दिन
डेंडू का आकार.....गोलाकार, मध्यम से लेकर मोटा
डेंडू का वजन (ग्राम).....4.0 से 4.5
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....29 से 30
रूई का उतारा (प्रतिशत).....37 से 38

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं नियंत्रीत बढ़नेवाला पौधा
- उत्कृष्ट डेंडू धारण क्षमता के साथ बेहतरीन खुलनेवाले डेंडू
- सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- सघन खेती के लिए उपयुक्त
- मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए सिफारिश

खेती संबंधी सुझाव

भूमि..... मध्यम से भारी
बुआई का समय.....मध्य भारत क्षेत्र (25 मई से 30 जून),
उत्तर भारत क्षेत्र (अप्रिल से मई),
दक्षिण भारत क्षेत्र (जुन का पहला हफ्ता)

रोपाई की दूरी (फुट).	सिंचित क्षेत्र	असिंचित क्षेत्र
भारी जमीन.....	5 x 4	4x3
मध्यम जमीन.....	4x3	3x3
हल्की जमीन.....	3x 3	3x2

खाद : जमीन तैयार करते समय एफवाईएम 10 टन /एकड़ देवें ।

उर्वरक की मात्रा (किलो प्रति हेक्टेयर)	नत्र	:	स्फूर	:	पोटाश
	100	:	50	:	50 (सिंचित)
	80	:	40	:	40 (असिंचित)

फसल संरक्षण

रसचूसक कीट : ॲसिटॅमिप्राईड (20 एसपी) 0.33 ग्राम प्रति लीटर या इमिडाक्लोप्राईड 0.5 मिली प्रति लीटर या थायमेथॉक्झाम 0.33 ग्राम प्रति लीटर या ॲसिफेट 1.5 से 2 ग्राम प्रति लीटर या स्पिरोमेसिफेन (22.9 % एस. सी.) 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

इल्ली के लिए : प्रोफेनोफॉस 1.5 मिली प्रति लीटर पानी या क्लोरांट्रानिलिप्रोल 0.33 मिली प्रति लीटर पानी या फ्लुबेंनडामाईड 0.33 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़कांव करें ।

विशेष सिफारिश :

- ऊँची बढ़नेवाली किस्मों के लिए बुआई के 80-85 दिन और 100-110 दिन बाद टॉपिंग करना जरुरी है ।
- डेंडूओं के विकास के लिए नियमित अंतराल से पर्णिय छिड़काव जैसे की मॅग्नेशियम सल्फेट 1% + जिंक सल्फेट 1%, या मॅग्नेशियम सल्फेट 1% + पोटॅशियम नाइट्रेट 2 % का छिड़काव करना चाहिए ।
- फूल अवस्था और डेंडू अवस्था में 2 प्रतिशत डिएपी का छिड़काव करने से उत्पादन में 10-20 प्रतिशत वृध्दि होती है और लाल पत्ति की समस्या कम होती है
- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** 10 कि.ग्राम प्रति एकड़ जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवें ।
- डेंडूओं का आकार एवं संख्या बढाने के लिए **बेरीलॉन** – 1 मिली प्रति लीटर पानी मे मिलाकर फूल अवस्था से डेंडू अवस्था तक तीन छिड़काव करें ।

संकर देशी कपास

एनएसीएच-12 (अंबिका)

गुणविशेषताएं

पौधा.....ऊँचा, खुला एवं साधारण फैलनेवाला पौधा
फसल की अवधि.....160 से 170 दिन
डेंडू का आकार.....मोटा एवं लम्बा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....3.5 से 4.0
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....26 से 27

प्रमुख विशेषताएं

- बड़े डेंडू एवं लम्बी रेशेवाली किस्म
- बेहतरीन खुलनेवाला डेंडू ● उत्तम पुनर्बहार क्षमता
- सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- पौधे का 5-6 सें.मी. ऊपरी हिस्सा बुआई के 75-80 दिन, 90-100 दिन बाद और 110-115 दिन बाद काट देवें
- रसचूसक कीट एवं रोगों के प्रति सहनशील
- मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- भारत सरकार व्दारा प्रमाणित किस्म

संकर देशी कपास

एनएसीएच-18

गुणविशेषताएं

पौधा.....ऊँचा, खुला एवं मध्यम फैलनेवाला
फसल की अवधि.....165 से 175 दिन
डेंडू का आकार.....मोटा एवं लम्बा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....3.5 से 4.0
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....25 से 26

प्रमुख विशेषताएं

- बड़े डेंडू, बेहतरीन खुलना और लम्बी रेशेवाली किस्म
- उत्तम पुनर्बहार क्षमता एवं अत्यधिक उपज क्षमता
- पौधे का 5-6 सें.मी. ऊपरी हिस्सा बुआई के 75-80 दिन बाद, 90-100 दिन बाद और 110-115 दिन बाद काट देवें
- सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- रसचूसक कीट एवं रोगों के प्रति अति सहनशील
- मध्य, उत्तर एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- भारत सरकार व्दारा प्रमाणित किस्म

संकर देशी कपास

एनएसीएच-433

गुणविशेषताएं

पौधा.....ऊँचा, खुला एवं मध्यम फैलाव
फसल की अवधि.....150 से 160 दिन
डेंडू का आकार.....मोटा एवं लम्बा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....3.5 से 4.0
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....20 से 22

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन खुलने के साथ बड़े आकार के डेंडू
- रेशे की लंबाई कम होती है ● रसचूसक कीटों के प्रति प्रतिरोधक
- सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- जब पौधा 4 - 4.5 फुट ऊँचाई का होता है तो पौधों का 5-6 सें.मी. वाला ऊपरी हिस्सा बुआई के 80-85 दिन बाद काट देवे दूसरी कटाई प्रथम कटाई के 20-25 दिन बाद करें
- मध्य, उत्तर एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- भारत सरकार व्दारा प्रमाणित किस्म

संकर देशी कपास

एनएसीएच-560

गुणविशेषताएं

पौधा.....मध्यम ऊँचा, सीधा खुला एवं साधारण फैलनेवाला पौधा
फसल की अवधि.....130 से 140 दिन
डेंडू का आकार.....मध्यम लम्बा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....3.0 से 3.5
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....22 से 23

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन खुलने के साथ मध्यम आकार के डेंडू
- सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- सघन पध्दती (90 x 30 से.मी.) के लिए उपयुक्त
- पौधा जब 3.5 - 4 फुट ऊँचाई का होता है तो पौधों का 5 - 6 सें.मी. वाला ऊपरी हिस्सा बुआई के 80 - 85 दिन बाद काट देवे दूसरी कटाई प्रथम कटाई के 20-25 दिन बाद करें
- मध्य, दक्षिण एवं उत्तरी क्षेत्र के लिए उपयुक्त

संकर देशी कपास

एनएसीएच-461 (राधा)

गुणविशेषताएं

पौधा.....ऊँचा, खुला एवं साधारण फैलनेवाला पौधा
फसल की अवधि.....150 से 160 दिन
डेंडू का आकार.....मोटा एवं लम्बा गोलाकार
डेंडू का वजन (ग्राम).....3.5 से 4.0
रेशे की लम्बाई (मी.मी.).....24 से 25

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन खुलनेवाले बड़े डेंडू के साथ लम्बी रेशेवाली किस्म
- रसचूसक कीटों एवं रोगों के प्रति प्रतिरोधक
- सूखे के प्रति सहनशील
- सिंचित तथा असिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त
- पौधे की ऊँचाई जब 4 - 4.5 फुट की होती है तो पौधों का 5-6 सें.मी. वाला ऊपरी हिस्सा बुआई के 80-85 दिन बाद काट देवे दूसरी कटाई प्रथम कटाई के 20-25 दिन बाद करें
- मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र के लिए सिफारिश

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बुआई का समय.....मध्य जोन के लिए (25 मई से 30 जून)
उत्तर जोन के लिए (अप्रैल से मई)
दक्षिण जोन (जून का पहला हफ्ता)
रोपाई की दूरी (फुट).....भारी जमीन : 3 x 3
मध्यम एवं हल्की जमीन : 3 x 2
खाद.....भूमि की तैयारी करते समय एफवाईएम–10 मे. टन प्रति एकड़ की दर से देवें ।
उर्वरक की मात्रा (किलो प्रति हेक्टेयर). नत्र : स्फूर : पोटाश
80 : 40 : 40

फसल संरक्षण

सूंडी – क्विनालफॉस (25 ईसी) 2 मिली प्रति 10 लीटर पानी या साइपरमेथ्रीन (10 ईसी) 7.5 मिली प्रति 10 लीटर पानी या क्लोरोपाइरीफॉस (20 ईसी) 20 मिली प्रति 10 लीटर पानी या लॅम्बडा सायहॅलोथ्रीन (5 ईसी) 8 मिली प्रति 10 लीटर पानी या प्रोफेनोफॉस (50 ईसी) 15 से 20 मिली प्रति 10 लीटर पानी ।

1) बुआई के 30 दिन बाद इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें ।
2) बुआई के 45 दिन बाद प्लॅनोफिक्स + बाविस्टीन का छिड़काव करें ।
3) बुआई के 65 दिन बाद कॉपर ऑक्सीक्लोराईड + प्रोफेनोफॉस छिड़काव करें ।
4) बुआई के 75 दिन बाद क्विनॉलफॉस + निर्मल बायोफोर्स + निम अर्क का छिड़काव करें
5) बुआई के 85 दिन बाद कोरॅजन या फेम या अवॉट या ट्रेसर का छिड़काव करें ।
6) बुआई के 95 दिन बाद ॲसीटामाप्राईड का छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश :

- डेंडूओं के विकास के लिए नियमित अंतराल से पर्णिय छिड़काव जैसे की मॅग्नेशियम सल्फेट 1% + जिंक सल्फेट 1%, या मॅग्नेशियम सल्फेट 1% + पोटॅशियम नाइट्रेट 2 % का छिड़काव करना चाहिए ।
- फूल अवस्था और डेंडू अवस्था में 2 प्रतिशत डिएपी का छिड़काव करने से उत्पादन में 10-20 प्रतिशत वृध्दि होती है और लाल पत्ति की समस्या कम होती है
- ऊँची बढ़नेवाली संकर देशी कपास के लिए बुआई के 75-80 दिन बाद और 90-110 दिन बाद पौधा का 5-6 सें.मी. ऊपरी हिस्सा काट देना चाहिए
- डेंडू एवं स्केयर शेडींग के प्रतिबंध के लिए प्लॅनोफिक्स और टिल्ट का छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर फूल अवस्था से डेंडू विकास अवस्था में करें
- सूंडीयों का प्रभावशाली नियंत्रण के लिए अमावस के 3 दिन पहले और 3 दिन बाद छिड़काव करना चाहिए
- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** 10 कि.ग्रा/एकड़ की दर से बुआई के 30-35 दिन बाद प्रयोग करें
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** 100 ग्राम प्रति एकड 200 लीटर पानी में मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवें
- डेंडूओं का आकार एवं संख्या वृध्दि के लिए **निर्मल बायोफोर्स** या **बेरीलॉन** का छिड़काव फूल अवस्था से डेंडू अवस्था तक तीन छिड़काव करें

निर्मल संकर ज्वार

एनजेएच-40 (रत्ना)

गुणविशेषताएं

फसल कि अवधि.....105 से 110 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....210 से 220
भुट्टे की विशेषताएं.....मध्यम खुला, लम्बे एवं बड़े भुट्टे
दाने की विशेषताएं.....चमकदार मोटे दाने

प्रमुख विशेषताएं

- उत्तम गुणवत्ता का चारा एवं दाने
- माहु एवं टहणी छेदक मक्खी के प्रति सहनशील
- सुखा एवं गिरने के प्रति सहनशील
- ठंड एवं ऊँचाई के स्थल पर बुआई के लिए अयोग्य
- खरीफ मौसम में बुआई के लिए उपयुक्त

संकर ज्वार

एनजेएच-1175

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....105 से 110 दिन (खरीफ)
120 से 125 दिन (रबी)
110 से 115 दिन (गर्मी)
पौंधे की ऊँचाई (सें.मी.).....210 से 220 (खरीफ)
170 से 180 (रबी)
160 से 170 (गर्मी)
भुट्टे की विशेषताएं.....मध्यम खुला, लम्बा एवं बड़ा भुट्टा
दाने की विशेषताएं.....चमकदार मोटे दाने

प्रमुख विशेषताएं

- उत्तम गुणवत्ता का चारा एवं दाने
- माहू एवं टहणी छेदक मख्खी के प्रति सहनशील
- सुखा एवं गिरने के प्रति सहनशील
- वातावरणीय बदलाव के लिए सहनशील
- खरीफ, रबी एवं गर्मी मौसम के लिए योग्य

निर्मल रबी ज्वार

एनएसआरआर-259 (सुवर्णा)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....120 से 125 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....230 से 240
भुट्टे की विशेषताएं.....मोटा एवं मध्यम सघन भुट्टा
दाने की विशेषताएं.....चमकदार मोटे दाने

प्रमुख विशेषताएं

- उत्तम गुणवत्ता का चारा एवं मोटे दाने
- रोटी के लिए बहुत बढ़िया किस्म
- टहणी छेदक मक्खी और चारकोल रॉट रोग के प्रति सहनशील
- मध्यम से भारी जमीन के लिए योग्य किस्म
- सूखे के प्रति सहनशील
- रबी मौसम बुआई के लिए उपयुक्त

निर्मल रब्बी ज्वार

एनएसआरआर-676 (अपर्णा)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....240 से 250
भुट्टे की विशेषताएं.....मध्यम सघन बडे शंक्वाकार आकार के भुट्टे
दाने की विशेषताएं.....चमकदार मोटे दाने

प्रमुख विशेषताएं

- उत्तम गुणवत्ता का चारा एवं मोटे दाने
- उत्कृष्ट दाने एवं स्वादिष्ट रोटी
- टहणी छेदक मक्खी एवं चारकोल रोग के प्रति सहनशील
- सूखा एवं गिरने के प्रति सहनशील
- केवल रबी मौसम बुआई के लिए उपयुक्त
- अच्छी जलधारण क्षमता एवं गहरी काली मिट्टी के लिए उपयुक्त किस्म

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....खरीफ–अच्छी जल निकास वाली मध्यम भारी जमीन
रबी–उत्तम जलधारण क्षमतावाली मध्यम भारी जमीन
बीज दर.....3 - 4 कि.ग्रा. प्रति एकड़
बुआई का समय.....खरीफ : मान्सून
रबी : सितम्बर–अक्तूबर
गर्मी : जनवरी–फरवरी
दूरी.....,45 x 15 सेंमी.
खाद.....भूमि की तैयारी करते समय 10 मे.टन
प्रति एकड़ एफवायएम खाद दें
उर्वरक की मात्रा (कि.ग्रा./हेक्टेयर) – नत्रजन : स्फूर : पोटाश
सिंचित– 80 : 40 : 40
असिंचित– 60 : 30 : 30

फसल संरक्षण–

शूट फ्लाई एवं तना छेदक – समयपर बुआई करें । क्लोरोपाइरीफॉस – 15 मिली प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर बुआई के 7 और 15 दिन के बाद छिड़काव करें ।

एफिड (माहू)–मैटासिस्टाक्स (35 ईसी) – 2 मिली प्रति लीटर पानी
बीज उपचार – टहणी छेदक मक्खी एवं तना छेदक के नियंत्रण के लिए थाईमेथोझम 3 ग्राम प्रति कि.ग्राम बीज की दर से बीजोपचार करें ।

● **मृदुरोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू) :** रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर जलाये । रिडोमिल एम झेड–72 से 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज दर से उपचारित करे

विशेष सिफारिश :
निर्मल बायोपॉवर गोल्ड दानेदार 25 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के समय देवें ।
निर्मल रायझामिका – 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवें

बहु कटाई चारा संकर ज्वार

एनएफएसएच-3048 (अनमोल)

गुण विशेषताएं

पहली कटाई.....55 से 60 दिन
दूसरी कटाई.....40 से 45 दिन (पहली कटाई के बाद)
तीसरी कटाई.....40 से 45 दिन (दूसरी कटाई के बाद)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....275 से 280
पत्ति की लम्बाई.....70 से 75
कल्ले/पौधा.....3 से 5

प्रमुख विशेषताएं

- बहु कटाईवाली किस्म
- तना पतला एवं ज्यादा मीठा होता है
- पत्ति रोग के प्रति अति सहनशील
- सफेद बीज वाली संकर ज्वार
- ज्यादा पाचक क्षमता और स्वादिष्ट
- प्रथिनों की ज्यादा मात्रा
- चारा हरा बना रहने की अच्छी क्षमता

खेती संबंधी सुझाव

भूमि..... अच्छी जल निकासवाली बलुई दोमट से दोमट मिट्टी, जिसका पी. एच. मान. 6.5 से 7.5 के बीच हो । यदि पानी का ज्यादा ठहराव हो तो फसल सहन नही कर पाती है ।

बीज दर .....10 कि.ग्राम प्रति एकड़

बुआई का तरीका.....सीड ड्रिल व्दारा, पंक्ती से पंक्ती की दूरी 30 सें.मी. । बीज की बुआई 2.0 से 2.5 सें.मी. गहराई से ज्यादा न हो ।

उर्वरक की मात्रा (कि.ग्राम प्रति एकड़).. नत्र : स्फूर : पोटाश
24 : 24 : 24
टॉप ड्रेसिंग (हर कट के बाद) – 20 कि.ग्रा. नत्र

खतपतवार प्रबंधन.....अंकुरण से पुर्व एट्राजिन – 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

फसल सुरक्षा –

शुट फ्लाई : खरीफ मौसम में बुआई 7 जुलाई के पहले करनी चाहिए । क्लोरोपायरीफॉस 1.5 मिली/लीटर पानी में मिलाकर बुआई के 7 एवं 15 दिन बाद छिड़काव करें ।

एफिड्स – मैटासिस्टाक्स (35 ईसी) 2 मिली प्रति लीटर पानी ।

बीज उपचार – थायोमेथॉक्झाम (70 डब्लू एस) 3 ग्राम/कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें । इससे शुट फ्लाई एवं तना छेदक का नियंत्रण होता है ।

कटाई – बुआई के 55 - 60 दिन बाद चारा फसल प्रथम कटाई के लिए तैयार होती है । उसके बाद 45 - 50 दिन के अंतराल से अगली कटाई के लिए फसल तैयार हो जाती है । अच्छी और पुनर्वृध्दि के लिए पहली कटाई जमीन से 8 - 10 सें.मी. ऊपर से करें ।

विशेष सिफारिश :

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –10 कि.ग्रा प्रति एकड़ बुआई के समय जड़ों के पास देवें ।
- **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ भूमि को सिंचाई करते समय देवें ।

संकर बाजरा

एनपीएच-1651

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....85 से 90 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....250 से 260 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....4 से 5
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....30 से 32

प्रमुख विशेषताएं

- ऊँची और देर से परिपक्व होने वाली किस्म
- बिना बाल के ठोस एवं लम्बे सिट्टे
- धुसर चमकीले रंगो के दाने
- हरा और साफ चारा
- डाउनी मिल्डयु रोग के प्रति अति सहनशील
- सिर्फ खरीफ मौसम के लिए उपयुक्त
- भारत के 'ए' जोन : पूर्व राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाना और उत्तरी मध्य प्रदेश राज्यों के लिए सिफारीश

संकर बाजरा

एनपीएच-4915 (यशवंत)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....80 से 85 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....250 से 260 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....3 से 4
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....30 से 32

प्रमुख विशेषताएं

- बिना बाल के ठोस एवं लम्बे सिट्टे
- चमकदार आकर्षक दाने
- हरा और साफ चारा
- डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं गर्मी मौसम में 'ए' जोन – राजस्थान, पंजाब, हरियाना, उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश एवं उत्तर गुजरात के लिए सिफारिश

संकर बाजरा

एनपीएच-5423

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....80 से 85 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....220 से 225 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....2 से 3
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....28 से 30

प्रमुख विशेषताएं

- बिना बाल के ठोस सिट्टे
- धुसर चमकीले रंग के दाने
- डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रति अति सहनशील
- पक्वता होने तक हरा चारा
- खरीफ एवं गर्मी (जनवरी) मौसम में बुआई के लिए सिफारिश

संकर बाजरा

एनपीएच-40+

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....75 से 80 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....180 से 190 (खरीफ)
125 से 130 (गर्मी)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....3 से 4
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....32 से 34

प्रमुख विशेषताएं

- ठोस, बिना बाल के लम्बे सिट्टे
- पक्वता होने तक हरा चारा
- डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं गर्मी (जनवरी) में बुआई के लिए योग्य

संकर बाजरा

एनपीएच-9

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....70 से 75 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....200 से 210 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....3 से 4
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....26 से 28

प्रमुख विशेषताएं

- बिना बाल के ठोस सिट्टे
- आकर्षक चमकदार दाने
- रोटी के लिए उत्तम एवं स्वादिष्ट
- डाउनी मिल्ड्यू के प्रति अति सहनशील
- खरीफ तथा गर्मी (जनवरी)मौसम में बुआई के लिए योग्य
- भारत के 'बी' जोन (मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र) के लिए सिफारिश

संकर बाजरा

एनपीएच-2494

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....75 से 80 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....225 से 230 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....2 से 3
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....28 से 30

प्रमुख विशेषताएं

- बिना बाल के ठोस सिट्टे
- चमकदार आकर्षक दाने
- डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रति अति सहनशील
- कटाई तक हरा और साफ चारा
- खरीफ एवं गर्मी (जनवरी) बी जोन (मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र) के लिए सिफारिश

संकर बाजरा

एनपीएच-4506 (शबरी)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....65 से 70 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....220 से 230 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....3 से 4
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....26 से 28

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी पकनेवाली किस्म
- बिना बाल के ठोस सिट्टे
- धुसर चमकीले रंग के दाने
- साफ व हरा चारा
- डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रति अति सहनशील
- खरीफ और गर्मी (जनवरी) में बुआई के लिए उपयुक्त किस्म
- भारत के सभी जोन के लिए सिफारिश

संकर बाजरा

एनपीएच-5286

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....80 से 85 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....220 से 225 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....3 से 4
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....25 से 27

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बे बाल के ठोस एवं लम्बे सिट्टे
- चमकदार आकर्षक दाने
- हरा और साफ चारा
- डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं गर्मी (जनवरी) मौसम में 'बी' जोन (मध्य एवं दक्षिण क्षेत्र) के लिए सिफारिश

बाजरा

आयसीटीपी-8203 एफ ई (धनशक्ती)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....70 से 75 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....180 से 200 (खरीफ)
कल्लो की संख्या प्रति पौधा.....2 से 3
सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....26 से 27

प्रमुख विशेषताएं

- बिना बाल के ठोस सिटटे
- धुसर आकर्षक चमकीले दाने
- डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रति अति सहनशील
- लोह की मात्रा ज्यादा और स्वादिष्ट रोटी
- खरीफ मौसम के लिए भारत के सभी जोन के लिए सिफारिश

खेती संबंधी सुझाव

भूमि..... हलकी से मध्यम
बीज दर .....1.5 से 2.0 कि.ग्राम प्रति एकड़
बुआई का समय.....खरीफ-15 जून से 15 जुलाई
(स्थानीय समय के अनुसार)
गर्मी–जनवरी
खाद..... भूमि की तैयारी के समय 10 टन/ एकड़
एफवायएम का इस्तेमाल करें ।
उर्वरक की मात्रा (कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर).. नत्र : स्फूर : पोटाश
100 : 50 : 50

सिंचाई – खरीफ मौसम में असिंचित फसल के लिए सिंचाई की जरुरत नही होती है । परंतु गर्मी मौसम में निम्न क्रांतिक अवस्थाओं में आवश्यक नमी होनी चाहिए ।
1) कल्ले निकलते समय 2) सिट्टे निकलते समय
3) फूलधारण समय 4) दाने भरते समय

फसल संरक्षण –
डाउनी मिल्ड्यू : रोग प्रतिरोधक संकर किस्मों का बुआई के लिए इस्तेमाल करें । मैटलॅक्झील उपचारित बीज का ही बुआई के लिए प्रयोग करें ।

विशेष सिफारिश :
- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवें ।

हरे चारे वाला संकर बाजरा

निर्मल न्युट्रेक्स

गुणविशेषताएं :

- पौधे की ऊँचाई – मार्च अंतिम बुआई – 310 सें.मी. (110 दिन)
  जुलाई बुआई – 180 सें.मी. (75 दिन)
- 50% फूल अवस्था – मार्च अंतिम बुआई (110 ते 130 दिन)
  जुलाई – (70 ते 75 दिन)
- फुटाव की संख्या – 7
- न्युट्रेक्स से भरपूर पोषक हरे चारे का उत्पादन मिलता है ।
- एक साल तक नियमित रुप से पोषक हरा चारा मिलता है ।
- न्युट्रेक्स से दुध उत्पादन में वृध्दि होती है ।
- न्युट्रेक्स यह बहु कटाई वाला पोषक चारा है ।
  इसमें 4 से 6 बार कटाई करने की क्षमता है ।
- अन्य चारे की तुलना में न्युट्रेक्स का उत्पादन दो गुना है ।
- न्युट्रेक्स से पशुओं को रासायनिक दवारहित भरपूर चारा मिलता है ।
- न्युट्रेक्स में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा है और
  पाचकशीलता भी भरपूर है ।
- न्युट्रेक्स चारा पौधों पर कीट एवं रोगों का प्रकोप नही होता ।

खेती संबंधी सुझाव

- **खेत का चुनाव एवं तैयारी**....चारा फसल विभिन्न प्रकार की भूमि में की जा सकती है परन्तु वृध्दि एवं भरपूर उपज के लिए गहरी और अच्छे जल निकासवाली दोमट मिट्टी इसके लिए उत्तम है ।
- **बीज दर**.....बीज की मात्रा 3 किलो प्रति एकड़ रखें ।
- **बुआई का समय**.....फरवरी से अगस्त
- **बुआई की विधि**.....न्युट्रेक्स की बुआई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सें.मी. और पौध से पौध की दूरी 15 सें.मी. रखें ।
- **उर्वरक की मात्रा**.....अंतिम जुताई से पहले खेत में गोबर की सड़ी हुई खाद /एफ वाई एम– 5 से 7 टन प्रति एकड़ अच्छी तरह मिला दें । फसल को 30 कि.ग्रा. नत्रजन, 20 कि.ग्रा. स्फूर और 15 कि.ग्रा. पोटाश प्रति एकड़ देवें ।
- **सिंचाई**.....सक्षम कल्लों एवं अच्छी पुनर्वृध्दि के लिए हर कटाई के बाद 2 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें । ताकि फसल में फुटाव अच्छा हो ।

फसल की कटाई :

- न्युट्रेक्स को कभी भी काट सकते है । परन्तु हरा एवं पौष्टिक चारा उत्पादन हेतु पौधों की ऊँचाई 1 से 1.20 मीटर कटाई के लिए उत्तम है ।
- कटाई करते समय बहु–कट चारा बाजरा (न्युट्रेक्स) की कटाई जमीन से 6 से 8 इंच ऊपर से करें ताकि फसल में पुनर्वृध्दि एवं फुटाव अच्छी प्रकार से हो ।
- पुनर्वृध्दि के लिए कटाई के बाद हर सिंचाई के साथ युरिया देवें ।
- न्युट्रेक्स यह कम पानी में तैयार होनेवाली बाजरा चारा फसल है । अच्छी रसिली स्वाद के लिए कटाई के पहले सिंचाई करें ।
- हर कटाई के बाद तुरंत सिंचाई के साथ 25 कि.ग्रा. युरिया देवें ।

संकर मक्का

निलेश (एनएमएच - 51+)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....90 से 100 दिन (खरीफ)
115 से 120 दिन (रबी)
140 से 145 दिन (रबी बिहार)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....250 से 260 (खरीफ)
280 से 290 (रबी)
भुट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....20 से 22
शेलिंग.....82 से 83 प्रतिशत

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी पकनेवाली एवं सीधी बढ़नेवाली किस्म
- नारंगी रंग के मोटे दाने ● हरे भुट्टे के लिए भी उत्तम
- पकने तक हरा चारा ● फुजारियम स्टाक रोट, राजस्थान डाऊनी मिल्ड्यू, बैक्टेरियल स्टाक रॉट, मेडिस लीफ ब्लाईट एवं रस्ट रोगों के प्रति अति सहनशील
- खरीफ, रबी एवं गर्मी मे बुवाई योग्य किस्म

संकर मक्का

एनएमएच-3095

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....105 से 110 दिन (खरीफ)
125 से 130 दिन (रबी)
145 से 150 दिन (रबी बिहार)
115 से 120 दिन (गर्मी)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....260 से 270 (खरीफ)
290 से 300 (रबी)
भुट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....20 से 22
शेलिंग.....84 से 85 प्रतिशत

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम नारंगी रंग के मोटे दाने
- टर्सिकम लीफ ब्लाइट एवं तना छेदक कीट के प्रति अति सहनशील
- सिरे तक भरे हुऐ दाने के साथ एकसमान भुट्टे
- उत्तम गुणवत्ता का हरा चारा
- खरीफ, रबी एवं गर्मी मौसम में बुवाई के लिए उपयुक्त

संकर मक्का

एनएमएच-666

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....120 से 125 दिन (खरीफ)
130 से 135 दिन (रबी)
150 से 155 दिन (रबी–बिहार)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....230 से 240 (खरीफ)
250 से 260 (रबी)
भुट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....20 से 22
शेलींग.....84 से 85 प्रतिशत

प्रमुख विशेषताएं

- वजनदार दाने
- बेलनाकार आकार एवं एकसमान भुट्टे
- सिरे तक भरे हुए दाने ● आकर्षक रंग के नारंगी दाने
- कटाई तक चारा हरा रहता है ● अत्यधिक उपज क्षमता

संकर मक्का

एनएमएच-3662

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....110 से 115 दिन (खरीफ)
130 से 135 दिन (रबी)
155 से 160 दिन (रबी बिहार)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....240 से 250 (खरीफ)
280 से 290 (रबी)
भुट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....20 से 22
शेलींग.....83 से 84 प्रतिशत

प्रमुख विशेषताएं

- सम्पूर्ण पक्वता एवं मध्यम फैलाव वाला पौधा
- चमकदार नारंगी रंग के पीलसर दाने
- एकसमान आकार के लम्बे भुट्टे
- सिंचित अवस्था एवं भारी काली मिट्टी के लिए सिफारिश
- टर्सिकम लीफ ब्लाईट, लिफ रस्ट एवं स्टेम बोरर के प्रति अति सहनशील ● खरीफ एवं रबी मौसम के लिए उपयुक्त

संकर मक्का

एनएमडब्लूएच-27+

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....100 से 110 दिन (खरीफ)
125 से 130 दिन (रबी)
140 से 150 दिन (रबी बिहार)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....250 से 260 (खरीफ)
290 से 300 (रबी)
भुट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....20 से 22
शेलिंग.....84 से 85 प्रतिशत

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम पक्वता के साथ चौड़े पत्तिवाली किस्म
- चमकदार सफेद रंग के मोटे दाने • उत्तम हरा चारा
- मेज स्ट्रिक वाइरस, लीफ ब्लाईट एवं रस्ट रोगों के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं रबी मौसम के लिए सिफारिश

संकर मधुमक्का

एनएससीएच 130 (स्विट हनी)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि (हरा भुट्टा).....70 से 75 दिन (खरीफ)
90 से 95 दिन (रबी)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....200 से 210 (खरीफ)
240 से 250 (रबी)
भुट्टे की लम्बाई (सें.मी.)..... 22 से 24

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी पकनेवाली किस्म (हरे भुट्टे)
- सफेद रंग लिए हुए पीले चमकदार मोटे दाने
- ज्यादा मीठास (15° – 16° ब्रीक्स)
- ज्यादा रसिले, मधुर दाने एवं थ्रेसींग के लिए आसान
- प्रमुख पत्ति रोगों के प्रति सहनशील

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर.....5 - 7 कि.ग्रा/एकड़ (संकर किस्मों की सिफारिश पर निर्भर)
2 - 3 कि.ग्रा/एकड़ (मधु मक्का)
बुआई का समय.....खरीफ (जून से जुलाई)
रब्बी (अक्तूबर से नवंबर)
गर्मी (15 जनवरी से 15 फरवरी)
बुआई की दूरी (सें.मी.).....60 × 25
खाद.....भूमि की तैयारी के समय 10 टन/ एकड़ एफवायएम का इस्तेमाल करें ।
उर्वरक की मात्रा (किलो प्रति हेक्टेयर). नत्र : स्फूर : पोटाश
120 : 60 : 60

सिंचाई : क्रांतिक अवस्थाओं में खेत में नमी की कमी न हो इसलिए सिंचाई की सुविधा होनी चाहिए । सामान्यत: यदि वर्षा की कमी हो तो क्रांतिक अवस्थाओं (घुटने तक ऊँचाईवाली अवस्था, झंडे निकलनेवाली अवस्था, दाना बनने की अवस्था) पर एक या दो सिंचाइयां कर देनी चाहिए ताकि उपज में गिरावट ना हो ।

फसल संरक्षण

टर्सिकम लीफ ब्लाईट व बॅन्डेड लीफ शिथ ब्लाईट : फूल अवस्था से पहले ट्रिफ्लोक्सीस्ट्रॉबीन 25% + टूब्यूकोनाझोल 50 % (नेटीवो 2 ग्राम/लीटर) छिड़काव करें ।

फफूंद एवं जीवाणु पत्ति रोग : टिल्ट (25 इसी) या बावीस्टीन 2 मिली / लीटर । प्लान्टोमायसिन 1.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

बीजोपचार : टर्सिकम लीफ ब्लाईट, बॅन्डेड लिफ शिथ ब्लाईट एवं मेडिस लीफ ब्लाईट रोगों के नियंत्रण के लिए बावीस्टीन + कॅप्टेन (1:1 अनुपात) 2 ग्राम / कि.ग्रा बीज की दर से बीज उपचार करें ।

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- फाल आर्मी वर्म के नियंत्रण के लिए बुआई के 20 दिन बाद **निर्मल स्नायपर** 1 कि.ग्राम/एकड़ देवें (प्रति पंप की मात्रा– स्नायपर 75 ग्राम + एस.एस. 100 - 3. 75 मिली)
- नत्रयुक्त उर्वरक की मात्रा 3 हिस्सों में बाटकर दीजिए
  पहली मात्रा – बुआई के समय
  दूसरी मात्रा – बुआई के 30 दिन बाद
  तीसरी मात्रा – बुआई के 60 दिन बाद + जिंक सल्फेट 10 कि.ग्रा/एकड़ देवें ।

गेहूँ
निर्भय (एनडब्लू-1)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 95
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....25 से 30 (योग्य देखभाल में)
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....12 से 15

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से पकनेवाली किस्म
- मध्यम मोटा एवं चमकदार दाना
- समय पर बुआई के लिए सिफारिश
- केवल 30 किलो बीज प्रति एकड़ के लिए सिफारिश
- उच्च प्रबंधन में अच्छी उपज देने की क्षमता
- महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगना और छत्तीसगड़ राज्यों के लिए सिफारिश

गेहूँ
विजय (एनडब्लू-816)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 95
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....12 से 15
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....10 से 12

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम मोटे चमकीले दाने
- उत्तम तथा स्वादिष्ट रोटी
- गेरुआ रोग के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज क्षमता

गेहूँ
अजय (एनडब्लू-72)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....105 से 110 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 100
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....15 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....10 से 12

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी पकनेवाली किस्म
- दाना मध्यम मोटा एवं चमकदार
- रोटी उत्तम तथा स्वादिष्ट होती है
- गेरुआ रोग के प्रति उच्च प्रतिरोधकता
- समयपर एवं देर से बुआई (दिसंबर) के लिए उपयुक्त किस्म

गेहूँ
सुप्रिम (एनडब्लू-74)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....110 से 115 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....95 से 100
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....15 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....10 से 12

प्रमुख विशेषताएं

- दाना मध्यम मोटा एवं चमकदार
- रोटी उत्तम तथा स्वादिष्ट होती है
- गेरुआ रोग के प्रति उच्च प्रतिरोधकता
- समयपर बुआई के लिए सिफारिश

गेहूँ

एनडब्लू-139 (उदय)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....100 से 105 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....85 से 90
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....12 से 15
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....10 से 12

प्रमुख विशेषताएं

- अति शिघ्र पकनेवाली किस्म
- मध्यम मोटा चमकीला दाना
- गेरुआ रोग के प्रति उच्च प्रतिरोधकता
- समयपर और देर से बुआई (दिसंबर) के लिए उपयुक्त किस्म

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर.....40 किलो प्रती एकड़
बुवाई का समय.....स्थानीय नुसार समयपर बुवाई
बुवाई की दूरी.....कतार से कतार कि दूरी 22.5 सें.मी.
उर्वरक की मात्रा (किलो/हेक्टेयर) नत्र : स्फूर : पोटाश
120 : 60 : 60

सिंचाई : गेहूँ की फसल को निम्न क्रांतिक अवस्थाओं में पानी की आवश्यकता होती है

- कल्ले निकलने की अवस्था (बोने के 40-45 दिन बाद)
- गाँठ बनने की अवस्था (बोने के 60-65 दिन बाद)
- फूल आने के पूर्व (बोने के 80-85 दिन बाद)
- दाने भरने की अवस्था (बोने के 110-115 दिन बाद)

गेहूँ के लिए सामान्यत: 4-6 सिंचाइयों की आवश्यकता होती है।

पौंध संरक्षण :

- **एफिड** : क्लोरोपाईरीफॉस 1.5 से 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.
- **गेरुआ** : डायथेन एम. 45 या डायथेन झेड.-78 @ 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** -25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** - 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्ननुसार छिड़काव करें.
  पहला छिड़काव - फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव - फूल अवस्था
  तीसरा छिड़काव - दाने भरते समय

संकर धान

एनपीएच-150

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 100
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....18 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....26 से 28

प्रमुख विशेषताएं

- पतला एवं अधिक लम्बा दाना
- स्वादिष्ट चावल एवं उत्तम गलन क्षमता
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति सहनशील
- खरीफ एवं रबी मौसम के लिए उपयुक्त
- खरीफ में तटीय ज्यादा पानीवाले क्षेत्र के लिए उपयुक्त नही है ।

संकर धान

एनपीएच-101

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....120 से 125 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....100 से 110
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....16 से 18
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....28 से 30

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बा पतला दाना
- ज्यादा से ज्यादा दाने लगने की उच्चतम क्षमता और प्रति बाली दानों की संख्या अधिक
- स्वादिष्ट चावल एवं उत्तम गलन क्षमता
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति अति सहनशील
- अधिक उपज क्षमता

संकर धान

एनपीएच-30

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....130 से 135 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....110 से 115
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....20 से 22
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....28 से 30

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बा और सुगंधविरहित दाना
- घट्ट बाली एवं अधिक दानों की संख्या
- ज्यादा मिलींग प्रतिशत के साथ अच्छी हेड राईस रिकवरी
- तराई की खेती /निचली सतह भूमि के लिए उपयुक्त

संकर धान

एनपीएच-242

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....120 से 125 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....100 से 110
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....20 से 22
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....28 से 30

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बा और सुगंधविरहित दाना
- घट्ट बाली एवं अधिक दानों की संख्या
- ज्यादा मिलींग प्रतिशत के साथ अच्छी हेड राईस रिकवरी
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति अति सहनशील
- खरीफ, रबी तथा सीधी बुआई के लिए उपयुक्त

संकर धान

सह्याद्री-4 (हंसा)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 100
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....16 से 18
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....26 से 28

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बा और सुगंधविरहित दाना
- स्वादिष्ट दाना एवं उत्तम गलन क्षमता
- खरीफ एवं रबी मौसम तथा सीधी बुआई के लिए उपयुक्त
- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किस्म
- अधिक उपज क्षमता

धान

साईराम (एनआर-9)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....140 से 150 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....110 से 120
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....18 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....22 से 24

प्रमुख विशेषताएं

- बहुत छोटा दाना
- स्वादिष्ट चावल
- अत्यधिक उपज क्षमता
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति सहनशील
- तराई कि खेती /निचली सतह भूमि के लिए उपयुक्त

धान

एनआर-81 (सुप्रिया)

गुण विशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 100
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....18 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....22 से 24

प्रमुख विशेषताएं

- बारीक, पतला एवं सुंगधविरहित दाना
- अधिक उपज एवं फसल न गिरने की क्षमता
- ज्यादा बाली एवं अधिक दानों की संख्या
- स्वादिष्ट दाना एवं उत्तम गलन क्षमता
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति सहनशील

धान

वैष्णवी (एनआर-241+)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....120 से 125 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 100
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....16 से 18
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....24 से 26

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम लम्बा दाना
- बाली में दानों की संख्या अधिक
- स्वादिष्ट चावल एवं उत्तम गलन क्षमता
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति सहनशील
- अधिक उपज क्षमता

धान

साई (एनआर-212)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....140 से 145 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....85 से 90
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....14 से 16
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....22 से 24

प्रमुख विशेषताएं

- छोटा दाना
- स्वादिष्ट चावल
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति सहनशील
- तराई की खेती/ निचली सतह भूमि के लिए उपयुक्त
- अत्यधिक उपज क्षमता

धान

पार्वती (एनआर-48)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....130 से 135 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....100 से 105
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....16 से 18
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....26 से 28

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बा एवं खुशबूदार दाना
- प्राकृतिक आपदाओं से फसल गिरती नही
- स्वादिष्ट चावल एवं ज्यादा गलन क्षमता
- प्रमुख कीट व रोगों के प्रति अति सहनशील
- अधिक उपज क्षमता

धान

एनआर-1011

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन (खरीफ)
125 से 130 दिन (रबी)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....90 से 100
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....18 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....24 से 26

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बा एवं सुगंधविरहित दाना
- उत्तम गलन क्षमता
- प्रध्वंस (ब्लास्ट) एवं सूखे के प्रति सहनशील
- खरीफ एवं रबी के लिए उपयुक्त
- सीधी बुवाई योग्य प्रजाति

धान

एनआर-89 (क्रांती)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....115 से 120 दिन (खरीफ)
120-125 दिन (रबी)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....100 से 110
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....16 से 18
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....24 से 26

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम लम्बा दाना, स्वादिष्ट चावल
- दाने पकाने में सर्वोत्तम है
- प्रमुख कीट एवं रोगों के प्रति अति सहनशील
- ऊपरी सतह भूमि एवं सीधी बुआई के लिए उपयुक्त
- खरीफ एवं रबी के लिए योग्य
- अधिक उपज क्षमता

धान

एनआर-348

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....130 से 135 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....100 से 110
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....18 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....24 से 26

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम लम्बे सुनहरे रंग के दाने
- बाली में ज्यादा से ज्यादा दाने लगते है
- स्वादिष्ट दाना एवं उत्तम गलन क्षमता
- प्रमुख कीट और रोगों के प्रति अति सहनशील
- फसल न गिरने की क्षमता
- तराई की खेती/ निचली सतह भूमि के लिए उपयुक्त

धान

मधुमती (एनबी-3)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....120 से 125 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....110 से 115
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....18 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....26 से 28

प्रमुख विशेषताएं

- अधिक लम्बा बासमती जैसा खुशबूदार दाना
- स्वादिष्ट दाना एवं उत्तम गलन क्षमता
- प्रमुख कीट और रोगों के प्रति सहनशील
- खरीफ एवं रबी मौसम के लिए उपयुक्त
- अधिक उपज क्षमता

धान

एनबी-37

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....105 से 110 दिन (खरीफ)
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....100 से 110
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....18 से 20
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....28 से 30

प्रमुख विशेषताएं

- शिघ्र पकनेवाली किस्म
- अधिक लम्बा, बासमती जैसा सुगन्धित दाना
- बाली में ज्यादा दाने लगते है
- दाना पकाने में सर्वोत्तम एवं स्वाद में अच्छा है
- अधिक उपज क्षमता

धान

एनआर-28

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....135 से 140 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....110 से 120
कल्लों की संख्या प्रति पौधा.....16 से 18
बाली की लम्बाई (सें.मी.).....24 से 26

प्रमुख विशेषताएं

- छोटा एवं सुगंध विरहित दाना
- पौधे गिरते नही
- बेहतरीन बालियां एवं दाना लगने की ज्यादा क्षमता
- स्वादिष्ट चावल एवं गलने की उत्तम क्षमता
- बैक्टेरियल लीफ ब्लाइट रोग के प्रति अति सहनशील

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर.....10 कि.ग्रा/एकड़ (उन्नत किस्में)
6 कि.ग्रा/एकड़ (संकर किस्में)
बुआई का समय.....मई से जून (खरीफ)
नवंबर से दिसंबर (रबी)
खाद.....भूमि की तैयारी करते समय 10 टन / एकड़ एफवायएम का प्रयोग करें ।

उर्वरक की मात्रा (कि.ग्रा./हेक्टेयर)

नत्र	:	स्फूर	:	पोटाश	
100	:	50	:	50	उन्नत किस्में
120	:	60	:	60	संकर किस्में

नत्रजन की मात्रा चार हिस्सों में बाटकर पहली मात्रा बुआई के समय, दूसरी कल्ले आते समय, तीसरी फ्लैग लिफ अवस्था में और चौथी मात्रा फूल आने के पहले देवें ।

फसल संरक्षण

- **तना छेदक** : क्लोरोपायरीफॉस 1.5 मिली प्रति लीटर पानी मे मिलाकर छिड़काव करें ।
- **प्रध्वंस (ब्लास्ट रोग)** : थायरम उपचारित बीजों का उपयोग करें । डायथेन एम 45, 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या ट्रायसायक्लॅजोल 2.5 ग्राम / लीटर पानी मे मिलाकर छिड़काव करें ।
- **गुतान झुलसा (शीथ ब्लाईट)** : कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **आभासी कंड (फाल्स स्मट)** : कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर बालीयां आते समय छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- **पौध उपचार :** 100 ग्राम रायझामिका + 200 लीटर पानी का घोल बनाकर तैयार घोल में पौधों के जड़ो को रोपाई से पूर्व लगभग 10 मिनट तक डुबोकर रखें । उसके बाद उपचारित पौधों की रोपाई करें ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्ननुसार छिड़काव करें.
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल अवस्था
  तीसरा छिड़काव – दाने भरते समय

संकर सरसों

एनआयएमएच-105

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....130 से 140 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....200 से 210
पौधे का प्रकार.....उँचा एवं आधा कसा हुआ
दाने का प्रकार.....धुसर भूरा गोलाकार एवं पुष्ट

प्रमुख विशेषताएं

- ऊँचा एवं मध्यम देर से पकनेवाली किस्म
- अधिक फलशाखाएं एवं अधिक फलियां
- खुलेपण लिए हुये फलियां
- वाईट रस्ट एवं स्क्लेरोटीनीया रॉट रोग के प्रति सहनशील
- अधिक उपज क्षमता

सरसों

गंगा

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....125 से 135 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.)....190 से 200
पौधे का प्रकार.....मध्यम उँचा एवं आधा कसा हुआ
दाने का प्रकार.....धुसर काला, गोलाकार एवं पुष्ट

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से आने वाली एवं मध्यम सुगठीत पौधा
- मुख्य शाखा की लम्बाई ज्यादा एवं खुलेपण लिए हुये फलियां
- व्यापक अनुकूलनशीलता
- वाईट रस्ट एवं स्क्लेरोटिनीया रॉट रोग के प्रति सहनशील

सरसों

निर्मल बोल्ड (एनएमएल-64)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....130 से 140 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....200 से 210
पौधे का प्रकार.....उँचा एवं मध्यम घना
दाने का प्रकार.....धुसर भूरा काला एवं पुष्ट

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से पकनेवाली एवं ऊँचा और घना पौधा
- मुख्य फलशाखा की लम्बाई अधिक होती है
- अत्यधिक फलशाखाएं एवं मोटा पुष्ट दाना
- वाईट रस्ट एवं स्क्लेरोटिनीया रोग के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज क्षमता

सरसों

ब्लॅक गोल्ड (एनएमएल-100)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....110 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....160 से 170
पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा एवं मध्यम घना
दाने का प्रकार.....गोलाकार एवं धुसर भूरा

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी पकनेवाली किस्म
- लम्बी फलियां
- व्यापक अनुकूलनशीलता
- पाउडरी मिल्ड्यू, वाईट रस्ट एवं स्क्लेरोटिनीया रॉट रोगों के प्रति सहनशील

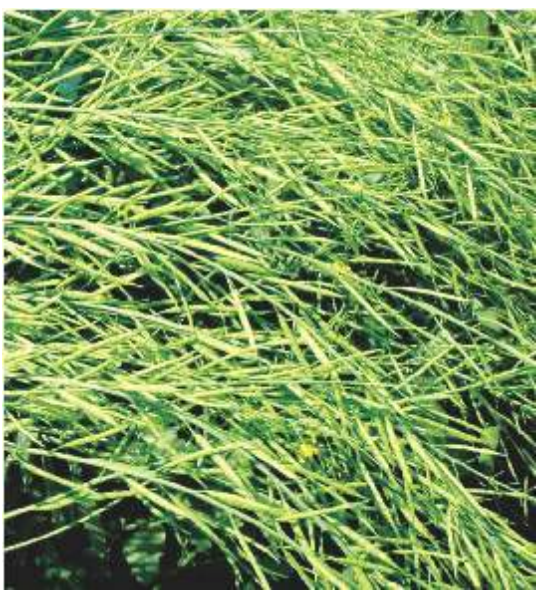

पीला सरसों

एनवायएम-283

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....120 से 130 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....110 से 120
पौधे का प्रकार.....बौना एवं मध्यम खुला
दाने का प्रकार.....चमकदार पीला एवं मोटा दाना

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से पकनेवाली एवं बौना किस्म
- अधिक लम्बी फल्लीया एवं अधिकतम दानों की संख्या
- वाईट रस्ट एवं भभूतीया रोगों के प्रति सहनशील
- जहाँ पीली सरसों की खेती होती है वही क्षेत्र के लिए उपयुक्त

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर .....उन्नत किस्में : 1 से 1.5 कि.ग्रा./एकड़
संकर किस्में : 1 कि.ग्रा/एकड़
बुआई का समय.....रबी मौसम
बुआई की दूरी (सें.मी.).....45 x 15
खाद.....भूमि की तैयारी करते समय 10 टन /एकड़ एफवायएम का प्रयोग करें।
उर्वरक की मात्रा (किलो प्रति हेक्टेयर)....

नत्र	:	स्फूर	:	पोटाश	:	गंधक
80	:	40	:	20	:	20

फसल संरक्षण

- **एफिड** : डाइमिथोएट (30 इसी) 2 मिली प्रति लीटर पानी
- **पैन्टेड बग** : इमिडाक्लोप्रिड (17.8 एसएल) 0.5 मिली प्रति लीटर पानी
- **स्क्लेरोटीनीया रॉट** : कार्बेन्डाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी मे मिलाकर बुवाई के बाद दो बार (50 दिन एवं 70 दिन के बाद) छिड़काव करें.
- **मृदुरोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू)** : 2 ग्राम डायथेन एम.45 प्रति लीटर पानी मे मिलाकर छिड़काव करें
- **सफेद रोली (व्हाईट रस्ट)** : मेन्कोजेब या रिडोमील एम.जैड. (72 WP) (मैटालैक्सिल 64 प्रतिशत और मेन्कोजेब 8 प्रतिशत मिश्रण) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **चूर्णिल आसिता (पाउडरी मिल्ड्यू)** : घुलनशील गंधक – 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या डिनोकॅप – 1 ग्राम प्रति लीटर पानी या कार्बेन्डाजिम –0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

विशेष सिफारिश :

- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्ननुसार छिड़काव करें.
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल अवस्था
  तीसरा छिड़काव – दाने भरते समय

संकर अरंडी

एनटीसीएच-198

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि (प्रथम सिट्टा).....120 से 130 दिन
पौधे की ऊँचाई (प्रथम सिट्टा) सें.मी.....110 से 120
तने का रंग.....लाल
प्रथम सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....70 ते 75
द्वितीय सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....45 ते 50

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से पकनेवाली किस्म
- लंबे शंक्वाकार एवं घने सिट्टे
- प्रति पौधा सिट्टों की संख्या ज्यादा
- मर एवं ग्रे मोल्ड रोगों के प्रति सहनशील
- अधिक उपज एवं व्यापक अनुकूलन क्षमता

संकर अरंडी

एनटीसीएच-324

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि (प्रथम सिट्टा).....110 से 120 दिन
पौधे की ऊँचाई (प्रथम सिट्टा) सें.मी.....100 से 110
तने का रंग.....लाल
प्रथम सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....75 ते 80
द्वितीय सिट्टे की लम्बाई (सें.मी.).....50 ते 55

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से पकनेवाली किस्म
- ज्यादा लम्बे शंक्वाकार एवं घने सिट्टे
- प्रति पौधा ज्यादा सिट्टों की संख्या
- मर रोग के प्रति अति सहनशील
- अधिक उपज क्षमता

खेती सबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर (प्रति एकड़).....2 किलो ग्राम
बुआई का समय.....खरीफ (जुलाई से अगस्त)
बुआई की दूरी (सें.मी.).....120 x 60
खाद.....भूमि तैयार करते समय
एफवाईएम 10 मे. टन प्रति एकड़ देवें।
उर्वरक की मात्रा (कि.ग्रा./हेक्टेयर) नत्र : स्फूर : पोटाश : गंधक
75 : 50 : 00 : 20

फसल संरक्षण

- **हरी अर्धकुण्डलक इल्ली, तम्बाकू की सूण्डी , कैप्सूल बोरर (फली छेदक) :** क्लोरांट्रानिलीप्रोल (18.5 एससी) 0.3 मिली प्रति लीटर या फ्लुबेन्डामाईड (480 एससी) 0.2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे।
- **लीफ हॉपर** : डाइमेथोएट (30 इसी) 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **उक्ठा (विल्ट) :**

– **बीजोपचार–** सिमोक्सानिल (8 %) मेन्कोजेब (64 % WP) 1 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें।

–**ड्रेंचिंग– निर्मल बायोसंजीवनी** (ट्राइकोडर्मा विरीडी 5 ग्राम + स्युडोमोनास फ्लोरेसन्स 5 ग्राम) 10 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर ड्रेंचिंग करें

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे

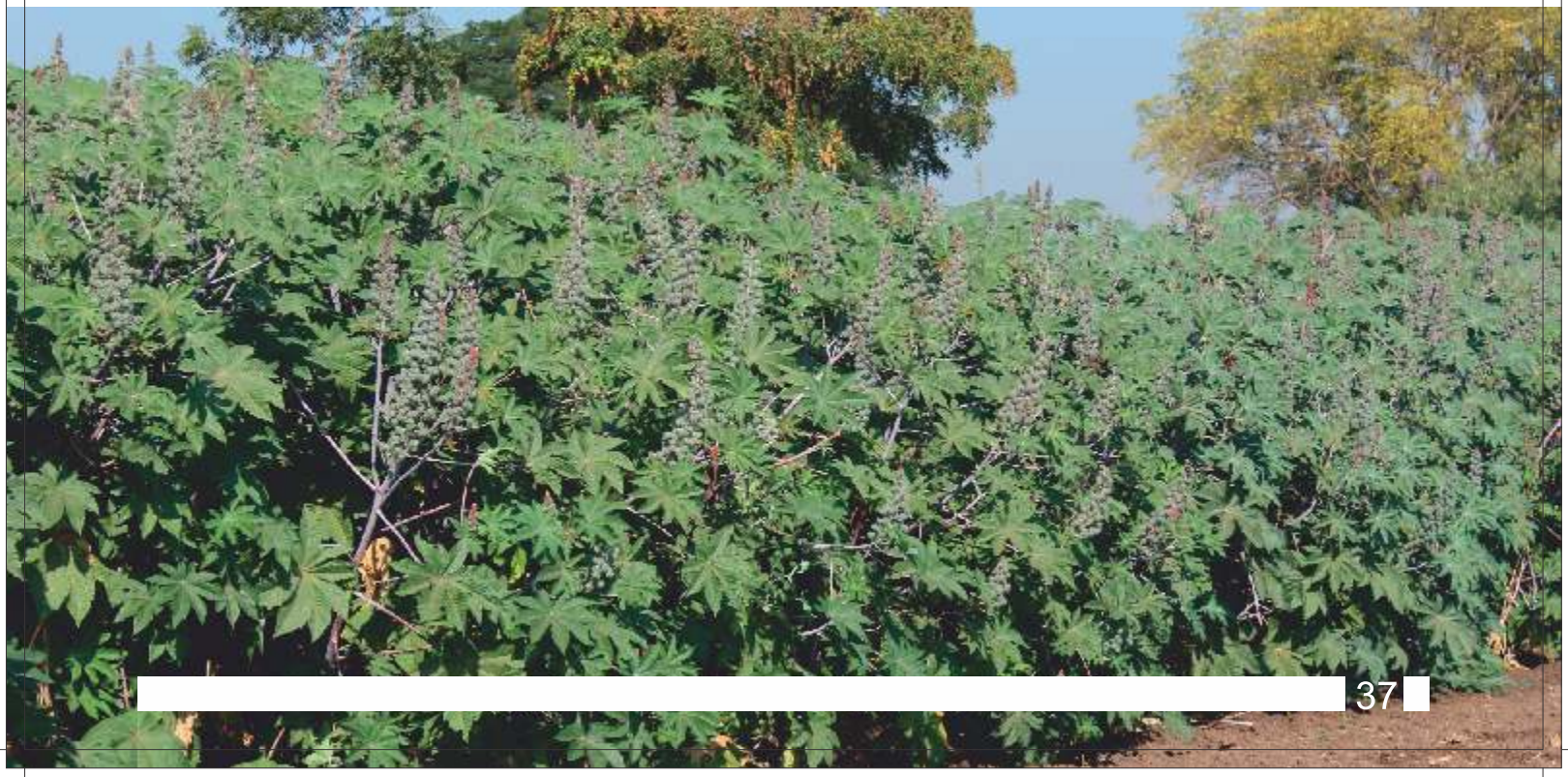

अरहर

दुर्गा (एनटीएल-30)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....150 से 160 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....170 से 180
दाने का रंग.....लाल
दाने की संख्या प्रति फली.....4 से 5

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम जल्दी पकनेवाली किस्म
- अच्छा फैलाव के साथ बेहतरीन गुच्छों में फलधारण क्षमता
- उत्कृष्ट दाल एवं उत्तम गलन क्षमता
- उक्ठा (विल्ट) और बाँझ रोग के प्रति अति सहनशील
- सिंचित क्षेत्र में उत्तम पुनर्बहार क्षमता
- मध्य और दक्षिण भारत के लिए उपयुक्त

अरहर

पिंकी (एनटीएल-900)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....155 से 165 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....180 से 190
दाने का रंग.....लाल
दाने की संख्या प्रती फली.....4 से 5

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से पकनेवाली किस्म
- अच्छा फैलाव एवं लम्बी फलशाखाएं
- गुच्छों मे फलियाँ लगती है
- सिंचित क्षेत्र में उत्तम पुनर्बहार क्षमता
- मध्यम मोटा दाना, उत्कृष्ट दाल और गलन क्षमता
- मध्य एवं दक्षिण भारत के लिए सिफारिश

अरहर

एनटीएल-539

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....150 से 160 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....160 से 170
दाने का रंग.....सफेद
दाने की संख्या प्रति फली.....4 से 5

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम जल्दी पकनेवाली किस्म
- ज्यादा फैलाव एवं गुच्छों में फलियां लगने की क्षमता
- उत्कृष्ट दाल एवं उत्तम गलन क्षमता
- मध्य एवं दक्षिण भारत के लिए उपयुक्त

अरहर

एनटीएल-873

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....140 से 150 दिन
हरी फलियों की प्रथम तुड़ाई.....125 से 130 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....190 से 200
दाने का रंग.....सफेद
दाने की संख्या प्रति फली.....5 से 6

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम जल्दी पकनेवाली किस्म
- उँचा झुका हुआ पौध प्रकार
- फलियों की लम्बाई ज्यादा एवं दानों में मीठास
- सफेद मोटे दाने एवं उत्कृष्ट दाल और उत्तम गलन क्षमता
- सिंचित क्षेत्र में उत्तम पुनर्बहार क्षमता
- हरी फलियां और दाने दोनों के लिए उपयुक्त

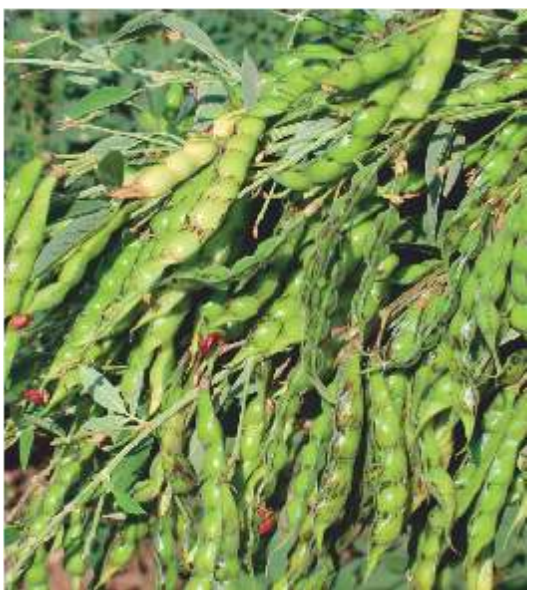

अरहर

एनटीएल-2 (निलम)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....180 से 190 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....210 से 220
दाने का रंग.....सफेद
दाने की संख्या प्रति फली.....5 से 6

प्रमुख विशेषताएं

- देर से पकनेवाली किस्म
- ऊँचा झुका हुआ पौध प्रकार
- ज्यादा लम्बी फलीया और प्रति फली में दानों की संख्या अधिक
- मोटे दाने एवं दानों में ज्यादा मीठापन
- दाल के लिए उत्तम गुणवत्ता
- फली छेदक इल्ली के प्रति सहनशील
- केवल खरीफ सिंचित क्षेत्र के लिए सिफारिश
- हरी फलियां एवं दाने दोनों के लिए उपयुक्त

अरहर

एनटीएल-669

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....170 से 180 दिन
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....180 से 190
दाने का रंग.....लाल
दाने की संख्या प्रति फली.....4 से 5

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम देर से पकनेवाली किस्म
- अच्छे फैलाव के साथ बेहतरीन गुच्छों में फलधारण क्षमता
- उत्कृष्ट दाल एवं उत्तम गलन क्षमता
- उक्ठा (विल्ट) और बाँझ रोग के प्रति अति सहनशील
- अत्यधिक उपज क्षमता

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर (प्रति एकड़).....2 – 3 किलो ग्राम
बुआई का समय.....जून से जुलाई
बुआई की दूरी (सें.मी.).....120 x 90 –
(सिंचित एवं देर से पकनेवाली किस्में),
90 x 60 –
(मध्यम देर से पकनेवाली किस्में)
खाद.....भूमि की तैयारी करते समय
10 टन/ एकड़ एफवायएम का इस्तेमाल करें ।

उर्वरक की मात्रा (कि.ग्रा./हेक्टेयर)

नत्र	:	स्फूर	:	पोटाश	:	गंधक
25	:	50	:	50	:	20

फसल संरक्षण

- **पत्ता वलन करनेवाली इल्ली (लीफ वेबर)** : क्लोरोपाइरीफॉस 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **फली छेदक इल्ली** : इमामेक्टीन बेन्जोएट 0.3 ग्राम या प्रोफेनोफॉस 2 मिली या क्लोरोनट्रानिलिप्रॉल 0.3 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फुजारियम विल्ट :** जहाँ रोग का प्रकोप ना हो वही खेत चुनें । रोग ग्रसित पौधे को उखाड़ कर नष्ट करें । अरहर + ज्वार या अरंड फसल प्रणाली को अपनायें । कार्बेन्डाजिम या कॉपर ऑक्सिक्लोराइड 1.5 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर ड्रेंचिंग करें ।
- **बाँझ रोग (स्टेरिलीटी मोजेक)** : यह रोग विषाणू जनित है, जिसका वाहक माईट है । फसल के विभिन्न अवस्थाओं में माईट का नियंत्रण करने के लिए कैल्थेन (0.1%) या डाइकोफॉल 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश :

- बुआई के पहले बीज को **निर्मल भुपरिस** (रायझोबीयम) और ट्रायकोडर्मा से बीजोपचार कर बुआई करें
- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** २ मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर तीन छिड़काव करें ।
  पहला छिड़काव–फूल निकलने से पहले,
  दूसरा छिड़काव–फूल धारणा की अवस्था में,
  तीसरा छिड़काव–दाने भरते समय

उड़द

विश्वास (एनयुल-7)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....70 से 75 दिन
पौधा.....सीमित एवं सघन
दाने का रंग.....काला, मोटे दाने
दाने की संख्या प्रति फली.....6 से 8

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी पकने वाली किस्म
- सघन एवं सीमित पौध प्रकार
- कम से कम पत्ती और एकसमान पक्वता
- येलोवेन मोजेक वायरस और भभुतिया रोग के प्रति सहनशील
- खरीफ और रबी (दक्षिण भारत) मौसम के लिए सिफारिश
- भारत सरकार द्वारा प्रमाणित किस्म

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर (प्रति एकड़).....खरीफ : 5 से 6 किलो ग्राम
रबी/गर्मी : 6 से 8 किलो ग्राम
बुआई का समय.....खरीफ -15 जून से 15 जुलाई
रबी -15 सितंबर से 15 अक्टूबर
गर्मी -15 फरवरी से 15 मार्च
बुआई की दूरी (सें.मी.).....45 x 5-8 (खरीफ)
30 x 5-8 (गर्मी)
खाद.....भूमि की तैयारी के समय 10 टन/एकड़ एफवायएम का इस्तेमाल करें ।

उर्वरक की मात्रा (किलो प्रति हेक्टेयर).

नत्र : स्फूर : पोटाश : गंधक
20 : 40 : 40 : 20

फसल संरक्षण

- **रसचूसक कीट** : फ्लोनिकामिड (50 WG) - 0.4 ग्राम/लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली प्रति लीटर पानी मे मिलाकर छिडकाव करें ।
- **बालदार इल्ली** : क्लोरोपायरीफॉस 1.5 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें ।
- **फली छेदक इल्ली** : क्लोरोनट्रानिलीप्रोल 0.3 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे ।
- **भभुतीया रोग** : गंधक 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे ।

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लिटर पानी में मिलाकर 3 छिड़काव करे।
  पहला छिड़काव.....फूल निकलने से पहिले,
  दूसरा छिड़काव.....फूल धारणा की अवस्था में,
  तीसरा छिड़काव.....दाने भरते समय

मूंग
नवल (एनव्हीएल-1)

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....60 से 65 दिन
पौधा.....सीमित बढ़नेवाला
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....50 से 60
दाने की संख्या प्रति फली.....12 से 14
दाने का रंग.....चमकदार हरा मोटा दाना

प्रमुख विशेषताएं

- सीमित एवं मध्यम फैलनेवाला पौधा
- लम्बी फलियां और फलियों में दानों की संख्या ज्यादा
- एकसमान पकनेवाली एवं पकने पर फली चटकती नही
- भभुतीया रोग के प्रति अति सहनशील
- येलोवेन मोजेक वायरस के प्रति मध्यम सहनशील
- केवल खरीफ मौसम में समयपर बुआई के लिए अनुशंसित

मूंग
एनव्हीएल-825

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....60 से 65 दिन
पौधा.....सघन एवं मध्यम फैलाववाला
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....60 से 70
दाने की संख्या प्रति फली.....12 से 14
दाने का रंग.....चमकदार हरा मोटा दाना

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलने वाला पौधा
- लम्बी फलियां और फलियों में अधिक दानों की संख्या
- येलो मोजेक वायरस के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं गर्मी मौसम के लिए सिफारिश

मूंग
एनव्हीएल-516

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....60 से 65 दिन
पौधा.....सीमित बढ़नेवाला
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....50 से 60
दाने की संख्या प्रति फली.....10 से 12
दाने का रंग.....चमकदार हरा, मध्यम मोटे दाने

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी और एकसमान पकनेवाली किस्म
- प्रति गुच्छा ज्यादा से ज्यादा फलियों की संख्या
- पकने पर फली चटकती नही
- मूंगबीन येलो मोजेक वायरस के प्रति अति सहनशील
- विश्वविद्यालय के सिफारिश के नुसार सभी मौसम के लिए उपयुक्त

मूंग
एनव्हीएल-585

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....60 से 65 दिन
पौधा.....सीमित बढ़नेवाला
पौधे की ऊँचाई (सें.मी.).....50 से 60
दाने की संख्या प्रति फली.....12 से 14
दाने का रंग.....चमकदार हरा, मध्यम मोटे दाने

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी और एकसमान पकनेवाली किस्म
- प्रति गुच्छा ज्यादा से ज्यादा फलियों की संख्या
- फलियां पकनेपर चटकती नही
- मूंगबीन येलो मोजेक वायरस के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं गर्मी मौसम के लिए सिफारिश

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर (प्रति एकड़).....5 से 6 कि. ग्रा.(खरीफ)
6 से 8 कि. ग्रा. (रबी एवं गर्मी)
बुआई का समय.....खरीफ (15 जून से 15 जुलाई)
रबी (15 सितंबर से 15 अक्टूबर)
गर्मी (15 फरवरी से 15 मार्च)
बुआई की दूरी (सें.मी.).....45 x 5 - 8 (खरीफ या रब्बी)
30 x 5 - 8 (गर्मी)

उर्वरक की मात्रा (कि.ग्रा./हेक्टेयर)

नत्र	स्फूर	पोटाश	गंधक
20	40	40	20

फसल संरक्षण

- **रसचुसक कीट** : फ्लोनिकामिड (50 WG) - 0.4 ग्राम/लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे ।
- **बालदार इल्ली** : क्लोरोपायरीफॉस 1.5 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे ।
- **फली छेदक इल्ली** : क्लोरोनट्रानिलीप्रोल 0.3 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे ।
- **भभुतीया रोग** : गंधक 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे ।

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर तीन छिड़काव करे।

पहला छिड़काव.....फूल निकलने से पहले,
दूसरा छिड़काव.....फूल धारणा की अवस्था में
तीसरा छिड़काव.....दाने भरते समय

सब्जी फसलें

संकर भिण्डी

एनओएच-2579 (सोफिया)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....48 से 52 दिन
फलों का रंग.....ज्यादा गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....10 से 12 से.मी.
फसल की अवधि.....120 से 130 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- ज्यादा गहरे हरे रंग के लम्बे फल
- दो फलों के बीच की दूरी कम
- इएलसीवी एवं येलोवेन मोजेक वाइरस के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर भिण्डी

एनओएच-1758 (लिसा)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....48 से 50 दिन
फलों का रंग.....ज्यादा गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.
फसल की अवधि.....110 से 120 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- ज्यादा गहरे हरे रंग के लम्बे फल
- दो फलों के बीच की दूरी कम
- इएलसीवी एवं येलोवेन मोजेक वाइरस के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर भिण्डी

एनओएच-1082 (मिरा)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....50 से 55 दिन
फलों का रंग.....गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....10 से 12 सें.मी.
फसल की अवधि.....120 से 130 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी फलधारण क्षमता
- दो फलों के बीच की दूरी कम
- गहरे हरे रंग के लम्बे, सीधे पाँच धारियाँवाले फल
- येलोवेन मोजेक वाइरस एवं इएलसीवी रोगों के प्रति अति सहनशील
- ठंड को छोड़कर इसे सालभर लगा सकते है

संकर भिण्डी

एनओएच-1684 (कजरी)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....48 से 52 दिन
फलों का रंग.....गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....8 से 10 सें.मी.
फसल की अवधि.....110 से 120 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के सरल मुलायम फल
- फल लगने के बीच की दूरी कम और नीचे से ऊपर तक फलधारण क्षमता
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- येलोवेन मोजेक वायरस एवं पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति अति सहनशील
- निर्यातक्षम गुणवत्ता के साथ अत्यधिक उपज क्षमता
- जहाँ अति ठंड एवं ज्यादा तापमान हो वहाँ के लिए कम सहनशील

संकर भिण्डी

एनओएच-1648 (निधी)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....50 से 55 दिन
फलों का रंग.....गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....10 से 12 सें.मी.
फसल की अवधि.....110 से 120 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के मुलायम फल
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- येलोवेन मोजेक वायरस के प्रति अति सहनशील
- भरपूर पैदावार और निर्यात के लिए उपयुक्त
- ज्यादा ठंड एवं ज्यादा तापमान के प्रति कम सहनशील

संकर भिण्डी

एनओएच-1336 (गोपी)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....50 से 55 दिन
फलों का रंग.....गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....10 से 12 सें.मी.
फसल की अवधि.....110 से 120 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन वृध्दि के साथ अच्छी फलशाखाएं
- आकर्षक गहरे हरे मुलायम फल
- सरल एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले फल
- उत्कृष्ट स्वाद एवं उत्कृष्ट टिके रहने की क्षमता
- येलोवेन मोजेक वायरस, पाउडरी मिल्ड्यू एवं इएलसीवी के प्रति अति सहनशील
- ठंड के लिए कम सहनशील
- खरीफ, रबी एवं शुरुआती गर्मी मौसम के लिए उपयुक्त

संकर भिण्डी

एनओएच-15+

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....50 से 52 दिन
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.
फसल की अवधि.....110 से 120 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन वृध्दि के साथ अपेक्षाकृत जल्दी फलधारण क्षमता
- आकर्षक हरे मुलायम फल
- सरल एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले फल
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- येलोवेन मोजेक वायरस एवं पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति सहनशील.
- अत्यधिक उपज क्षमता

भिण्डी

एनओएल-303+ (ज्युली)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....48 से 50 दिन
फलों का रंग.....गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....10 से 12 सें.मी.
फसल की अवधि.....115 से 120 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के फल
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- येलोवेन मोजेक वायरस के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज क्षमता

भिण्डी

एनओएच-101 (निशा)

गुणविशेषताएं

पहली तुड़ाई.....50 से 52 दिन
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.
फसल की अवधि.....110 से 115 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- अच्छी फलधारण क्षमता के साथ बेहतरीन किस्म
- चमकीले हरे रंग के मुलायम फल
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- येलोवेन मोजेक वायरस के प्रति सहनशील
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....उन्नत किस्में–10 से 12 कि.ग्रा.
संकर किस्में–7 से 7.5 कि.ग्रा.
बुआई की दूरी (सें.मी.).....60 × 30
खाद एवं उर्वरक की मात्रा (कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर)
भूमि तैयार करते समय एफवाईएम 25-30 मे.टन प्रति हेक्टेयर देवें ।
बुआई करते समय 90 कि.ग्रा. नत्र, 80 कि.ग्रा. स्फूर और 80 कि.ग्रा. पोटाश देवें । बुआई के 30 दिन बाद नत्र 90 कि.ग्रा./हे. देवें ।

फसल सुरक्षा

- **एफिडस्, जैसिड, थ्रिप्स एवं सफेद मक्खी :** फ्लोनिकामिड (50 WG) -0.4 ग्राम/लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फ्रुट एवं शुट बोरर :** लॅम्बडा–सायहॅलोथ्रिन 0.8 मिली प्रति लीटर या क्लोरोपाईरिफॉस 2 मिली प्रति **लीटर** या कारटॅप हाईड्रोक्लोराईड 1 ग्राम प्रति **लीटर** पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** डिनोकॅप 1 ग्राम /लीटर पानी या डाईफेनोकोनॅझोल 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **येलोवेन मोजेक वायरस :** सफेद मक्खी का नियंत्रण करना जरुरी है इसके लिए डिफेंथीयुरॉन 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर नियंत्रण करें और इसके अलावा ग्रसित पौधों को उखाड़ कर फेकना चाहिए ।

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति **लीटर** पानी में मिलाकर तीन छिड़काव करे।

पहला छिड़काव.....फूल निकलने से पहले,
दूसरा छिड़काव.....फूल धारणा एवं फलधारणा की अवस्था में
तीसरा छिड़काव.....फल आते समय

बैंगन

संकर बैंगन

एनबीएच-627 (संजय)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हरे रंग पर जामुनी और सफेद धारियां
फलों का आकार.....गोल से अंडाकृति
फल का वजन.....80 से 90 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले फल और काँटोवाली किस्म
- प्रतिकूल परिस्थिति में भी अच्छा रंग प्रतिधारण क्षमता
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- बढ़िया उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1956

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम उँचा
फलों का रंग.....जामुनी रंग के फलों पर सफेद और हरी धारियां
फलों का आकार.....गोल अंडाकृति
फल का वजन.....80 से 90 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम उँचा एवं सीधा पौधा
- कांटेदार एवं चमकदार फल
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- प्रतिकूल परिस्थिति में भी अच्छा रंग प्रतिधारण क्षमता
- आकर्षक डंठल वाले बेहतरीन फल
- बढ़िया उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1421

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....जामुनी रंग के फलों पर सफेद और हरी धारियां
फलों का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....70 से 80 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव के साथ काँटेवाली किस्म
- आकर्षक रंग के साथ बेहतरीन स्वाद
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- अच्छा रंग प्रतिधारण
- गुच्छों में फलधारण क्षमता होने से अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1230

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....जामुनी रंग पर हरी और सफेद धारियां
फलों का आकार.....गोल से अंडाकृ
फल का वजन.....90 से 100 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले फल और काँटे रहित पौधे
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- फल गोल से अंडाकृति मध्यम आकार के साथ अच्छा रंग प्रतिधारण
- अत्यधिक उपज क्षमता.

संकर बैंगन

एनबीएच-1430

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....जामुनी पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....80 से 90 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव के साथ पौधों पर काँटे होते है
- बेहतरीन रंग प्रतिधारण क्षमता
- चमकदार फल और टिके रहने की उत्तम क्षमता
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1300

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....जामुनी पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....गोल से अंडाकार
फल का वजन.....70 से 80 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव के साथ काँटेरहित पौधे
- आकर्षक गोल से अंडाकार, जामुनी पर सफेद धारियाँयुक्त चमकीले फल
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- अपेक्षाकृत जल्द फलधारण के साथ बेहतरीन उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1210

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा एवं मध्यम सीधा
फलों का रंग.....जामुनी रंग पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....मध्यम लम्बा
फल का वजन.....110 से 120 ग्राम.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम सीधा पौधा
- आकर्षक मध्यम लम्बे फल जिसपर जामुनी रंग एवं सफेद धारियां होती है
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1214

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हरे रंग पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....70 से 80 ग्राम.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव के साथ काँटे वाले पौधे
- आकर्षक हरे रंग पर सफेद धारियां
- आकर्षक अंडाकार आकार के एकसमान फल
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- स्वादिष्ट एवं आकार के कारण व्यापक रुप से इसे स्वीकार करते है

संकर बैंगन

एनबीएच-1518

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम सीधा
फलों का रंग.....हरे रंग पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....बडा अंडाकृति
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- तेजी से बढ़नेवाली काँटेदार किस्म
- बड़े अंडाकृति, चमकदार हरे रंग पर सफेद धारियांयुक्त फल
- बेहतरीन स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- भरता बनाने के लिए बढ़िया किस्म
- बेहतरीन उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-743

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हरा एवं सफेद धारियां
फलों का आकार.....गोल से अंडाकार
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव के साथ काँटे वाले पौधे
- हल्का हरा एवं सफेद धारियां वाले आकर्षक फल
- बड़े गोल से अंडाकार आकार के काँटेंयुक्त कम बीज वाले फल
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1325

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हरा लिए हुए सफेद
फलों का आकार.....गोल अंडाकृति
फल का वजन.....60 से 70 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव एवं काँटे रहित पौधे
- एकसमान आकार के फल
- बेहतरीन स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1322

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मजबूत एवं मध्यम सीधा
फलों का रंग.....हरे रंग पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....बडा अंडाकृति
फलों का वजन.....250 से 300 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- अतिशय मजबूत एवं मध्यम सीधा बढ़नेवाला पौधा
- बड़े अंडाकार आकार के फल के साथ कांटे रहित पौधे
- भरता बनाने के लिए बढ़ियाँ किस्म
- कम बीज एवं एकसमान आकार के आकर्षक फल
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- बैक्टीरियल विल्ट के प्रति अति सहनशील

संकर बैंगन

एनबीएच-1698

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....सीधा ऊँचा एवं मजबूत
फलों का रंग.....हरे रंग पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....गोल से अंडाकार
फल का वजन.....110 से 120 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- अधिक सशक्त, मध्यम सीधा पौधा
- मध्यम बड़े आकार के एकसमान फल
- काँटे रहित पौधे
- कम बीज के साथ आकर्षक फल
- लम्बे समय तक लगातार फलधारण क्षमता
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1305

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हरे रंग पर सफेद धारियां
फलों का आकार.....मध्यम लम्बा
फल का वजन.....110 से 120 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव वाला पौधा
- हरे रंग पर सफेद धारियांयुक्त फल
- एकसमान, बेलनाकार आकर्षक मध्यम लंबे फल
- लम्बे समय तक लगातार फलधारण क्षमता
- बैक्टीरियल विल्ट के प्रति अति सहनशील

संकर बैंगन

एनबीएच-1156

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....जामुनी से गुलाबी
फलों का आकार.....गोल से अंडाकृति
फल का वजन.....70 से 80 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव वाले काँटे रहित पौधे
- छोटे गोल से अंडाकार आकार के चमकदार फल
- आकर्षक जामुनी से गुलाबी रंग के फल
- एकसमान आकार, स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- लम्बे समय तक लगातार फल लगने की क्षमता
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- उत्तम पुनर्बहार क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1641

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....गुलाबी बैंगनी
फलों का आकार.....गोल से अंडाकृति
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव, काँटे रहित पौधे
- आकर्षक चमकदार मध्यम बड़े गोल से अण्डाकार फल
- गुलाबी बैंगनी रंग के फल
- एकसमान आकार के फल
- अच्छा रंग प्रतिधारण एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-972

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकदार गहरा बैंगनी
फलों का आकार.....गोल से अंडाकृति
फल का वजन.....150 से 180 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव वाला पौधा
- आकर्षक गहरे बैंगनी फल
- गोल से अण्डाकार, मध्यम बडे आकार के फल
- अच्छा रंग प्रतिधारण एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- उत्तम पुनर्बहार क्षमता के कारण अत्यधिक उपज क्षमता
- लिटल लीफ, फोमोप्सिस एवं ब्लाईट के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर बैंगन

एनबीएच-542

गुण विशेषाताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....काला जामुनी
फलों का आकार.....लम्बाकार
फल का वजन.....100 से 110 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव एवं काँटे रहित पौधा
- आकर्षक नाशपति आकार जैसे मध्यम बड़े फल
- उत्कृष्ट रंग प्रतिधारण क्षमता
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1465

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा व मध्यम सीधा
फलों का रंग.....चमकदार काला
फलों का आकार.....मोटा गोल अंडाकृति
फल का वजन.....300 से 350 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा व मध्यम सीधा मजबूत पौधा
- बड़े गोल अंडाकृति आकार के साथ बेहतरीन गूदा
- आकर्षक चमकदार काले रंग के फल
- बेहतरीन रंग प्रतिधारण एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1001

गुण विशेषाताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकदार जामुनी
फलों का आकार.....मोटा अंडाकृति
फल का वजन.....300 से 350 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव एवं तेजी से बढ़नेवाला काँटे रहित पौधा
- बड़े अण्डाकार आकार के चमकदार एकसमान फल
- अच्छे रंग प्रतिधारण के साथ टिके रहने की उत्तम क्षमता
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म.

संकर बैंगन

एनबीएच-1167

गुण विशेषाताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा, मध्यम सीधा
फलों का रंग.....काला जामुनी
फलों का आकार.....लम्बा
फल का वजन.....70 से 80 ग्राम
फल की लम्बाई.....14 से 16 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम सीधा पौधा
- हरे डंठल वाले, काले जामुनी आकर्षक फल
- लम्बे आकार के फल
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- बढ़ियाँ उपज देनेवाली किस्म

संकर बैंगन

एनबीएच-1772

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा, सीधा
फलों का रंग.....काला
फलों का आकार.....लम्बा
फलों का वजन.....90 से 100 ग्राम
फल की लम्बाई.....22 से 25 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं सीधा बढ़नेवाला पौधा
- आकर्षक काले रंग के लम्बे फल
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

संकर बैंगन

एनबीएच-1113

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....गुलाबी जामुनी
फलों का आकार.....लम्बा
फल का वजन.....60 से 75 ग्राम
फल की लम्बाई.....12 से 15 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलनेवाला पौधा
- आकर्षक गुलाबी जामुनी रंग के लम्बे बेलनाकार फल
- अच्छा रंग प्रतिधारण
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- गुच्छों में फलधारण के कारण अत्यधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-961

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा, मध्यम सीधा
फलों का रंग.....चमकदार हरा
फलों का आकार.....लम्बा
फल का वजन.....100 से 110 ग्राम
फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- ऊँचा एवं मध्यम सीधा बढ़नेवाला पौधा
- आकर्षक चमकदार हरे रंग के बेलनाकार फल
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- गुच्छों में फल लगने से अधिक उपज क्षमता

संकर बैंगन

एनबीएच-1404

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....सफेद
फलों का आकार.....गोल से अण्डाकार
फल का वजन.....60 से 70 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव एवं काँटा रहित पौधे
- गोल से अण्डाकार आकार के सफेद फल
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- अधिक उपज क्षमता

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....200 से 250 ग्राम
बुवाई की दूरी.....90 x 90 या 75 x 60 या 90 x 60 सें.मी
खाद एवं उर्वरक.....जमीन तैयार करते समय 20-25 टन प्रति हेक्टेयर एफवायएम देवें।
रोपाई के पहले 100 कि.ग्रा. नत्र, 80 कि.ग्रा. स्फुर और 80 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर दे। रोपाई के 30-35 दिन बाद नत्र–100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवे।

सिंचाई : अच्छी उपज के लिए नियमित सिंचाई करें। जमीन के स्वभाव के आधार पर सिंचाई निर्भर हो सकती है।

फसल सुरक्षा :

तना एवं फल छेदक– ग्रसित तनों का छटना करें। साईपरमेथ्रीन 1 मिली / लीटर पानी या कारटेप हाईड्रोक्लोराईड 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

- **एफिड्स एवं रसचुसक कीट** – इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **माईट्स** – सल्फर 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **रुट नॉट नेमेटोड** – रोपाई के पहले फोरेट 4-5 कि.ग्रा. प्रति एकड़ जमीन से दें।
- **डेम्पिंग ऑफ (आद्र पतन)** – कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2 ग्राम /लीटर पानी के साथ मिलाकर नर्सरी बेड को ड्रेंचिंग करें।
- **फ्रूट रॉट (फल विगलन)** – मेन्कोजेब 1 से 2 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **लिटल लीफ** – थाई मेथोक्साम 7 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें एवं ग्रसित पौधें उखाड़ कर फेकें।

विशेष सिफारिश :

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवें ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर तीन छिड़काव करे।

पहला छिड़काव.....फूल निकलने से पहिले,
दूसरा छिड़काव.....फूल धारणा एवं फलधारणा की अवस्था में
तीसरा छिड़काव.....फल आते समय

मिर्च

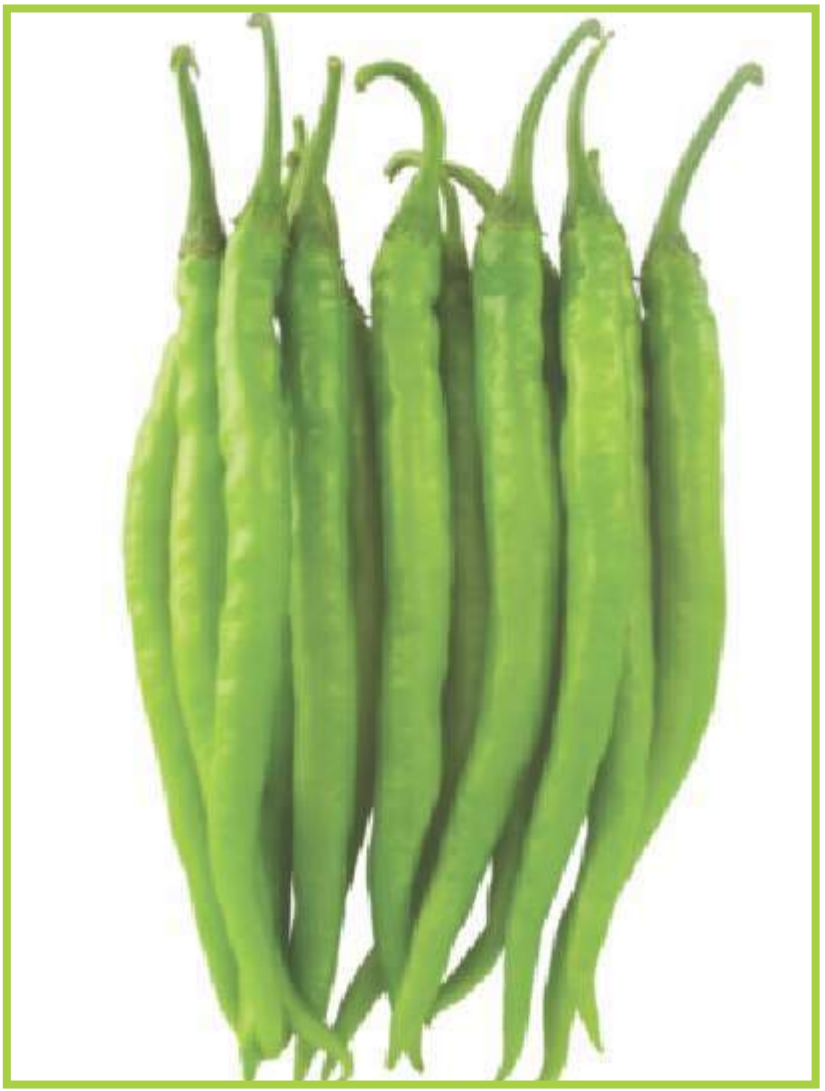

संकर मिर्च

एनसीएच-12 (मैना)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हल्का हरा
फलों की लम्बाई.....10 से 12 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- आकर्षक चमकीले हल्के हरे रंग के बहुत तीखे फल
- मध्यम सिलवटेवाले बेहतरीन फल
- हरी मिर्च के लिए योग्य
- खरीफ एवं पूर्व गर्मी मौसम के लिए उपयुक्त
- अत्यधिक उपज क्षमता

संकर मिर्च

एनसीएच-931

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....14 से 16 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मजबूत पौधा एवं मध्यम फैलाव के साथ बेहतरीन पत्तियों का छत्र
- चमकीले हरे, मध्यम सिलवटेवाले, कम तीखे फल
- चिली मोजेक वायरस, फायटोफ्थोरा एवं ब्लाईट रोगों के प्रति सहनशील
- हरी मिर्च के लिए उपयुक्त
- अधिक उपज क्षमता

संकर मिर्च

एनसीएच-913

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हल्का हरा
फलों की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलनेवाला पौधा
- मध्यम सिलवटेवाले हल्के हरे रंग के ज्यादा तीखे फल
- हरी मिर्च के लिए योग्य
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म
- खरीफ एवं पूर्व गर्मी के लिए उपयुक्त

संकर मिर्च

एनसीएच-1124

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा, सीधा
फलों का रंग.....फिका हरा
फलों की लम्बाई.....13 से 15 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मजबूत एवं तेजी से बढ़नेवाला पौधा और उत्तम पुनर्बहार क्षमता
- फिके हरे रंग के तीखे, पतले लम्बे फल
- पत्ति मोडक व भभूतीया के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं पूर्व गर्मी के लिए उपयुक्त
- हरी मिर्च के लिए योग्य
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर मिर्च

एनसीएच-1773

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हल्का हरा (पोपटी)
फलों की लम्बाई.....14 से 16 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव वाला पौधा
- आकर्षक हल्के हरे रंग के मध्यम लम्बे, मध्यम सिलवटेवाले फल
- स्वाद में अच्छा तीखापन
- हरी मिर्च के लिए उपयुक्त
- बरसात और गर्मी मौसम के लिए उपयुक्त

संकर मिर्च

एनसीएच-250+

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हल्का हरा
फलों की लम्बाई.....18 से 20 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलाव के साथ तेजी से बढ़नेवाला पौधा
- हल्के हरे रंग के मोटे फल और मध्यम तीखापन
- मध्यम सिलवटेवाले आकर्षक फल
- हरी मिर्च के लिए योग्य
- जल्दी एवं अच्छी फलधारण क्षमता
- खरीफ एवं पूर्व गर्मी के लिए योग्य

संकर मिर्च

एनसीएच-158

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....बौना
फलों का रंग.....हल्का हरा
फलों की लम्बाई.....5 से 6 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- बौना एवं मजबूत पौधे के साथ अत्यधिक फलधारण क्षमता
- आकर्षक चमकीले हरे रंग के चिकने फल
- फलों की लंबाई कम, ठोस एवं ज्यादा तीखापन
- हरी मिर्च के लिए योग्य
- अधिक उपज क्षमता

संकर मिर्च

एनसीएच-1012

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम सीधा
फलों का रंग.....चमकीला गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....6 से 8 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम सीधा पौधा एवं ज्यादा फलशाखाएं
- अच्छे बीज के साथ चमकीले गहरे हरे फल
- छोटे, ठोस एवं मध्यम सिलवटेवाले फल
- फल बहुत ही तीखे होते है
- चिली मोजेक वायरस एवं एन्थ्रेक्नोज के प्रति सहनशील
- गुच्छों में फलधारण क्षमता
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए योग्य.

संकर मिर्च

एनसीएच-1041

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा, मजबूत
फलों का रंग.....मध्यम हरा
फलों की लम्बाई.....5 से 6 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा मजबूत पौधे के साथ बेहतरीन पत्तियों का छत्र
- छोटे, ठोस, मध्यम हरे रंग के ज्यादा तीखे फल
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए उपयुक्त
- चिली मोजेक वायरस व भभूतीया के प्रति अति सहनशील
- उत्तम पुनर्बहार क्षमता के कारण अत्यधिक उपज क्षमता

संकर मिर्च

एनसीएच-3590

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....6 से 8 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव एवं मजबूत पौधा
- ज्यादा फलशाखाएं एवं गुच्छों में फलधारण क्षमता
- चमकीले हरे, मध्यम सिलवटेवाले फल एवं ज्यादा तीखापन
- लाल रंग प्रतिधारण के साथ गहरे लाल रंग के फल
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए उपयुक्त
- चिली मोजेक वायरस एवं एन्थ्रेक्नोज के प्रति अति सहनशील

संकर मिर्च

एनसीएच-1901

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा एवं सीधा
फलों का रंग.....मध्यम चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....5 से 6 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- ऊँचा, सीधा एवं मजबूत पौधा
- आकर्षक चमकीले हरे रंग के फल
- अच्छा लाल रंग प्रतिधारण के साथ ठोस एवं गहरे लाल रंग के फल
- स्वाद में बहुत तीखे फल
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए उपयुक्त
- चिली मोजेक वायरस एवं एन्थ्रेक्नोज के प्रति अति सहनशील

संकर मिर्च

एनसीएच-648 (अंगारीका)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा, मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....16 से 18 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम फैलाव, तेजी से बढ़नेवाला पौधा और ज्यादा पत्तियों का छत्र ● चमकीले हरे फल जो सूखने के बाद गहरे लाल रंग के बन जाते है
- परिपक्वता के समय आकर्षक गहरे लाल रंग के फल
- ज्यादा लंबे फल, सिलवटो वाली त्वचा के साथ अच्छा तीखापन
- भभूतीया एवं एन्थ्रेक्नोज के प्रति अति सहनशील
- लाल मिर्च के लिए अतिशय उपयुक्त.

संकर मिर्च

एनसीएच-1593

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हल्का हरा
फलों की लम्बाई.....7 से 8 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलनेवाला पौधा
- हल्के हरे रंग के मध्यम लम्बे आकर्षक फल
- स्वाद में मध्यम तीखापन
- फल गुच्छों में लगने की क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए उपयुक्त
- एन्थ्रेक्नोज के प्रति अति सहनशील

संकर मिर्च

एनसीएच-1635 (इंदिरा)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा, मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकदार हरा
फलों की लम्बाई.....10 से 12 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलनेवाला पौधा
- आकर्षक चमकीले हरे फल जो पक्वता के बाद गहरे लाल हो जाते है
- छिलका मध्यम मोटा एवं चिकना
- अच्छा तीखापन
- पत्ति मोडक व एन्थ्रेक्नोज के प्रति अति सहनशील
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए उपयुक्त

संकर मिर्च

एनसीएच-1544 (निर्मल डिलक्स)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....गहरा हरा
फलों की लम्बाई.....16 से 18 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा एवं मध्यम फैलने वाला पौधा
- बेहतरीन फलधारण क्षमता
- आकर्षक गहरे हरे फल जो पकने पर गहरे लाल बन जाते है
- मोटे छिलके वाले सीधे एवं सिलवटोंवाले ज्यादा लम्बे तीखे फल
- फायटोप्थोरा तथा एन्थ्रेक्नोज के प्रति अति सहनशील
- लाल मिर्च के लिए योग्य

संकर मिर्च

एनसीएच-587

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा, सीधा
फलों का रंग.....मध्यम चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- ऊँचा सीधा व मजबूत पौधा, अधिक फलधारण क्षमता
- मध्यम सिलवटे वाले लम्बे आकर्षक चमकीले हरे फल
- अच्छा रंग प्रतिधारण के साथ गहरे लाल रंग के फल
- चिली लीफ कर्ल वायरस के प्रति अति सहनशील
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए उपयुक्त
- भारत सरकार व्दारा नोटीफाईड किस्म

संकर मिर्च

एनसीएच-1648

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा, मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा, मध्यम फैलाव के साथ एकसमान फल
- आकर्षक मध्यम चमकीले हरे फल जिसका छिलका मोटा होता है
- बेहतरीन गुणवत्ता वाले फल
- मध्यम तीखापन
- हरी मिर्च के लिए उपयुक्त.

संकर मिर्च

एनसीएच-3617

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....हल्का हरा
फलों की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- हल्के हरे रंग के आकर्षक फल
- उत्तम स्वाद के साथ मध्यम तीखापन
- हरी एवं लाल मिर्च के लिए उपयुक्त
- अत्यधिक उपज क्षमता

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....हल्की से मध्यम भारी पानी की निकासी वाली जमीन चुनें ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....250 से 300 ग्राम
रोपाई की दूरी.....90 x 60 या 75 x 60 सेंमी
उर्वरक की मात्रा : जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 20-25 टन एफवाईएम खाद दें । रोपाई के पहले नत्र–100 कि.ग्रा., स्फुर–100 कि.ग्रा., पोटाश -100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर दें । रोपाई के 30-35 दिन बाद 100 कि.ग्रा. नत्र प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई : फसल के आवश्यकतानुसार सिंचाई करें । यदि फसल पानी के तनाव में आती है तो फूल गिरने की समस्या निर्माण हो सकती है ।

फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर** – डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर पानी या क्लोरोपाइरीफॉस 2 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **एफिड्स एवं जैसिड्स** – थायामेथाक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी** – डायफेन्थीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स** – थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **डेम्पिंग ऑफ** – कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2 ग्राम /लीटर पानी मे मिलाकर नर्सरी बेड को ड्रेंचिंग करे ।
- **एन्थ्रेक्नोज** – मेन्कोजेब 2 ग्राम / लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फाईटोफ्थोरा ब्लाईट** – ब्लिटोक्स 3 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **चिली मोजेक** – इमिडाक्लोप्रिड 6 मिली /15 लीटर पानी या थायामेथोक्साम 7 ग्राम / 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर तीन छिड़काव करे।

पहला छिड़काव.....फूल निकलने से पहले,
दूसरा छिड़काव.....फूल धारणा एवं फलधारणा की अवस्था में
तीसरा छिड़काव.....फल आते समय

संकर स्वीट पेप्पर

एनसीसीएच-399

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा, मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों की लम्बाई.....20 से 22 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- ऊँचा, मध्यम फैलाव के साथ ज्यादा फलशाखाएं
- आकर्षक चमकीले हरे रंग के मध्यम सिलवटेवाले फल
- मोटे और लम्बे फल
- पत्ति मोडक व भभूतीया के प्रति अति सहनशील
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- लम्बी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त
- मध्यम तीखापन एवं ताजा हरे फल के लिए उपयुक्त

संकर स्वीट पेप्पर

एनसीसीएच-31

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा, सशक्त एवं मध्यम सीधा
फलों का रंग.....हल्का हरा
फलों की लम्बाई.....18 से 20 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- सशक्त, मध्यम सीधा पौधा
- हल्के हरे रंग के मोटे एवं लंबे फल
- कम तीखापन एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- ताजे हरे फल के लिए उपयुक्त
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

संकर शिमला मिर्च

एनसीसीएच-7 (शबनम)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा, मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकीला गहरा हरा
फलों का आकार.....चौकोर (ब्लॉकी)
फल का वजन.....120 से 150 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँचा, मध्यम फैलाव के साथ फलशाखाओं की ज्यादा क्षमता
- चमकीले गहरे हरे रंग के एकसमान चौकोर मध्यम आकार के आकर्षक फल
- प्रति पौधा ज्यादा फलों के कारण अत्यधिक उपज क्षमता
- टिके रहने की उत्तम क्षमता एवं लम्बी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त

संकर शिमला मिर्च

एनसीसीएच-705

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा, मध्यम फैलाव
फलों का रंग.....चमकीला हरा
फलों का आकार.....चौकोर (ब्लॉकी)
फल का वजन.....150 से 200 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- ऊँची, मध्यम सीधी एवं तेजी से बढनेवाली किस्म
- मोटे एवं आकर्षक चमकीले, मोटे छिलकेवाले एकसमान चौकोर आकार के फल
- दो फलों के बीच की दूरी बहुत कम और प्रति पौधा फलों की संख्या ज्यादा
- खेत एवं पॉलीहाऊस के लिए उपयुक्त
- टिके रहने की उत्तम क्षमता एवं लम्बी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त
- प्रमुख कीट व रोगों के प्रति अति सहनशील

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....हल्की से मध्यम भारी, पानी की निकासी वाली जमीन चुनें।

बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....250 से 300 ग्राम

रोपाई की दूरी.....90 x 60 या 75 x 60 सेमी

उर्वरक की मात्रा : जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 20-25 टन एफवाईएम खाद दें। रोपाई के पहले नत्र–100 कि.ग्रा., स्फुर–100 कि.ग्रा., पोटाश - 100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर दें। रोपाई के 30-35 दिन बाद 100 कि.ग्रा. नत्र प्रति हेक्टेयर देवें।

सिंचाई : जमीन के स्वभाव के आधार पर सिंचाई करें। आम तौर पर शिमला मिर्च को 8 से 10 दिन के अन्तराल से सिंचाई देना पडता है या फसल की मांग के अनुसार सिंचाई करें।

फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर–** डायक्लोरोवॉस 1 मिली/लीटर पानी या क्लोरो–पाइरीफॉस या क्विनालफॉस 2 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **एफिड्स एवं जैसिड्स** – थायामेथाक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **सफेद मक्खी** – डायफेन्थीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **थ्रिप्स** – थायामेथाक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी या फिप्रोनिल 2 मिली /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **आर्द्र पतन (डैम्पिंग ऑफ)**– कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2 ग्राम /लीटर पानी मे मिलाकर नर्सरी बेड को ड्रेंचिंग करे।
- **एन्थ्रेक्नोज** – मेन्कोजेब 2 ग्राम / लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
- **लीफ स्पॉट** – बाविस्टीन 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **फाईटोफ्थोरा ब्लाईट** – ब्लिटोक्स 3 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **चिली मोजेक** – इमिडाक्लोप्रिड 7.5 मिली /15 लीटर पानी या थायामेथाक्साम 7 ग्राम / 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- पौधों के विकास के लिए **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय प्रयोग करें।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर तीन छिड़काव करे।

  पहला छिड़काव.....फूल निकलने से पहले,
  दूसरा छिड़काव.....फूल धारणा एवं फलधारणा की अवस्था में
  तीसरा छिड़काव.....फल आते समय

टमाटर

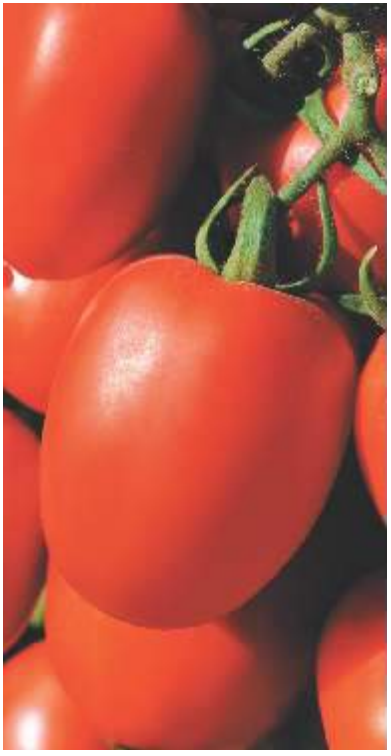

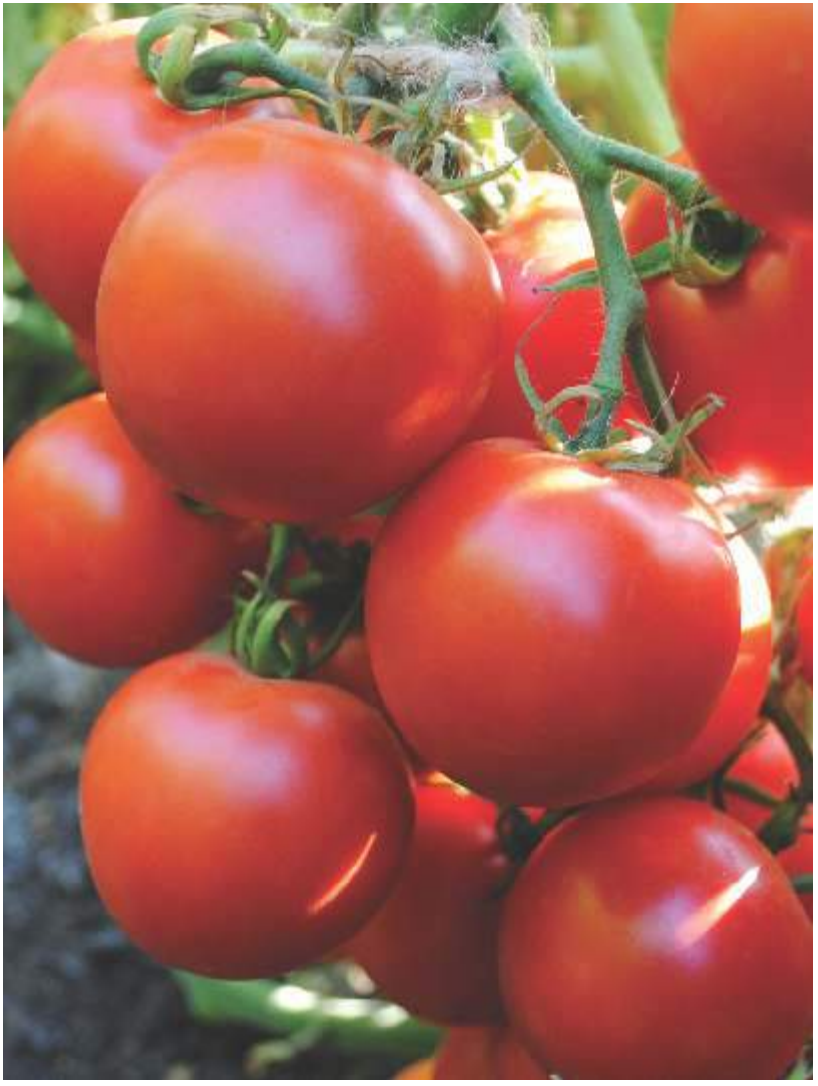

संकर टमाटर

एनटीएच-2530

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....सीमित बढ़नेवाला
फलों का आकार.....चपटा गोल
फल का वजन.....80 से 85 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- सीमित बढ़नेवाला एवं मजबूत फलशाखाएं
- फल चपटे गोल आकार के तथा पकने पर गहरे लाल रंग के हो जाते है
- फलों का स्वाद खट्टा होता है
- ठोस, भण्डारण और लम्बी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस, लीफ ब्लाईट एवं बैक्टेरियल विल्ट के प्रति अति सहनशील.
- खरीफ, रबी व पूर्व गर्मी के लिए उपयुक्त

संकर टमाटर

एनटीएच-3622

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम सीमित बढ़नेवाला
फलों का आकार.....चपटा गोल
फल का वजन.....90 से 100 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम सीमित बढ़नेवाला एवं बेहतरीन पत्तियों की व्याप्ती
- मध्यम आकार के चपटे गोल फल और उत्कृष्ट खट्टा स्वाद
- ठोस एवं मोटे छिलके, टिके रहने की उत्तम क्षमता
- दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस, अर्ली एवं लेट ब्लाईट के प्रति अति सहनशील
- खरीफ, रबी एवं गर्मी के लिए उपयुक्त

संकर टमाटर

एनटीएच-3072

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....सीमित
फलों का आकार.....चपटा गोल
फल का वजन.....75 से 80 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- सीमित बढ़नेवाला एवं जल्दी फल लगने की क्षमता
- लगातार फलधारण क्षमता के साथ फल गुच्छों में लगते है
- फल चपटे, गोल एकसमान आकार के, डंठल की तरफ हरापन लिए हुए
- ठोस एवं बेहतरीन खट्टा स्वाद
- भण्डारण एवं परिवहन के लिए उपयुक्त
- खरीफ, रबी व पूर्व गर्मी के लिए उपयुक्त

संकर टमाटर

एनटीएच-3104

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम असीमित
फलों का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....80 से 90 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम असीमित बढ़नेवाला और लगातार फलधारण क्षमता
- गहरा लाल रंग, मोटा छिलका और ठोस बेहतरीन गुदेदार फल
- टिके रहने की उत्तम क्षमता एवं दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस, अर्ली एवं लेट ब्लाईट के प्रति सहनशील.
- खरीफ एवं रबी के लिए उपयुक्त

संकर टमाटर

एनटीएच-2383

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम असीमित
फलों का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....100 से 110 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम असीमित बढ़नेवाला पौधा, उत्तम पुनर्बहार क्षमता
- ज्यादा फलधारण क्षमता के साथ आकर्षक गहरे लाल फल
- समान रुप से पकनेवाले एकसमान फल
- ज्यादा ठोस, टिके रहने की उत्तम क्षमता के साथ बढ़िया परिवहन क्षमता
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस, अर्ली व लेट ब्लाईट के प्रति अति सहनशील
- खरीफ एवं रबी के लिए उपयुक्त

संकर टमाटर

एनटीएच-4798

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम असीमित
फलों का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....100 से 110 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम, असीमित बढ़नेवाला पौधा
- गहरे लाल रंग के साथ बेहतरीन फलधारण क्षमता
- बढ़िया ठोस एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- अत्यधिक उपज क्षमता
- बरसात एवं सर्दी मौसम के लिए योग्य किस्म
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस, बैक्टेरियल विल्ट के प्रति सहनशील

संकर टमाटर

एनटीएच-3494

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम असीमित
फलों का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....100 से 110 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम असीमित एवं भरपूर पत्तियां
- बढ़िया ठोस, मोटे अण्डाकार आकार के एकसमान फल
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस के प्रति अति सहनशील
- रबी एवं गर्मी के लिए उपयुक्त

संकर टमाटर

एनटीएच-2257

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....असीमित बढ़नेवाला
फलों का आकार.....गोल अंडाकृति
फल का वजन.....80 से 90 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- असीमित बढ़नेवाला पौधा, मध्यम पत्तियों के साथ अच्छी फलधारण क्षमता
- एकसमान आकार के ठोस फल
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस, बैक्टीरियल विल्ट के प्रति अति सहनशील

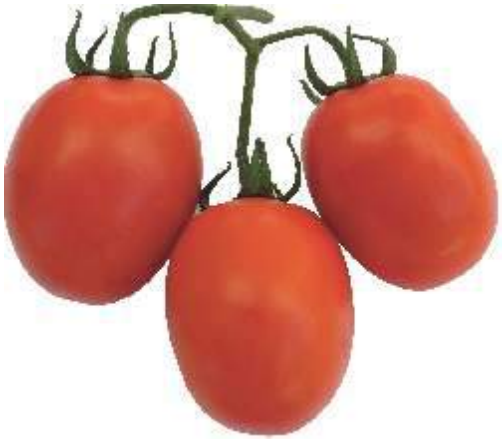

संकर टमाटर

एनटीएच-4574

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम असीमित
फलों का आकार.....अण्डाकार
फल का वजन.....90 से 100 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम असीमित पौधे के साथ बेहतरीन पुनर्बहार क्षमता
- आकर्षक गहरे लाल अण्डाकार फल के साथ बढ़िया फलधारण क्षमता
- समान रुप से पकनेवाले एकसमान फल
- टोमॅटो लीफ कर्ल वायरस रोग के प्रति अति सहनशील.
- रबी एवं गर्मी के लिए योग्य किस्म

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....पानी की अच्छी निकासी वाली उपजाऊ जमीन चुनें।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....150 - 200 ग्राम
रोपाई की दूरी.....90 x 60 या 75 x 60 सेंमी
उर्वरक की मात्रा : जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 25-30 टन एफवाईएम खाद दें। रोपाई के पहले नत्र–100 कि.ग्रा., स्फूर–100 कि.ग्रा., पोटाश–100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर दें। रोपाई के 30-35 दिन बाद 100 कि.ग्रा. नत्र प्रति हेक्टेयर देवें।
सिंचाई : गर्मी के मौसम में फसल को 3-4 दिन के अंतराल से सिंचाई करें। ठंड के मौसम में फल पकते समय पौधों को सिंचाई ना करें।
फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर** – डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर पानी या क्लोरोपाइरीफॉस या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी
- **एफिड्स एवं जासिड्स** – थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **सफेद मक्खी** – डायफेन्थीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **डेम्पिंग ऑफ एवं रुट रॉट** – कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर नर्सरी बेड को ड्रेंचिंग करे।
- **पछेती झुलसा (लेट ब्लाईट)** – मेन्कोजेब 2 ग्राम / लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **अगेती झुलसा (अर्ली ब्लाईट)** – डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी या मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील–एम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील – एम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या एजोक्सीस्ट्रोबीन 2 ग्राम / लीटर पानी
- **फ्युजारियम विल्ट** – बायोसंजीवनी पैकेट में से ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम / लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **टोमॅटो लीफ कर्ल व्हायरस** – इसके लिए सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डायफेंथीयुरॉन 1 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

विशेष सिफारीश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** -25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर जड़ो के पास मिट्टी में मिलाकर देवें।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं मे छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

तुरई

संकर तुरई

एनआरजीएच-22 (रजनी)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....35 से 40 सें.मी.
फल का वजन.....130 से 150 ग्राम
फल का आकार.....सीधा एकसमान

प्रमुख विशेषताएं

- मजबूत पौधा एवं तेजी से बढ़नेवाली किस्म
- ज्यादा फलधारण क्षमता
- लम्बे चमकीले हरे रंग के फल
- एकसमान आकार के सीधे आकर्षक फल
- बुआई के 50 - 55 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- डाउनी व पाउडरी मिल्ड्यू, मोजेक वायरस के प्रति सहनशील

संकर तुरई

एनआरजीएच-744

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....30 से 35 सें.मी.
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम
फल का आकार.....सीधा एकसमान

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के मध्यम लम्बे फल
- सीधे, एकसमान आकार के फल
- बुआई के 45 - 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी रोग के प्रति सहनशील
- व्यापक अनुकूलनशील के साथ भण्डारण एवं परिवहन के लिए उपयुक्त
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म
- गर्मी के लिए उपयुक्त नही है

संकर तुरई

एनआरजीएच-370

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.
फल का वजन.....110 से 120 ग्राम
फल का आकार.....सीधा एकसमान

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के मध्यम लम्बे, एकसमान सीधे व मुलायम फल
- बुआई के 45 - 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- व्यापक अनुकूलनशील के साथ उच्च तापमान में भी बेहतरीन फलधारणा
- डाउनी व पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति सहनशील और सीएमवी रोग के प्रति अति सहनशील
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर तुरई

एनआरजीएच-726

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....30 से 35 सें.मी.
फल का वजन.....110 से 120 ग्राम
फलों का आकार.....सीधा

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे, सीधे लम्बे आकर्षक फल
- बुआई के 45 - 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तयार होते है
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- डडाउनी व पाउडरी मिल्ड्यू, सीएमवी रोगों के प्रति सहनशील
- उच्च तापमान में भी फलधारण अच्छी होती है

तुरई

एनआरजी-9

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....30 से 35 सें.मी.
फल का वजन.....130 से 140 ग्राम
फल का आकार.....सीधा एवं लम्बा

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले हरे रंग के सीधे लम्बे आकर्षक फल
- बुआई के 45 - 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तयार होते है
- बेहतरीन स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- पाउडरी व डाउनी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति सहनशील

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी, अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....1.5 से 2.0 कि.ग्रा
बुआई की दूरी .....150 x 60 या 120 x 60 सें.मी
खाद एवं उर्वरक : जमीन तैयार करते समय 15-20 टन /हेक्टेयर एफवायएम खाद डाले । बुआई के 10 दिन बाद नत्र : 100 कि.ग्रा., स्फूर : 80 कि.ग्रा. एवं पोटाश 80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें। रोपाई के 35 दिन बाद नत्र : 100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई : वर्षाऋतु में फसल की प्रारंभिक विकास अवस्था में सिंचाई की जरुरत हो सकती है । गर्मी मौसम में 5 - 7 दिन के अन्तराल से या फसल की मांग के अनुसार सिंचाई करें ।
फसल सुरक्षा :

- **लीफ माइनर** – डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर या क्लोरोपायरीफॉस या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **एफिड् एवं जैसिड्स**–थायोमिथॉक्साम 0.66 ग्राम/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी** – डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स** –थायोमिथॉक्साम 0.66 ग्राम या फिप्रोनिल 2 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **मृदुरोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू)** – मेन्कोजेब एवं मेटालैक्सिल – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम /लीटर या टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फ्युजारियम विल्ट – बायोसंजीवनी** 10 ग्राम (ट्राइकोडर्मा विरडी 5 ग्राम + स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 5 ग्राम) /लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम/ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **चूर्ण फफूंद (पाउडरी मिल्ड्यू)**– टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश : अधिक उपज के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली /लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

लौकी

संकर लौकी

एनबीबीएच-48 (विक्रम)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.
फल का वजन.....800 से 900 ग्राम
फलों का रंग.....चमकीला हल्का हरा
फल का आकार.....बेलनाकार

प्रमुख विशेषताएं

- मजबूत एवं तेजी से बढ़नेवाली बेहतरीन शाखाएं
- चमकीले हल्के हरे रंग के निर्यातक्षम फल
- बुआई के 55 - 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- एकसमान, सीधे एवं मुलायम आकर्षक फल
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- पाउडरी मिल्ड्यू, फ्युजारियम विल्ट एवं सीएमवी के प्रति अति सहनशील
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर लौकी

एनबीबीएच-168 (विराट)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....30 से 40 सें.मी.
फल का वजन.....700 से 800 ग्राम.
फल का रंग.....चमकीला हल्का हरा
फल का आकार.....बेलनाकार

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले हल्के हरे रंग के एकसमान सीधे आकर्षक फल
- ज्यादा शाखाओं के कारण ज्यादा फलधारण क्षमता
- बुआई के 55 - 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- उत्कृष्ट स्वाद व टिके रहने की उत्तम क्षमता
- फ्युजारियम विल्ट, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी रोगों के प्रति सहनशील
- दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त

संकर लौकी

एनबीबीएच-200 (रामदेव)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.
फल का वजन.....800 से 900 ग्राम.
फल का रंग.....चमकीला हल्का हरा
फल का आकार.....बेलनाकार

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले हल्के हरे रंग के लम्बे, एकसमान व सीधे मुलायम फल
- लगातार बेहतरीन फलधारण क्षमता
- बुआई के 55 - 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- अच्छी भण्डारण क्षमता ● फ्युजारियम विल्ट, पाउडरी एवं डाउनी मिल्ड्यू, सीएमवी के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

लौकी

एनबीबीएल-12 (राजा)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....20 से 25 सें.मी.
फल का वजन.....600 से 700 ग्राम.
फल का रंग.....चमकीला हल्का हरा
फल का आकार.....बेलनाकार

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले हल्के हरे रंग के मुलायम फल
- बेलनाकार, एकसमान सीधे एवं आकर्षक फल
- बुआई के बाद 54 - 58 दिन के बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- फ्युजारियम विल्ट एवं सीएमवी रोग के प्रति सहनशील
- भरपूर पैदावार

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....1.5 - 2.0 कि.ग्राम
रोपाई की दूरी.....180 x 90 या 180 x 60 सें.मी.
खाद एवं उर्वरक.....जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 15-20 टन एफवायएम खाद डाले । बुआई के 10 दिन बाद नत्र : 100 कि.ग्रा, स्फूर : 80 कि.ग्रा. एवं पोटाश : 80 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर देवे । बुआई के 45 दिन बाद नत्र : 100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई.....फसल को 8 दिन की अंतराल से सिंचाई करें या जमीन के प्रकार एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें ।

फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर** – डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर या क्लोरोपायरीफॉस या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **एफिड् एवं जैसिड्स** – थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी** – डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स** –थायोमिथॉक्साम 0.66 ग्राम या फिप्रोनिल 2 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **मृदुरोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू)** – मेन्कोजेब एवं मेटालैक्सिल – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम /लीटर या टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फ्युजारियम विल्ट – बायोसंजीवनी** 10 ग्राम (ट्राइकोडर्मा विरडी 5 ग्राम + स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 5 ग्राम) /लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **चूर्ण फफूंद (पाउडरी मिल्ड्यू)**– टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारीश : अधिक उपज के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली /लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

करेला

संकर करेला

एनबीजीएच-167 (सावित्री)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....15 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....80 से 100 ग्राम
फलों का रंग .....चमकीला गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम लम्बे, चमकीले गहरे हरे रंग के फल जिस पर दाँत होते है
- बुआई के 55 – 60 दिन के बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- टिके रहने की उत्तम क्षमता एवं एकसमान आकार के फल
- ज्यादा फलशाखाओं के कारण अत्यधिक उपज क्षमता
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी रोगों के प्रति सहनशील
- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किस्म

संकर करेला

एनबीजीएच-815

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....8 से 10 सें.मी.
फल का वजन.....50 से 60 ग्राम
फल का रंग.....चमकीला गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- बहुत छोटे, गहरे हरे रंग के फल जिन पर तेज दाँत होते है
- ज्यादा फलशाखाएं एवं ज्यादा से ज्यादा फल लगने की क्षमता
- बुआई के 55 – 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- टिके रहने की उत्तम क्षमता और दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति अति सहनशील

संकर करेला

एनबीजीएच-951

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....15 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....100 से 110 ग्राम
फल का रंग.....गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- ज्यादा शाखाओं के साथ मजबूत एवं तेजी से बढ़नेवाला पौधा
- ज्यादा गहरे हरे रंग के फल जिस पर तेज दाँत होते है
- बुआई के 55 – 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू व सीएमवी के प्रति सहनशील
- व्यापक अनुकूलनशीलता के साथ अत्यधिक उपज क्षमता

संकर करेला

एनबीजीएच-1067 (डॉली)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....20 से 25 सें.मी.
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम.
फल का रंग.....चमकीला हरा

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले हरे, मध्यम तेज दाँतवाले ठोस लम्बे आकर्षक फल
- ज्यादा फलधारण क्षमता के साथ व्यापक अनुकूलनशीलता
- बुआई के 55 - 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- टिके रहने की उत्तम क्षमता एवं दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति सहनशील
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

संकर करेला

एनबीजीएच-676

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....30 से 35 सें.मी.
फल का वजन.....130 से 140 ग्राम
फलों का रंग.....मध्यम चमकीला हरा

प्रमुख विशेषताएं

- अधिक लम्बे फल जिन पर तेज दाँत होते है
- बुआई के 50 - 55 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर करेला

एनबीजीएच-1190

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....15 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....110 से 120 ग्राम
फल का रंग.....गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- ज्यादा फलशाखाएं, मजबूत एवं तेजी से बढनेवाला पौधा
- गहरे हरे रंग के आकर्षक फल जिन पर तेज दाँत होते है
- बुआई के 50 - 55 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- डाउनी मिल्ड्यू, बिजीएमवी एवं सीएमवी रोगों के प्रति अति सहनशील
- उत्कृष्ट वायरस सहिष्णुता के कारण अत्यधिक उपज क्षमता एवं व्यापक अनुकूलनशीलता

संकर करेला

एनबीजीएच-470 (अपुर्वा)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम
फल का रंग.....चमकीला गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले गहरे हरे, मध्यम मोटे फल जिस पर तेज दाँत होते है
- एकसमान आकार के मुलायम आकर्षक फल
- बुआई के 55 – 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म.

संकर करेला

एनबीजीएच-517 (एवरेस्ट)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....20 से 25 सें.मी.
फल का वजन.....100 से 120 ग्राम
फल का रंग.....चमकीला सफेद

प्रमुख विशेषताएं

- हरे रंग की छाया के साथ चमकीले सफेद रंग के लम्बे फल जिन पर तेज दाँत होते है
- ज्यादा फलधारण के साथ आकर्षक फल
- बुआई के 55 – 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- सीएमवी एवं पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति सहनशील

करेला
एनबीजी-162 (रक्षा)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....10 से 15 सें.मी.
फल का वजन.....70 से 80 ग्राम
फल का रंग.....गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के छोटे काँटेवाले फल
- बुआई के 55 – 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- अत्यधिक उपज क्षमता

करेला
एनबीजी-583

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....6 से 8 सें.मी.
फल का वजन.....55 से 60 ग्राम
फल का रंग.....गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- लगातार फलधारण क्षमता
- गहरे हरे रंग के बहुत छोटे, तेज दाँत वाले आकर्षक चमकीले फल
- बुआई के 40 – 45 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- डाउनी मिल्ड्यू, बीजीएमवी एवं सीएमवी रोगों के प्रति अति सहनशील
- व्यापक अनुकूलनशीलता के साथ अधिक उपज क्षमता

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....1.5 से 2.0 कि.ग्राम
बुआई की दूरी.....150 x 60 या 120 x 60 सें.मी.
खाद एवं उर्वरक.....जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 15-20 टन/हेक्टेयर एफवायएम खाद डालें । बुआई के 10 दिन बाद नत्र : 100 कि.ग्रा., स्फूर : 80 कि.ग्रा. एवं पोटाश : 80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें । बुआई के 35 दिन बाद नत्र -100 कि.ग्रा./ हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई.....वर्षाऋतु में फसल की प्रारंभिक विकास अवस्था में सिंचाई की जरुरत पड़ सकती है । गर्मी में फसल को 5 - 7 दिन के अन्तराल से नियमीत सिंचाई करनी चाहिए या फसल के आवश्यकतानुसार करें ।

फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर** – डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर या क्लोरोपायरीफॉस या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **एफिड् एवं जैसिड्स** – थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी** – डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स** –थायोमिथॉक्साम 0.66 ग्राम या फिप्रोनिल 2 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **मृदुरोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू)** – मेन्कोजेब एवं मेटालैक्सिल – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम /लीटर या टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फ्युजारियम विल्ट – बायोसंजीवनी** 10 ग्राम (ट्राइकोडर्मा विरडी 5 ग्राम + स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 5 ग्राम) /लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **चूर्ण फफूंद (पाउडरी मिल्ड्यू)**– टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारीश : अधिक उपज के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली /लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

घिया तुरई

संकर घिया तुरई

एनएसजीएच-88

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....20 से 25 सें.मी.
फल का वजन.....100 से 120 ग्राम
फलों का रंग.....चमकीला हरा

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले हरे रंग के मुलायम आकर्षक फल
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- टिके रहने की उत्तम क्षमता एवं दूर के परिवहन के लिए उयुक्त
- पाउडरी, डाउनी मिल्ड्यू व सीएमवी के प्रति सहनशील

संकर घिया तुरई

एनएसजीएच-341

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.
फल का वजन.....130 से 150 ग्राम
फलों का रंग.....चमकीला गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- एकसमान, सीधे गहरे हरे रंग के लम्बे फल
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए योग्य
- पुनर्बहार क्षमता के कारण लगातार फलधारणा
- पाउडरी, डाउनी मिल्ड्यू व सीएमवी रोग के प्रति सहनशील

संकर घिया तुरई

एनएसजीएच-393

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.
फल का वजन.....140 से 150 ग्राम
फलों का रंग.....चमकीला हरा

प्रमुख विशेषताएं

- लम्बे, चमकीले हरे सीधे आकर्षक फल
- लगातार फल लगने की क्षमता
- बुआई के 40 – 45 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति अति सहनशील

संकर घिया तुरई

एनएसजीएच-21 (चम्पा)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....20 से 25 सें.मी.
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम
फलों का रंग.....गहरा हरा

प्रमुख विशेषताएं

- आकर्षक गहरे हरे रंग के लम्बे मुलायम फल
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- डाउनी मिल्ड्यू एवं सीएमवी रोग के प्रति सहनशील
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

संकर घिया तुरई

एनएसजीएच-309

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....15 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....110 से 120 ग्राम
फलों का रंग.....फिका हरा

प्रमुख विशेषताएं

- फिके हरे रंग के काले बीज वाले सीधे आकर्षक फल
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति सहनशील
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर घिया तुरई

एनएसजीएच-389

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....20 से 25 सें.मी.
फल का वजन.....120 से 130 ग्राम
फलों का रंग.....हल्का हरा

प्रमुख विशेषताएं

- हल्के हरे रंग के सफेद बीज वाले सीधे एकसमान मुलायम फल
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- उत्कृष्ट स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- पाउडरी मिल्ड्यू व सीएमवी के प्रति सहनशील
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

घिया तुरई
एनएसजी-28

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....20 से 25 सें.मी.
फल का वजन.....100 से 120 ग्राम
फलों का रंग.....चमकीला हरा

प्रमुख विशेषताएं

- चमकीले हरे रंग के मध्यम आकर्षक फल
- बुआई के 40 – 45 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- लगातार फलधारण क्षमता
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- डाउनी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति सहनशील

घिया तुरई
एनएसजी-99 (हिना)

गुणविशेषताएं

फल की लम्बाई.....15 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....90 से 100 ग्राम.
फलों का रंग.....फिका हरा

प्रमुख विशेषताएं

- काले बीज वाले मध्यम लम्बे, फिके हरे रंग के बेलनाकार फल
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति अति सहनशील

घिया तुरई

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर)....1.5 - 2.0 कि.ग्रा.
बुआई की दूरी.....150 x 60 या 120 x 60 सेमी
खाद एवं उर्वरक.....जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 15 - 20 टन एफवायएम खाद दें । बुआई के 10 दिन बाद नत्र–100 कि.ग्रा., स्फूर–80 कि.ग्रा., पोटाश 80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर दें । बुआई के 35 दिन बाद नत्र -100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई.....वर्षाऋतु में फसल की प्रारंभिक विकास अवधि मे सिंचाई की जरुरत हो सकती है । गर्मी के मौसम में 5 - 7 दिन के अन्तराल से सिंचाई करें या फसल की माँग के अनुसार सिंचाई करें ।

फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर** – डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर पानी या क्लोरोपायरीफॉस या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **एफिड् एवं जैसिड्स** – थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी** – डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स** – थायोमिथॉक्साम 0.66 ग्राम या फिप्रोनिल 2 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **डाउनी मिल्ड्यू** – मेन्कोजेब और मेटालैक्सिल – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या टेबुकोनाझोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फुजारियम विल्ट** – बायोसंजीवनी 10 ग्राम (ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम) प्रति लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **पाउडरी मिल्ड्यू**– टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली /लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

खीरा/तर ककड़ी

संकर खीरा

एनसीएच-388

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....गहरे हरे रंग पर हल्की सफेद धारियाँ
फल की लम्बाई.....18 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....100 से 120 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के बेलनाकार एकसमान आकार के आकर्षक फल
- उत्कृष्ट कुरकुरा स्वाद व टिके रहने की उत्तम क्षमता
- बुआई के 50 – 55 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- फ्युजारियम विल्ट, डाउनी, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति सहनशील
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

संकर खीरा

एनसीएच-888

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....हरा
फल की लम्बाई.....18 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....140 से 150 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- बेहतरीन वृध्दि के साथ बढ़िया फलधारण क्षमता
- हरे रंग के लम्बे आकर्षक फल
- मध्यम जल्दी पकनेवाली किस्म
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति अति सहनशील

संकर खीरा

एनसीएच-883

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....गहरा हरा
फल की लम्बाई.....16 से 18 सें.मी.
फल का वजन.....120 से 140 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- गहरे हरे रंग के लम्बे आकर्षक एकसमान फल
- बेहतरीन वृध्दि के साथ बढ़िया फलधारण क्षमता
- मध्यम जल्दी पकनेवाली किस्म
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति अति सहनशील

संकर खीरा

एनसीएच-527

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....हल्का हरा सफेद
फल की लम्बाई.....15 से 18 सें.मी.
फल का वजन.....100 से 120 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- हल्का हरा सफेद रंग के बेलनाकार, एकसमान फल
- आकर्षक एवं कुरकुरा गुदा
- गाइनोसिअस पर आधारित संकर किस्म एवं ज्यादा फलधारण क्षमता
- फ्युजारियम विल्ट, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी रोग के प्रति सहनशील
- रबी मौसम के लिए योग्य नही है

संकर खीरा

एनसीएच-311

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....हल्के हरे रंग पर सफेद धारियां
फल की लम्बाई.....18 से 20 सें.मी.
फल का वजन.....100 से 120 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- हल्के हरे रंग पर सफेद धारियां वाले एकसमान बेलनाकार आकार के फल
- कुरकुरा स्वाद एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- बुआई के 50 – 52 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- फ्युजारियम विल्ट, डाउनी व पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति सहनशील
- गर्मी के लिए योग्य नही है
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर तर ककड़ी

एनसीएच-125

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....हल्के हरे रंग पर गहरे हरे धब्बे
फल की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.
फल का वजन.....140 से 150 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- हल्के हरे रंग पर गहरे हरे धब्बेवाले एकसमान फल
- ज्यादा लम्बे मुलायम फल
- बेहतरीन फलधारण क्षमता के कारण अत्यधिक उपज क्षमता
- कुरकुरा एवं बेहतरीन स्वाद
- कोई भी मौसम में कड़वापन नही आता
- डाउनी मिल्ड्यू एवं सीएमवी रोगों के प्रति अति सहनशील

तर ककड़ी

एनसीएस-61 (नागिनी)

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....हल्का हरा
फल की लम्बाई.....35 से 40 सें.मी.
फल का वजन.....200 से 250 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- हल्के हरे रंग के मुलायम लम्बे, एकसमान आकार के आकर्षक फल
- बुआई के 50 – 55 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- फ्युजारियम विल्ट, पाउडरी मिल्ड्यू एवं सीएमवी के प्रति अति सहनशील
- बहुत स्वादिष्ट मुलायम फल
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म
- वसंत ऋतु के लिए अनुशंसित

खेती संबंधी सुझाव

भूमि......मध्यम भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....1.0 से 1.5 कि.ग्रा.
बुआई की दूरी .....150 x 60 या 120 x 90 सें.मी.
खाद एवं उर्वरक : जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 15-20 टन एफवायएम खाद दें । बुआई के 10 दिन बाद नत्र– 100 कि.ग्रा., स्फूर– 80 कि.ग्रा., पोटाश - 80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर दें । बुआई के 30 दिन बाद नत्र -100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई : वर्षाऋतु में फसल की प्रारंभिक विकास अवस्था में सिंचाई की जरुरत हो सकती है । गर्मी के मौसम में 5 - 7 दिन के अन्तराल से सिंचाई करें या फसल की मांग के अनुसार सिंचाई करें ।
पौध सुरक्षा :

- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर पानी या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी
- **एफिड् एवं जैसिड्स :** थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी :** डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स :** थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम या फिप्रोनिल 2 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **डाउनी मिल्ड्यू :** मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या टेब्युकोनाझोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फ्युजारियम विल्ट :** बायोसंजीवनी 10 ग्राम (ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम) प्रति लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** टेब्युकोनाझोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी
- **अँगुलर लीफ स्पॉट :** स्ट्रैप्टोमायसिन सल्फेट 6 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश: अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली /लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें ।

पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

टिन्डा

एनआरएल-3 (गबरु)

गुणविशेषताएं

फलों का रंग.....चमकीला हल्का हरा
फल का आकार.....चपटा गोल
फल का वजन.....80 से 100 ग्राम

प्रमुख विशेषताएं

- हल्के हरे रंग के, गोल मुलायम फल जिसपर बाल होते है
- स्वादिष्ट एवं टिके रहने की उत्तम क्षमता
- बुआई के 50 – 55 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- विल्ट रोग के प्रति अति सहनशील
- अधिक उपज क्षमता

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम से भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन
बीज दर.....1.5 से 2.0 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर
रोपाई की दूरी.....150 x 60 या 120 x 90 सें.मी.
खाद एवं उर्वरक : जमीन तैयार करते समय 15-20 टन प्रति हेक्टेयर की दर से एफवायएम खाद डाले। बुआई के 10 दिन बाद 80 कि.ग्रा. नत्र, 60 कि.ग्रा. स्फूर, 60 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर देवे । बुआई के 30 दिन बाद 80 कि.ग्रा. नत्र /हेक्टेयर देवे ।
फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर पानी या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी
- **एफिड्स एवं जासिड्स :** थाईमेथोझाम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी :** डायफेन्थीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **डाउनी मिल्ड्यू :** मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या टेबुकोनाझोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फ्युजारियम विल्ट :** बायोसंजीवनी 10 ग्राम (ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम) प्रति लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **अल्टरनेरिया :** मेन्कोजेब एवं मेटालॅक्झील –एम 2.5 ग्राम प्रति लीटर या डि.एम–45, 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **गमी स्टेम ब्लाईट :** बाविस्टीन या डायथेन एम–45, 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली /लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

तरबूज/खरबूज

संकर तरबूज

एनडब्लूएमएच-945 (आईस बॉक्स)

गुणविशेषताएं

फसल का अवधि.....70 से 75 दिन
फलों का रंग.....काला
फल का आकार.....अंडाकार
फल का वजन.....3 से 4 किलो

प्रमुख विशेषताएं

- जल्दी पकनेवाली किस्म
- बुआई के 70 - 75 दिन बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार
- अंडाकार आकार के काली त्वचा वाले फल
- गहरा लाल रंग का कुरकुरा गूदा
- कम बीज एवं बहुत मीठा फल ● फुजारियम विल्ट, बडनेक्रोसिस वाइरस एवं अल्टरनेरीया ब्लाईट के प्रति अति सहनशील ● टिके रहने की उत्तम क्षमता और लम्बी दूरी के परिवहन योग्य

संकर तरबूज

एनडब्लूएमएच-1161

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....70 से 75 दिन
फलों का रंग.....काला
फल का आकार.....अंडाकार
फल का वजन.....4.0 से 4.5 किलो

प्रमुख विशेषताएं

- काले रंग के चमकदार त्वचा वाले फल जिनका औसत वजन 4.0 से 4.5 कि.ग्रा. होता है
- जल्दी पकनेवाली किस्म, बुआई के 70 - 75 दिन बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार होते है
- गहरा लाल, घट्ट एवं ज्यादा मीठा कुरकुरा गूदा
- बीजों का प्रमाण बहुत कम
- दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- फुजारियम विल्ट, बडनेक्रोसीस वाइरस एवं अल्टरनेरीया ब्लाईट रोगों के प्रति अति सहनशील

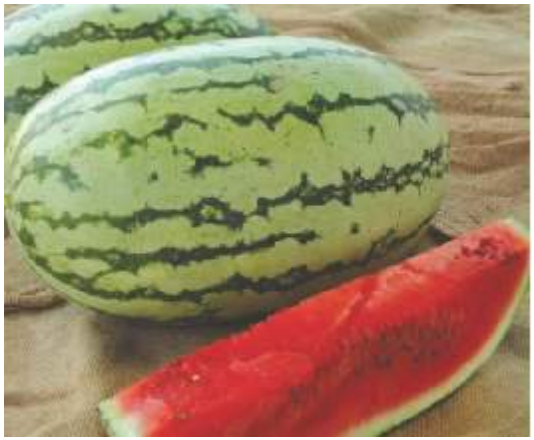

संकर तरबूज

एनडब्लूएमएच-455

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....90 से 95 दिन
फलों का रंग.....फिके हरे रंगपर गहरी हरी धारियां
फल का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....8 से 10 किलो

प्रमुख विशेषताएं

- फिके हरे रंगपर गहरी हरी धारियां, बड़े एकसमान आकार के अंडाकृति फल
- बहुत घट्ट, गहरा लाल रंग का मीठा व कुरकुरा गूदा
- बुआई के 90 - 95 दिन बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार
- बढ़िया भण्डारण क्षमता, दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- विल्ट व बडनेक्रोसिस के प्रति अति सहनशील.

संकर तरबूज

एनडब्लूएमएच-354

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....90 से 100 दिन
फलों का रंग.....काला
फल का आकार.....गोल
फल का वजन.....6 से 8 किलो

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम बड़े, गोल आकार के काले रंग के आकर्षक फल
- गहरे लाल रंग का ज्यादा मीठा, घट्ट एवं कुरकुरा गूदा
- बुआई के 90 – 95 दिन बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार
- ज्यादा दिन टिके रहने की उत्तम क्षमता
- विल्ट एवं बडनेक्रोसिस के प्रति अति सहनशील
- दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त

संकर तरबूज

एनडब्लूएमएच-148+

गुणविशेषताएं

फसल की अवधि.....90 से 95 दिन
फलों का रंग.....फिके हरे रंग पर गहरी हरी धारियां
फल का आकार.....अंडाकृति
फल का वजन.....10 से 12 किलो

प्रमुख विशेषताएं

- मजबूत लता के साथ बेहतरीन मध्यम पक्वता
- फिके हरे रंग पर गहरी हरी धारियां
- अंडाकार आकार के बड़े फल, गहरा लाल ज्यादा मीठा गूदा
- बुआई के 90 – 95 दिन बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार
- व्यापक अनुकूलनशीलता के साथ दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- फ्युजारियम विल्ट एवं अल्टरनेरिया ब्लाईट रोगों के प्रति अति सहनशील

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....हलकी से मध्यम भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....1.0 -1.5 कि.ग्रा
बुआई की दूरी.....180 x 60 या 150 x 60 सें.मी.
खाद एवं उर्वरक : जमीन तैयार करते समय 25 - 30 टन प्रति हेक्टेयर एफवायएम खाद दें। बुआई के 15 दिन बाद नत्र–100 कि.ग्रा., स्फूर–100 कि.ग्रा., पोटाश-100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें। बुआई के 30 दिन बाद नत्र– 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें।
सिंचाई : फसल को 5 - 6 दिन की अन्तराल से सिंचाई करनी चाहिए या फसल की मांग के अनुसार सिंचाई करें।
फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर पानी या क्लोरोपायरीफॉस या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **एफिड् एवं जैसिड्स :** थायोमिथाक्साम 0.66 ग्राम /लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **सफेद मक्खी :** डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **थ्रिप्स :** थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम या फिप्रोनिल 2 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **डाउनी मिल्ड्यू :** मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या टेब्युकोनाझोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **फ्युजारियम विल्ट :** बायोसंजीवनी 10 ग्राम (ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम) प्रति लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** टेब्युकोनाझोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **अल्टरनेरिया :** मेन्कोजेब एवं मेटालॅक्झील –एम 2.5 ग्राम प्रति लीटर या डायथेन एम–45, 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **गमी स्टेम ब्लाईट :** बाविस्टीन या डायथेन एम–45, 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

विशेष सिफारीश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

संकर खरबूज

एनएमएमएच-24

गुणविशेषताएं

फलों का आकार.....चपटा गोल
फलों का रंग.....पीले रंग पर हरी धारियां
फल का वजन.....900 से 1000 ग्राम
गूदे का रंग.....गहरा भगवा पीला

प्रमुख विशेषताएं

- मजबूत एवं तेजी से बढ़नेवाली किस्म
- चपटा गोल आकार, पीले रंग पर हरी धारियांयुक्त आकर्षक फल
- कम बीज एवं बहुत घट्ट गूदा
- बुआई के 70 – 75 दिन बाद फल तुड़ाई के लिए तैयार
- उत्कृष्ट स्वाद के साथ बहुत ज्यादा टिएसएस
- विल्ट, पाउडरी मिल्ड्यू, एवं विषाणु रोगों के प्रति अति सहनशील ● अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म.

संकर खरबूज

एनएमएमएच-225

गुणविशेषताएं

फलों का आकार.....गोल
फलों का रंग.....जालीदार त्वचा के साथ सुनहरा पीला
फल का वजन.....800 से 900 ग्राम
गूदे का रंग.....गहरा नारंगी

प्रमुख विशेषताएं

- गोल एवं सुनहरी पीले रंग के साथ जालीदार त्वचा
- कम बीज एवं गहरा नारंगी गूदा
- बेहतरीन स्वादिष्ट और अधिक टिके रहने की क्षमता
- जल्दी पकनेवाली एवं अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म
- व्यापक अनुकूलनशीलता के साथ रोगों के प्रति सहनशील
- बुआई के 65 - 70 दिन बाद फल तैयार होते है
- फ्युजारियम विल्ट एवं वायरस के प्रति अति सहनशील

संकर खरबूज

एनएमएमएच-203

गुणविशेषताएं

फलों का आकार.....गोल से अंडाकार
फल का रंग.....जालीदार त्वचा के साथ पीला
फल का वजन.....1000 से 1100 ग्राम
गूदे का रंग.....भगवा पीला

प्रमुख विशेषताएं

- गोल से अंडाकार, पीला रंग एवं जालीदार त्वचा
- कम बीज, भगवा पीला रंग, बेहतरीन स्वाद एवं मीठा गूदा
- एकसमान आकार के आकर्षक फल
- बुआई के 65 – 70 दिन बाद फल तैयार होते है
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- दूर के परिवहन के लिए उपयुक्त
- विल्ट, पाउडरी मिल्ड्यू और कुकुम्बर मोजेक वायरस के प्रति अति सहनशील
- अत्यधिक उपज देनेवाली किस्म

संकर खरबूज

एनएमएमएच-247

गुणविशेषताएं

फलों का आकार.....अंडाकार
फल का रंग.....मलाईदार पीला
फल का वजन.....1000 से 1100 ग्राम
गूदे का रंग.....गहरा नारंगी

प्रमुख विशेषताएं

- ज्यादा फलधारण एवं तेजी से बढ़नेवाला पौधा
- अंडाकार आकार के एकसमान फल
- मलाईदार पीला रंग लिए हुए सफेद जालीदार आकर्षक फल
- उत्कृष्ट स्वाद के साथ बहुत मीठा गूदा
- बुआई के 70 – 72 दिन बाद फल कटाई के लिए तैयार
- दूर के परिवहन के लिए योग्य किस्म
- फुजारियम विल्ट, पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू और कुकुम्बर मोजेक वायरस के प्रति अति सहनशील

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....हलकी से मध्यम भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....0.750 से 1.0 कि.ग्रा.
रोपाई की दूरी.....180 x 60 या 150 x 60 सें.मी.
खाद एव उर्वरक.....जमीन तैयार करते समय 25 - 30 टन प्रति हेक्टेयर एफ वाय एम खाद दें । बुआई के 10 दिन बाद नत्र–100 कि.ग्रा., स्फूर-100 कि.ग्रा., पोटाश-100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर दें । बुआई के 30 दिन बाद नत्र–50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई.....फसल को 5 से 6 दिन की अन्तराल से सिंचाई करनी चाहिए या फसल की मांग के अनुसार सिंचाई करें ।
फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली / लीटर पानी या क्लोरोपायरीफॉस या क्विनॉलफॉस 2 मिली / लीटर पानी
- **एफिड् एवं जैसिड्स :** थायोमिथाक्झाम 0.66 ग्राम/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी :** डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम /15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स :** थायामेथोक्साम 0.66 ग्राम या फिप्रोनिल 2 मिली/लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **डाउनी मिल्ड्यू :** मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील – एम 2.5 ग्राम / लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रतिलिटर पानी या टेबुकोनाझोल 1 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें
- **फ्युजारियम विल्ट :** बायोसंजीवनी 10 ग्राम (ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम) प्रति लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** टेबुकोनाजोल 1 ग्राम / लीटर पानी या डायफेनोकोनाजोल 0.5 मिली / लीटर पानी
- **अल्टरनेरिया लीफ ब्लाईट :** मेन्कोजेब एवं मेटालॅक्झील –एम 2.5 ग्राम प्रति लीटर या डायथेन एम–45, 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **गमी स्टेम ब्लाईट :** बाविस्टीन या डायथेन एम–45, 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले,
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

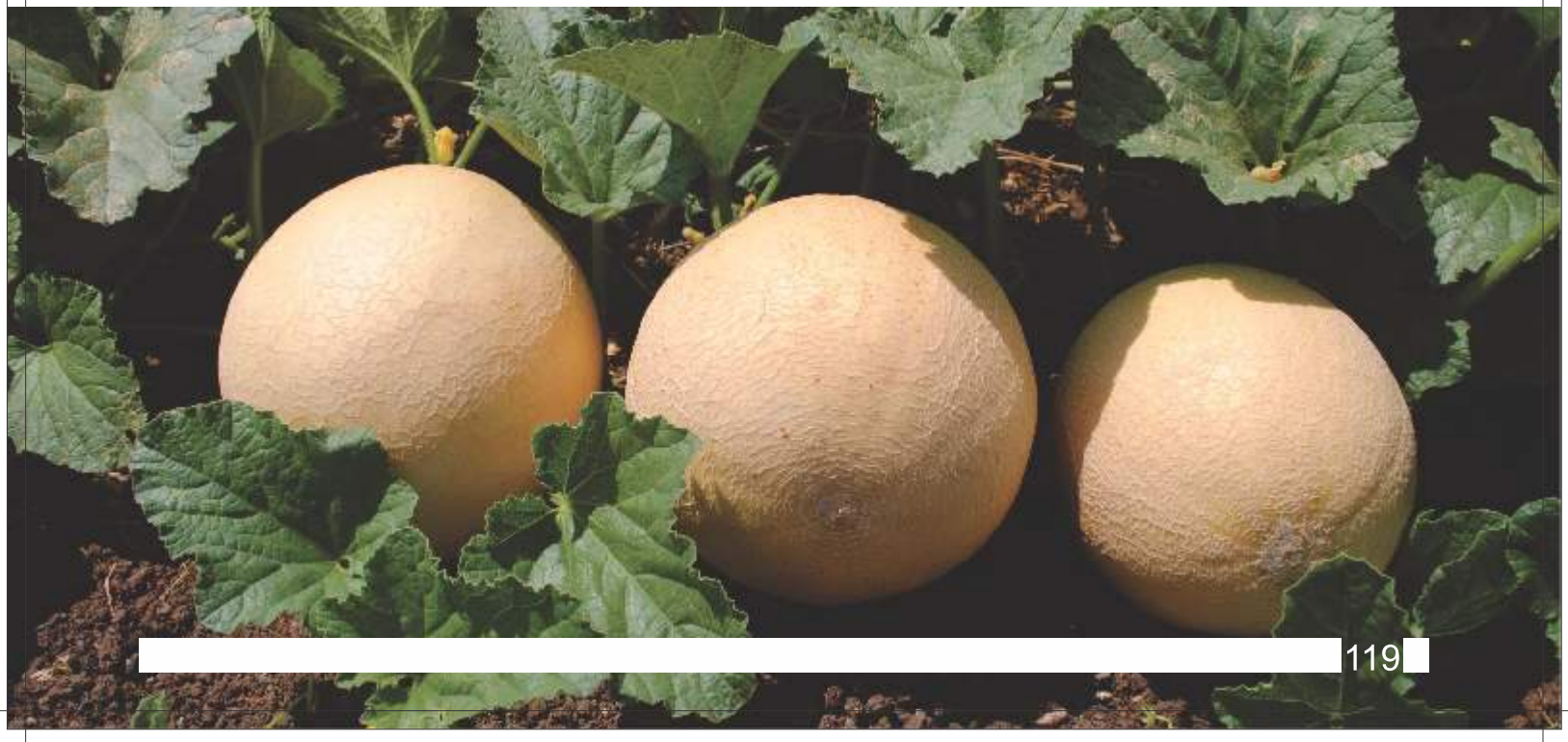

ग्वार

एनसीबी-12 (नंदिनी)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....ऊँचा, सीधा
फली की लम्बाई.....6 से 7 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- यह ऊँची एवं एकल तना किस्म है
- लोकल टाईप, मध्यम लम्बी आकार की बेहतरीन फलियां
- अच्छा स्वाद
- प्रमुख कीट व रोगों के प्रति अति सहनशील
- भारी मिट्टी में खरीफ की बुवाई (15 अप्रैल–15 अगस्त) के लिए अयोग्य

ग्वार

एनसीबी-115

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम ऊँचा
फली की लम्बाई.....12 से 14 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम ऊँची एवं एकल तना किस्म है
- अधिक लम्बी आकर्षक फलियां
- बुआई के 45 – 50 दिन बाद फलियां प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार
- पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति सहनशील
- अधिक उपज क्षमता

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....8-10 कि.ग्रा.
बुआई की दूरी.....60 x 15 या 45 x 15 सें.मी.
खाद एवं उर्वरक : जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 25 टन जैविक खाद देवें । बुआई करते समय नत्र–25 कि.ग्रा., स्फूर–60 कि.ग्रा., पोटाश -60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें । बुआई के 25 दिन बाद नत्र - 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई : वातावरणीय स्थिती के अनुसार 2 से 3 संरक्षित सिंचाई देना चाहिए ।
पौध सुरक्षा :

- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **एफिड् एवं जैसिड्स :** इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **सफेद मक्खी :** डायफेन्थीयुरॉन 12.5 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **थ्रिप्स :** थायमेथोक्साम 0.66 ग्राम प्रति लीटर पानी या फिप्रोनिल 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **डाउनी मिल्ड्यू :** मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील – एम 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **फ्युजारियम विल्ट :** बायोसंजीवनी 10 ग्राम (ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम) प्रति लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** टेब्युकोनाजोल 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **अल्टरनेरिया लीफ ब्लाईट :** मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील–एम, या डायथेन एम–45, 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले,
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

बीन

एनएफएल-75 (अर्का शरद)

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....सीमित
पौधे की ऊँचाई.....50 से 60 सें.मी.
फली की लम्बाई.....14 से 16 सें.मी.
फली का रंग.....फिका हरा
दाने का रंग.....सफेद

प्रमुख विशेषताएं

- फिके हरे रंग की गोल लम्बी एवं मुलायम फलियां
- उत्कृष्ट स्वाद एवं बेहतरीन गुणवत्ता
- कीट एवं रोग के प्रति अति सहनशील
- ज्यादा उपज देनेवाली किस्म

मटर

एन.पी.-20

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम सीमित
फली की लम्बाई.....8 से 10 सें.मी.
दाने की संख्या प्रति फली.....8 से 10

प्रमुख विशेषताएं

- आकर्षक गुणवत्तावाली फलियां
- प्रति फली दानों की अधिक संख्या
- उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं मीठा स्वाद
- विल्ट व पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति अति सहनशील
- सब्जी उद्देश के लिए उपयुक्त

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....पानी की निकासी वाली उपजाऊ जमीन। वैसे किसी भी जमीन में लगा सकते है।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....70 से 80 कि.ग्रा.
बुआई की दूरी.....45 x 15 सें.मी
खाद एवं उर्वरक : भूमि तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 15 - 20 टन एफवायएम खाद देवें। बुआई करते समय नत्र - 30 कि.ग्रा., स्फूर - 30 कि.ग्रा., पोटाश - 30 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें। बुआई के 30 दिन बाद नत्र- 30 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें।
सिंचाई : फसल को 8 - 10 दिन के अंतराल से सींचना चाहिए।
पौध सुरक्षा :

- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली प्रति लीटर पानी।
- **एफिड्स एवं जैसिड्स :** इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली प्रति लीटर पानी।
- **सफेद मक्खी :** डायफेन्थीयुरॉन 12.5 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी
- **थ्रिप्स :** थाईमेथोझाम 0.66 ग्राम प्रति लीटर पानी या फिप्रोनिल 2 मिली प्रति लीटर पानी।
- **डाउनी मिल्ड्यू :** मेन्कोजेब और मेटालॅक्झील - 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी या मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या टेबुकोनाजोल 1 ग्राम प्रति लीटर पानी।
- **फ्युजारियम विल्ट :** बायोसंजीवनी 10 ग्राम (ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम + स्युडोमोनास 5 ग्राम) प्रति लीटर पानी या बाविस्टीन 2 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** टेबुकोनाजोल 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** -25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** - 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे।
- **निर्मल बायोफोर्स** -2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव - फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव - फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव - फल लगते समय

लोबिया
एनसीपी-506

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम असीमित
फली की लम्बाई.....24 से 26 सें.मी.
दाने का रंग.....सफेद
पक्वता का अवधि.....90 से 100 दिन

प्रमुख विशेषताएं

- मध्यम असीमित बढ़नेवाला पौधा
- फलियां हरी एवं बहुत लम्बी (24 –26 सें.मी.) होती है
- सफेद रंग के दाने और उस पर भूरा रंग का टिका
- अधिक उपज देनेवाली किस्म
- बहु उपयोगी किस्म ● येलोवेन मोजेक वायरस एवं पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति अति सहनशील

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....उपजाऊ एवं अच्छी जल निकासवाली । परंतु इसे विभिन्न प्रकार की जमीन में भी उगाया जा सकता है ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....15 से 20 कि.ग्रा.
बुआई की दूरी.....45 x 10 सें.मी.
खाद एवं उर्वरक : भूमि तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 15-20 टन एफवायएम खाद खेत में डाले । नत्र–25 कि.ग्रा. एवं पोटाश –25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई : बुआई के तुरन्त बाद और तीसरे दिन सिंचाई कर देनी चाहिए । उसके बाद सप्ताह में एक बार फसल को सींचना चाहिए ।
फसल सुरक्षा :

- **एफिड्स :** डाईमेथोऐट (30 ईसी) 1 मिली/लीटर पानी या मिथील डेमेटॉन (25 ईसी) 1 मिली /लीटर पानी ।
- **फली छेदक :** क्विनॉलफॉस (25 ईसी) 2 मिली/लीटर पानी ।
- **पाउडरी मिल्ड्यू :** गंधक 25 कि.ग्रा./हेक्टेयर या घुलनशील गंधक (वेटेबल सल्फर) 2 ग्राम /लीटर पानी ।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** –25 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई के समय जड़ो के पास प्रयोग करें ।
- उत्पादन वृध्दि के लिए **निर्मल रायझामिका** – 100 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी मे मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग व्दारा जड़ो के पास देवे ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्ननुसार छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल अवस्था में
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

मूली
एनआरडी - 45

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....मध्यम फैलाव
पत्तियां.....दाँतेदार
मूली की लम्बाई.....35 से 40 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- एकसमान सीधे, पुर्णतया सफेद जड़
- हल्का तीखा स्वाद
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- मूली 45 – 50 दिनों में तैयार हो जाती है
- सर्दी मौसम के लिए अनुशंसित

मूली
एनआरडी - 48

गुणविशेषताएं

पौधे का प्रकार.....सीधा
पत्तियां.....हस्ताकार
मूली की लम्बाई.....25 से 30 सें.मी.

प्रमुख विशेषताएं

- सीधी एवं एकसमान आकार की मूली
- हल्का तीखा स्वाद
- टिके रहने की उत्तम क्षमता
- मूली 40 – 45 दिनों में तैयार हो जाती है
- खरीफ के लिए अनुशंसित

खेती संबंधी सुझाव

भूमि.....मध्यम भारी अच्छी जल निकास वाली जमीन ।
बीज दर (प्रति हेक्टेयर).....9 - 10 कि.ग्रा.
बुआई की दूरी.....30 x 10 या 20 x 5 सें.मी
खाद एवं उर्वरक : जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 20 - 25 टन एफवायएम खाद दें । बुआई के समय नत्र–25 कि.ग्रा., स्फूर–100 कि.ग्रा., पोटाश - 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर दें । बुआई के 30 दिन बाद नत्र–25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर देवें ।
सिंचाई : मूली को बुआई के तुरंत बाद सींच देना चाहिए । बुआई के तीसरे दिन और 5 से 7 दिन में एक बार सिंचाई करनी चाहिए ।
फसल सुरक्षा :

- **लीफ माईनर :** डायक्लोरोवॉस 1 मिली प्रति लीटर पानी ।
- **रस चूसक कीट :** इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली प्रति लीटर पानी या थायामेथोक्साम 7 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी ।
- **सफेद मक्खी :** डायफेंथीयुरॉन 12.5 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी ।
- **थ्रिप्स :** फिप्रोनिल 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **डैम्पिंग ऑफ :** कॉपर ऑक्झीक्लोराईड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर ड्रेन्चिंग करें ।
- **व्हाईट रस्ट :** मेन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी या एजोक्सीस्ट्रोबीन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।

विशेष सिफारिश : अधिक पैदावार के लिए

- **निर्मल बायोपॉवर गोल्ड** -25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर जड़ो के पास मिट्टी में मिलाकर देवें ।
- **निर्मल बायोफोर्स** –2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें
  पहला छिड़काव – फूल आने के पहले
  दूसरा छिड़काव – फूल आते समय
  तीसरा छिड़काव – फल लगते समय

कद्दू
एनपीएल-36

गुणविशेषताएं

फल का रंग.....गहरा हरा रंग एवं हल्की धारियां
फल का आकार.....गोल
गूदे का रंग.....पीला
फल का वजन.....5 से 6 कि.ग्रा.

प्रमुख विशेषताएं

- चपटा गोल आकार के फल
- अपरिपक्व अवस्था में छिलके गहरे हरे रंग के होते है
- परिपक्व अवस्था में फल पीले नारंगी रंग के होते है
- खाने में स्वादिष्ट
- अधिक उपज क्षमता

जैविक उत्पाद

Rizamico

Sniper-WP
EPN

BIO-POWER
BIO-FORCE
Nirmal
Bhuparis
Bhuparis
PSEUDOMONAS

Bio
Sanjivani

PickUp

निर्मल बायोपॉवर गोल्ड (माइकोराईजल जैव उर्वरक)

निर्मल बायोपॉवर गोल्ड यह एक शुध्दतापूर्ण जैविक उत्पाद है। इसमें माइकोराईजा के तीन विभिन्न ग्लोमस प्रजातियों का समावेश है।
यह उत्पाद पेटेन्टेड टेक्नोलॉजी – रूट ऑरगन कल्चर (आर.ओ.सी) के तरीके से तैयार किया गया है।

लाभ :

- इससे रेशेदार जड़ो की संख्या बढ़ती है।
- इसके प्रयोग से फसलों की जड़ों का भूमि के अंदर तेजी से विकास होकर अत्यधिक फैलाव होता है।
- जड़ों की फैलाव से स्फूर, जल तथा अन्य सूक्ष्म एवं अति सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है।
- पौधों में विभिन्न प्रकार के अजैव तनाव तथा जैव तनाव जैसे फफूंदजनित रोग और सूत्रकृमि के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- पोषक तत्वों का अवशोषण करते समय मृदा के कम से कम हिस्से में कई मिल कवक तन्तु पाये जाते है, जो अवशोषण करने वाले जड़ों के क्षेत्र को कई गुणा बढ़ाते है, ताकि पोषक तत्वों का सुगमता से अवशोषण हो जाये।
- जहाँ तक जड़ों की पहुँच नही होती वहाँ से भी माइकोराईजा व्दारा पोषक तत्वों का अवशोषण होता है।
- मृदा के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणों में सुधार होता है।
- मिट्टी की संरध्रता बढ़ती है, जिससे फसलों की जड़ों को अंदर जाने में आसानी होती है, पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ने से फसलों का विकास होता है और उपज में वृध्दि होती है।

प्रयोग विधि : निर्मल बायोपॉवर गोल्ड 25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर जड़ो के पास मिट्टी में मिलाकर देवें। या इसे गोबर खाद के साथ भी इस्तेमाल कर सकते है।

उपयुक्तता : सभी प्रकार की फसलें, सब्जियाँ, फलों, शोभायमान फूल पौधों एवं बाग–बगीचा, लॉन आदि के लिए उपयुक्त है।

निर्मल रायझामिका आर.ओ.सी. आधुनिक टेक्नोलोजी पर आधारीत माइकोराईजल जैव उर्वरक

निर्मल रायझामिका में माइकोरायझा के तीन विभिन्न ग्लोमस प्रजातियों का समावेश है।
यह उत्पाद 'रुट ऑरगन कल्चर' इस आधुनिक टेक्नोलोजी द्वारा तैयार किया गया है।

- **कुल उपयुक्त प्रोपेग्युलस प्रति ग्राम उत्पादन :** 2000 प्रोपेग्युलस /ग्राम
- **स्वरुप /आधार :** पावडर (पानी में घुलनशील)
- **पी.एच. (सामू):** 6 से 7.5 ● **संक्रमण क्षमता :** एफ.सी.ओ. (1985) के अनुसार

लाभ : 1) फसलों की जड़ों का विकास एवं विस्तार होता है 2) स्फूर एवं सूक्ष्म अन्नतत्वों का प्रभावशाली अवशोषन होकर उनकी उपलब्धता को बढ़ाता है 3) फसलों की जैव तथा अजैव तनाव को सहने की क्षमता बढ़कर रोग प्रतिकार शक्ति बढ़ती है 4) उपज एवं गुणवत्ता में लक्षणीय वृध्दि होती है, साथ ही रासायनिक खादों में बचत भी होती है 5) रायझामिका के इस्तेमाल से सेंद्रिय पदार्थों का निर्माण होता है,उससे जमीन की सच्छिद्रता, जलधारण एवं अन्नतत्वों का संचय करने की क्षमता बढ़ती है 6) रायझामिका का इस्तेमाल करने पर अवशोषण करने वाले जड़ों का कार्यक्षेत्र कई गुना बढ़ जाता है। इससे भूमि के अंदर जो स्त्रोत उपलब्ध है, उसका पूरा उपयोग करने की पौधों की कार्यक्षमता में सुधार होता है 7) जहाँ तक जड़ों की पहुँच नही होती वहाँ से भी रायझामिका के इस्तेमाल से पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है 8) मृदा की भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणों में सुधार होता है।

प्रयोग विधि :

- निर्मल रायझामिका का इस्तेमाल टपक सिंचाई (ड्रिप) या ड्रेंचिंग द्वारा फसलों की जड़ों के पास करें।
- निर्मल रायझामिका को सेंद्रिय खाद के साथ अथवा अलग से इस्तेमाल कर सकते है।
- **मात्रा :** 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर (100 ग्राम प्रति एकड़)। 100 ग्राम रायझामिका, 200 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ क्षेत्र के लिए उपयोग करें।
- **उपयुक्त फसलें :** धान, गन्ना, केला, गेहूँ, तिलहनी एवं दलहनी फसलें, प्याज, लहसुन, आलु, मिर्च, सोयाबीन, अदरक, हल्दी अंगुर, सेब, निंबू, कपास, मका एवं सब्जियाँ

सुचना–पैकेट को थंड एवं सुखी जगह पर रखें।

निर्मल बायोपॉवर (दानेदार)
(जैविक अर्क) सॉईल इनरीचर

यह आधुनिक जैव तकनीक प्रक्रिया द्वारा तैयार अनेक उपयुक्त जीवाणुओं एवं नील हरित काई पर प्रक्रिया व्दारा प्राप्त अर्क से विकसित किया गया है । इसमें बायो अमीनो एसिड, सोल्युबल प्रोटीन्स का समायोजन है ।

निर्मल बायोपॉवर के लाभ :
- यह जैविक अर्क होने के कारण जमीन में सुधार होता है और जड़ो के आसपास मौजुद पोषक तत्वों को सक्रिय बनाकर पौधों को आसानी से उपलब्ध कराता है ।
- फसलों की अवशोषण क्षमता सुगमता से होती है ।

उपयोग करने का तरीका :
- इसका उपयोग जमीन से देने के लिए करें ।
- इसका इस्तेमाल अलग से या एफवाईएम के साथ/रासायनिक उर्वरक के साथ मिलाकर कर सकते है ।
- नर्सरी में बुआई करते समय निर्मल बायोपॉवर 2.5 ग्राम प्रति वर्ग मीटर नर्सरी.
- स्थलांतरण के बाद (रोपाई के समय) निर्मल बायोपॉवर –10 कि.ग्राम प्रति एकड़ बेसल डोज के रुप में या रासायनिक उर्वरक या एफवाईएम के साथ मिलाकर जमीन में देना चाहिए ।

प्रयोग विधि :
- **ब्रॉडकास्टींग :** अनाज फसलों के लिए उर्वरक या एफवाईएम के साथ मिलाकर देना चाहिए ।
- **रिंग मेथड :** जिस फसल में पौधों या पेड़ के आस पास अच्छी जगह हो वहाँ पर उर्वरक में मिलाकर जड़ो के पास मिट्टी में मिलाकर देना चाहिए ।

अनुशंसित फसलें एव मात्रा

क्र.	समुह	फसलें	मात्रा प्रति हेक्टेयर
1	सब्जियां	बैंगन, मिर्च, टमाटर, भिण्डी, शिमला मिर्च, प्याज और सभी प्रकार की सब्जियां	25 कि.ग्राम/हेक्टेयर
2	अनाज फसलें	धान, मक्का, गेहूँ और सभी प्रकार की अनाज की फसलें	25 कि.ग्राम/हेक्टेयर
3	तिलहनी फसलें	सरसों, तोरिया, सोयाबीन, तिल, सुरजमुखी, कुसुम, अरण्डी और सभी प्रकार के तिलहनी फसलें	25 कि.ग्राम/हेक्टेयर
4	दलहनी फसलें	मूंग, उड़द, अरहर, छोटा मटर, मटर और सभी प्रकार की दलहनी फसलें	25 कि.ग्राम/हेक्टेयर
5	बहुवर्षीय फसलें	चाय, कॉफी,नारियल, अरेकानट आदि	65 कि.ग्राम/हेक्टेयर
6	बागवानी फसलें	केला, अनार, आम, पपीता,अंगूर, नींबू वर्गीय फलों, जामुन, सेब और सभी प्रकार के फल	50 - 55 कि.ग्राम/हेक्टेयर

निर्मल बायोपॉवर (तरल रूप)

(जैविक अर्क)

यह आधुनिक जैव तकनीक प्रक्रिया द्वारा अनेक उपयुक्त जीवाणुओं एवं नील हरित काई पर प्रक्रिया द्वारा प्राप्त अर्क से विकसित किया गया है। इसमें बायो अमीनो एसिड, प्रोटीन आदि का समायोजन है।

निर्मल बायोपॉवर की कार्य प्रणाली :

निर्मल बायोपॉवर के इस्तेमाल करने से पौधों की कोशिकाओं में विभाजन व वृद्धि होकर भरपूर जड़े निकलती है। वैसे ही रेशेदार जड़ों की संख्या बढ़ती है। जिससे जमीन में उपलब्ध अन्नतत्वों एवं जल का अवशोषण सुगमता से होता है।

लाभ :

- रेशेदार जड़ों की संख्या बढ़ती है।
- पोषक तत्वों का अवशोषण सक्षमता से होता है।
- पौधों में अवर्षा एवं तनाव सहन करने की शक्ति बढ़ती है।
- फलों की संख्या एवं आकारमान में वृद्धि होती है।
- उपज में वृद्धि होती है।

प्रयोग विधि :

निर्मल बायोपॉवर तरल 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर ड्रिप या ड्रेंचिंग द्वारा पौधे की जड़ों के पास देवें। इसे कोई भी रासायनिक खाद के साथ या अलग से इस्तेमाल कर सकते है।

निर्मल बायोफोर्स (जैविक अर्क)

निर्मल बायोफोर्स यह समुद्र की उपयुक्त तण एवं नील हरित काई (शैवाल) के अर्क से तैयार किया वनस्पती जन्य जैविक अर्क है। इसमें नैसर्गिक अमीनो एसिड का समायोजन है। यह भारत सरकार द्वारा प्रोसेस पेटेन्ट प्राप्त जैविक उत्पाद है।

लाभ –

- इसके उपयोग से पौधों की सर्वांगीण बढ़वार होती है।
- पत्तियों में हरित द्रव्य की मात्रा बढ़कर पत्तियों की संख्या एवं आकार में वृद्धि होती है।
- प्रकाश संश्लेषण क्रिया में मदद होती है।
- फूलों व फलों का गिरना कम होकर फल धारणा अच्छी होती है जिससे पैदावार में वृद्धि होती है।
- फलों, फूलों एवं सब्ज़ियों की अधिक समय तक ताजा रहने की क्षमता में वृद्धि होती है।

प्रयोग विधि – 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में छिड़काव करें।

- पहला छिड़काव – फूल निकलने के पहले
- दूसरा छिड़काव – फूल धारणा एवं फल धारणा अवस्था में
- तीसरा छिड़काव – फल धारणा पूर्ण होते समय

उपयुक्तता – सभी प्रकार की फसलें, सब्ज़ियाँ, फलों एवं शोभायमान फूल पौधों, बाग–बगीचा, लॉन आदि के लिए उपयुक्त।

बेरीलॉन

बेरीलॉन यह उत्पाद वनस्पती और निलहरित काई (शैवाल) के अर्क से विकसीत किया है, जो सभी प्रकार की फसलें, सब्जियाँ एवं फलों की निर्यातक्षम, दर्जेदार और अधिक उपज के लिए बहुत फायदेमंद है।

लाभ –

- फूलों एवं फलों का गिरना कम होकर फल धारणा अच्छी होती है।
- फलों एवं सब्जियों की अधिक समय तक ताजा रहने की क्षमता में वृद्धि होती है।
- फलों का पोषण होकर आकार एवं समानता में वृद्धि होती है।
- सब्जियाँ एवं फलों की भण्डारण क्षमता में सुधार होता है।
- फसलो में तनाव एवं रोग प्रतिकारक शक्ति को बढ़ाता है।
- इससे उपज में भरपूर वृद्धि होती है।

प्रयोग विधि – बेरीलॉन 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर निम्न अवस्थाओं में तीन छिड़काव करें।

- पहला छिड़काव – सम्पूर्ण फूल अवस्था में।
- दूसरा छिड़काव – फल धारण अवस्था में।
- तीसरा छिड़काव – फलों की विकास अवस्था में।

उपयुक्तता – सभी प्रकार की फसलें, सब्जियाँ, फलों, शोभायमान फूल पौधों एवं बाग–बगीचा आदि के लिए उपयुक्त है।

बायो संजीवनी

इसमें ट्राइकोडर्मा विरिडी और सुडोमोनास फ्ल्युरोसन्स ये दो अलग–अलग उत्पादों से बनाया हुआ बायो संजीवनी एक बेहतरीन जैविक उत्पाद है। जीवाणुजनित, फफूंदजनित अथवा सूत्रकृमि द्वारा होनेवाले रोग जैसे की जड़ की सड़न, पौधों की सड़न, फ्यूजेरियम विल्ट, डैम्पिंग ऑफ (पौधे सूकना) आदि रोगों के नियंत्रण के लिए प्रभावशाली है।

लाभ : • इसका उपयोग करने से फसलों को हानि पहुंचाने वाले सूक्ष्म जीवाणुओं से फसलों का संरक्षण होता है • रोगजनक फफूंद से होनेवाले रोग जैसे की जड़ की सड़न, पौधों की सड़न, फ्यूजेरियम विल्ट, डैम्पिंग ऑफ (पौधे सूकना) एवं शीथ ब्लाईट आदि रोगों का नियंत्रण होता है • सुडोमोनास स्पेसिज के जीवाणु फसलों का जीवाणुजनित रोगों से संरक्षण करते है। उसके साथ ही साथ फसलों की वृद्धि के लिए आवश्यक जैविक तत्वों का निर्माण इस जीवाणु द्वारा होता है • बायो संजीवनी के प्रयोग से बीज एवं मृदा जनित रोगों का प्रभावशाली नियंत्रण होता है।

प्रयोग विधि : बीज उपचार – बायो संजीवनी पैकेट में से 5 ग्राम ट्राइकोडर्मा + 5 ग्राम सुडोमोनास कल्चर को 25 मिली पानी में मिलाकर बने हुए घोल में 1 किलो बीज इस तरह भिगोये की बीज पर समान रुप से लेपन हो जाए। फिर उसे छाया में सुखाकर बुआई करें। **जमीन से देने के लिए –** बायो संजीवनी 2.5 किलो, 100 किलो गोबर खाद या सेंद्रिय खाद में मिलाकर एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए प्रयोग करें। **ड्रेंचिंग –** 500 ग्राम ट्राइकोडर्मा व 500 ग्राम सुडोमोनास कल्चर को 200 लीटर पानी और 500 ग्राम गुड़ के साथ मिलाकर पौधों के जड़ो के आसपास दें। **पौध उपचार –** एक एकड़ क्षेत्र के लिए रोपाई हेतु पौधों के उपचार के लिए 1 किलो बायो संजीवनी, 20 - 25 लीटर पानी में मिलाकर घोल बनायें। इस घोल में पौधों के जड़ों को 5 - 10 मिनट तक डुबोकर रखें और उसके बाद रोपाई करें।

भूपरीस ट्रायको (ट्राइकोडर्मा विरिडी 1% डब्ल्यू पी)
(एन्टागोनिस्टिक फफूंद)

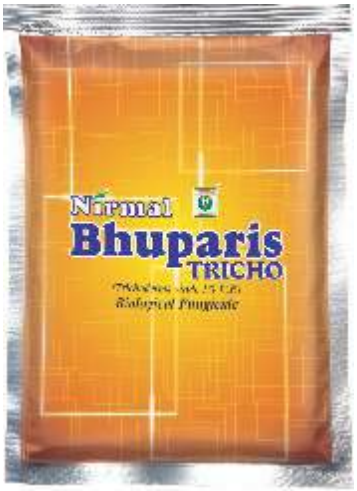

भूपरीस ट्रायको यह जैविक फफूंदनाशक उत्पाद हैं । भूमि में मौजुद फ्यूजेरियम, स्क्लेरोशियम रोल्फसी, राइजोक्टोनिया सोलानी, पिथियम अफेनीडर्मेटम, फाइटोफ्थोरा आदि फफूंद से फसल को नुकसान पहुंचता है, जिससे मर, स्टेम रॉट, रुट रॉट, डैम्पिग ऑफ जैसे बीमारियों का प्रकोप होता है । इनका नियंत्रण करने के लिए भूपरीस ट्रायको प्रभावशाली कार्य करता है ।

लाभ :

1) अनाज, दलहनी, सब्जियाँ एवं फलों पर आने वाले विल्ट, रुट रॉट, डैम्पिग ऑफ आदि रोगों का नियंत्रण होता है ।
2) मिट्टी की उर्वरता एवं मृदा संरचना को सुधारता है ।

प्रयोग विधि :

- **बीज उपचार** : 10 - 15 ग्राम भूपरीस ट्रायको को 25 मिली पानी में मिलाकर घोल बनायें और रोपाई पूर्व 1 किलो बीज को लेपन लगायें ।
- **जमीन से देने के लिये** : 2 किलो भूपरीस ट्रायको को 10 लीटर पानी में मिलाकर घोल बनायें । इस घोल को एक गाडी गोबर खाद में मिलायें । उसके बाद इसे एक एकड़ क्षेत्र में जड़ों के पास प्रयोग करें ।
- **ड्रैंचिंग** : 2 किलो ग्राम भूपरीस ट्रायको 200 लीटर पानी में 500 ग्राम गूड़ के साथ मिलाकर घोल बनायें और इसे पौधों के जड़ों के पास दे । पौध उपचार के लिए केला, पपीता, सन्तरा एवं मौसंबी आदि फलों के पौधों को उपरोक्त घोल में डूबोंकर रोपाई करें ।

भूपरीस स्यूडोमोनास (स्यूडोमोनास फ्लुरोसेन्स 0.5 प्रतिशत डब्ल्यू पी)
(एन्टागोनिस्टिक जीवाणु)

भूपरीस स्यूडोमोनास यह पौधों का विकास करने वाला राईजोबैक्टेरिया है । भूपरीस स्यूडोमोनास द्वारा निर्मित स्त्राव जैसे फिनाझिन (प्रति जैविक) एवं पाइकोसायनिन जैसे सेकंडरी मेटाबोलाईट द्वारा रोगकारक फफूंद एवं जीवाणुओं की प्रभावी रोकथाम होती है । आयर्न चिलेटींग सिड्रोफोर यह घटक पौधों को जमीन में से लोह की मात्रा उपलब्ध करा देता है । बीज एवं मृदा जनित रोग जैसे की धान में बैक्टेरियल लीफ ब्लाईट, मर रोग, सिडलींग रॉट, लीफ स्पॉट आदि रोगों का प्रभावशाली नियंत्रण होता है ।

लाभ :

- फफूंद एवं जीवाणु जनित रोगों का प्रभावी नियंत्रण करता है ।
- वृद्धिकारक पदार्थों का निर्माण कर पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देता है ।

प्रयोग विधि :

बीज उपचार : 10 ग्राम भूपरीस स्यूडोमोनास को 25 मिली पानी में मिलाकर घोल बनायें । उस घोल में रोपाई पूर्व 1 कि.ग्रा. बीज को डुबोकर लेपन लगायें ।
जमीन से देने के लिये : 2 किलो भूपरीस स्यूडोमोनास को 10 लीटर पानी में मिलाकर घोल बनायें । इस घोल को एक गाडी गोबर खाद में मिलायें । उसके बाद इसे एक एकड़ क्षेत्र में जड़ों के पास प्रयोग करें ।
ड्रैंचिंग : 1 किलो भूपरीस स्यूडोमोनास को 200 लीटर पानी में मिलाये और इस घोल को जड़ों के पास एक एकड़ क्षेत्र में प्रयोग करे ।

बायो पिकअप (डिएक्स) (पोटाश को घुलनशील करने वाले जीवाणु)

पौधों के लिए पोटाश एक आवश्यक पोषक तत्व है । मृदा में बहुतांश पोटाश अघुलनशील होने के कारण पौधों को उपलब्ध नही हो पाता है । बायो पिकअप (डिक्स) में मौजुद पोटाश सोल्युबिलाईजिंग बैक्टीरिया अघुलनशील पोटाश को घुलनशील बनाते है । बायो पिकअप डिएक्स का प्रयोग सभी फसलों में पोटाश की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किया जा सकता है ।

लाभ :
- इससे पोटाश युक्त खाद की मात्रा में 10 से 20 प्रतिशत तक बचत होती है
- फलों की भण्डारण क्षमता में सुधार होता है
- धान्य फसलो में यह मजबूत और कड़े तने तैयार करता है जिसके कारण पौधे गिरते नहीं
- पौधों में रोग निरोधी शक्ति को बढ़ाता है
- बीज और फल को चमकीला और मजबूत बनाता है
- इससे उपज में 15 से 20 प्रतिशत वृद्धि होती है
- बायो पिकअप (डिक्स) पानी में घुलनशील है और इसे ड्रिप व्दारा इस्तेमाल कर सकते है ।

प्रयोग विधि : भूमि उपचार : 3 किलो बायो पिकअप 200 से 500 लीटर पानी में मिलाकर घोल बनायें और इस घोल को एक एकड़ क्षेत्र के लिए ड्रिप द्वारा इस्तेमाल करें ।

- 2 - 3 किग्रा. बायो पिकअप और 5 - 10 लीटर पानी को 100 कि.ग्रा. एफवायएम खाद में मिलाकर एक एकड़ क्षेत्र के लिए प्रयोग करें ।

पौध उपचार : एक एकड़ क्षेत्र के लिए रोपाई हेतु पौधों के उपचार के लिए 1 किलो बायो पिकअप 10 से 15 लीटर पानी में मिलाकर घोल बनायें । इस घोल में पौधों की जड़ो को 20 से 30 मिनट तक डुबोकर रखें और उसके बाद रोपाई करें ।

स्नायपर (कीटभक्षी सूत्रकृमि)

(जैव कीटनाशक)

(हेटेरोरॅबडीटिस इंडिका)

75000 ते 1 लाख इनफेक्टीव जुवेनाईल्स प्रति ग्राम

स्नायपर एक ऐसा उत्पाद है, जो पौधों को नुकसान पहुँचाने वाले कीटों के जैविक नियंत्रण में अत्यधिक प्रभावी सिद्ध हुआ है । स्नायपर में एंटोमोपैथोजेनिक नेमाटोड्स (ईपीएन) है, जो की मिट्टी मे रहने वाले घातक कीट परजीवी है । ये संक्रमित कीट के अंदर परजीवी के रुप में रहकर कीटों को मारते है, जैसे की सफेद लट, फॉल आर्मी वर्म, पत्तियाँ खानेवाली इल्ली एवं दीमक आदि का प्रभावशाली रुप से नियंत्रण होता है । स्नायपर यह विभिन्न फसलों में रासायनिक कीटनाशक के लिए एक सक्षम जैविक विकल्प प्रभावी रुपसे साबित हो रहा है ।

स्नायपर के लाभ
- सफेद लट, फॉल आर्मी वर्म, पत्तियाँ खानेवाली इल्ली एवं दीमक आदि का प्रभावी रुपसे नियंत्रण होता है । इसके साथ ही अन्य कीटों को भी संक्रमित करने की क्षमता रखता है ।
- स्नायपर 24 से 48 घंटो की अवधि में कीड़ों को मार देता है ।
- स्नायपर में जो एंटोमोपैथाजेनिक नेमाटोड्स है उनमें मेजबान कीट को तलाश करने एवं मारने की क्षमता होती है ।
- स्नायपर यह पर्यावरण मित्र जैविक उत्पाद है ।

प्रयोग विधि :
- **छिड़काव–** 1 कि.ग्रा. स्नायपर प्रति एकड़ ।
  5 ग्राम स्नायपर + 0.5 मिली एस.एस. 100 स्प्रेडर के साथ प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
- **जमीन से देने के लिए –** 2 कि.ग्रा. स्नायपर 500 लीटर पानी में मिलाकर ड्रेंचिंग करें या पानी के साथ देवें ।

भूपरीस एझेडपी एजोस्पिरिलम (नत्रजन को स्थिर करने वाले जीवाणु)

बायो फर्टिलायझर

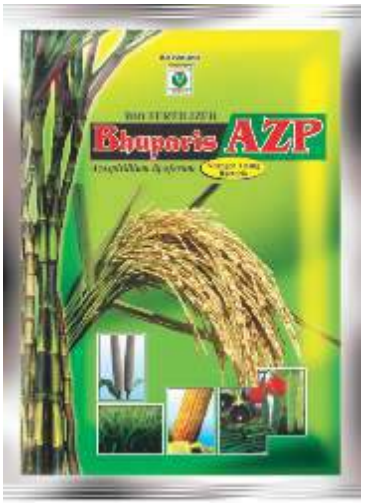

एजोस्पिरिलम कल्चर के जीवाणु पौधों के जड़ क्षेत्र में स्वतंत्र रुप से रहने वाले जीवाणु है, जो वायुमंडलीय नत्रजन का स्थिरीकरण कर पौधों को उपलब्ध कराते है ।

भूपरीस एझेडपी –उपयोग से लाभ :

● नत्र का स्थिरीकरण कर पौधो को नत्र की उपलब्धता होती है ।

● रासायनिक खाद में 15 ते 20 प्रतिशत तक बचत होती है । ● उत्पादन में 15 से 25 प्रतिशत तक बढ़त होती है ।

प्रयोग विधि :

● **मृदा उपचार :** 5 किलो भूपरीस एझेडपी का 50 लिटर पानी में घोल बनाएं । इस घोल को ठीक से सड़ी हुई 100 किलो गोबर की खाद (एफवाईएम) के साथ मिलाये, बुआई के ठिक पहले इस खाद को एक एकड़ क्षेत्र में छिड़काव करें ।

पौध जड़ उपचार : 1 किलो भूपरीस एझेडपी 10 लीटर पानी में मिलाये । इस घोल में शिशु पौधों की जड़ो को 5 से 10 मिनट डुबा कर रखे और खेत में लगाए ।

● **बीजोपचार विधि :** 500 ग्राम भूपरिस एझेडपी को पानी की पर्याप्त मात्रा में मिलाये । ● भूपरीस एझेडपी स्लरी को बीज में उंडेल कर हाथ से मिश्रण कर लेवें । जब तक हर बीज पर इसकी एक समान परत नही चढ़ जाती । ● उपचारित बीज को छाया में सूखाना चाहिए । ● उपचारित बीज के सूखाने के बाद तुरंत बो देना चाहिए ।

सिफारिश : भूपरीस एझेडपी के जीवाणु गेहूँ, धान, बाजरा, ज्वार, मका, सरसों, कपास, केला, गन्ना, टोबॅको, एरंड, सब्जियां एवं बागवानी फसलें आदि के लिए उपयुक्त है। **सावधानियाँ :** ● जैविक उर्वरक किसी भी प्रकार के रासायनिक उर्वरक अथवा पौध संरक्षण रसायन के साथ न मिलाए और इनसे दूर रखें । ● पैकेटों को तेज धूपवाले स्थान पर ना रखें । ● भूपरीस कल्चर को अंतिम तारीख से पूर्व प्रयोग करें ।

भूपरीस आर बी राइजोबियम (नत्रजन को स्थिर करने वाले जीवाणु)

बायो फर्टिलायझर

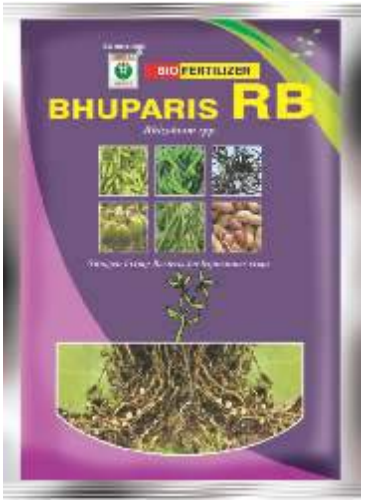

राइजोबियम यह एक सहजीवी जीवाणु है, जो पौधों की जड़ों में वायुमंडलीय नत्रजन का स्थिरीकरण कर के पौधों के लिए उपलब्ध कराते है ।अलग–अलग दलहनी फसलों के लिए अलग–अलग किस्म के राइजोबियम कल्चर का प्रयोग किया जाता है ।

भूपरीस आर.बी.–उपयोग से लाभ :

● राइजोबियम व्दारा एक साल में एक हेक्टेयर क्षेत्र में 50 से 100 किलो नत्र का स्थिरीकरण होता है ।

● दलहनी फसल की उपज में 10 से 35 प्रतिशत तक वृद्धि होती है ।

● नत्रयुक्त खाद में 20 से 25 प्रतिशत तक बचत होती है ।

प्रयोग विधि:

● **बीजोपचार विधि :** 500 ग्राम राइजोबियम कल्चर को पानी की पर्याप्त मात्रा में मिलायें और इसे दो मिनट तक हिलाकर गाढा काला घोल (स्लरी) बना लेवें । जीवाणु कल्चर की बीज के साथ चिपकीय क्षमता बढ़ाने के लिए गोंदीय पदार्थ जैसे कि गम, गुड़ आदि का प्रयोग करना चाहिए । ● एक एकड़ क्षेत्र में बुआई हेतु लगने वाले बीजों का जुट बैग या साफ प्लास्टिक शीटपर ढेर बनाये । ● स्लरी को बीज में उंडेल कर हाथ से मिश्रण कर लेवें । जब तक प्रत्येक बीज पर इसकी एक समान परत नही चढ़ जाती । ● उपचारित बीजों को छाया में सूखाना चाहिए । सूखाने के बाद उसे तुरंत बो देना चाहिए ।

सावधानियाँ : 1) जीवाणु कल्चर को किसी भी प्रकार के रासायनिक उर्वरक अथवा पौध संरक्षण रसायन के साथ न मिलाये और इन से दूर रखे । 2) जीवाणु कल्चर के पैकेटों को तेज धूप वाले स्थान पर ना रखे । 3) जीवाणु कल्चर को अन्तिम तारीख से पूर्व प्रयोग कर लेवें । **सिफारिश :** भूपरीस आर. बी. कल्चर दलहनी फसलें जैसे मूँग, उड़द, अरहर, चना, मटर, मसूर, लोबिया, राजमा, मेथी आदि के लिए उपलब्ध है ।

भूपरीस पीएसबी (स्फूर को घुलनशील करने वाले जीवाणु)

बायो फर्टिलायझर

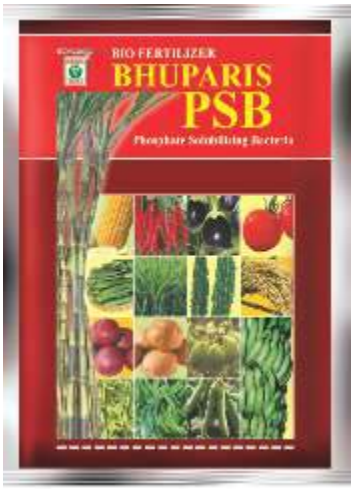

फॉस्फोरस एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है । फॉस्फेटिक उर्वरकों का लगभग एक तिहाई भाग पौध अपने उपयोग में ला पाते है । शेष भाग अघुलनशील अवस्था में जमीन में ही पड़ा रहता है । भूपरीस पीएसबी में मौजुद जीवाणु इस अघुलनशील फॉस्फोरस को घुलनशील अवस्था में बदल कर पौधों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करने का कार्य करते है ।

भूपरीस पी.एस.बी. – उपयोग से लाभ :

● भूपरीस पी.एस.बी. के प्रयोग से फॉस्फेटिक उर्वरकों की लागत में 20-25 प्रतिशत बचत कर सकते है ।

● उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि होती है । ● पौधो को पोषक तत्व ग्रहण करने के लिए मदद होती है ।

प्रयोग विधि :

● **मृदा उपचार :** 5 किलो भूपरीस पी.एस.बी. का 50 लीटर पानी में घोल बनाएं । घोल को ठीक से सड़ी हुई 100 किलो गोबर की खाद (एफवाईएम) के साथ मिलाये । बुआई के ठिक पहले इस खाद को एक एकड़ खेत में छिड़काव करें ।

● **पौध जड़ उपचार :** 1 किग्रा. भूपरीस पी.एस.बी. 5 लीटर पानी में मिलाए और खेत में लगाने के ठीक पूर्व शिशु पौधो की जड़ो को दस मिनट तक के लिए घोल में डुबाकर रखें और बाद में रोपाई करें।

● **बीजोपचार विधि :** 500 ग्राम भूपरीस पी.एस.बी. पानी की पर्याप्त मात्रा में मिलाये । इस घोल को 10 किलो बीजों पर डालकर एक समान रुप से परत चढा दीजिए । उपचारित बीजों को छाया में सूखाकर बीजों की तुरन्त बुआई करें ।

सावधानियाँ : ● भूपरिस पी.एस.बी. कल्चर के पैकेट को तेज धूपवाले स्थान पर ना रखे । ● भूपरिस पी.एस.बी. कल्चर को अन्तिम तारीख से पूर्व प्रयोग कर लेवें । ● भूपरीस पी.एस.बी. कल्चर को किसी भी प्रकार के रासायनिक उर्वरक अथवा पौध संरक्षण रसायन के साथ न मिलाए और इनसे दूर रखे ।

सिफारिश : कपास, केला, मका, ज्वार, गन्ना, बाजरा, सुरजमुखी, सब्जियाँ तथा फल पौधों के लिए उपयुक्त है ।

भूपरीस एबी एजोटोबैक्टर (नत्रजन को स्थिर करने वाले जीवाणु)

बायो फर्टिलायझर

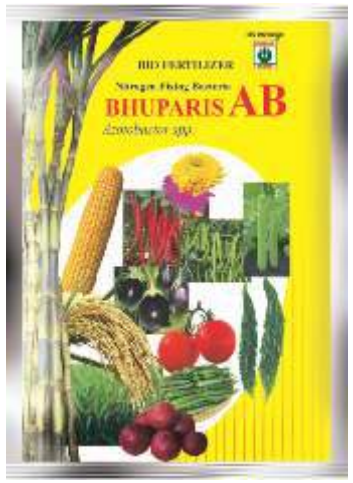

भूपरीस एबी यह उत्पाद एजोटोबैक्टर नामक जीवाणु के अत्यंत प्रभावी स्ट्रेन से निर्मित जैव उर्वरक है । एजोटोबैक्टर वायुमंडलीय नत्रजन का स्थिरीकरण कर पौधों को उपलब्ध करने का कार्य करता है ।

● भूपरीस ए.बी. – उपयोग से लाभ :

भूपरीस ए.बी. के जीवाणु वायुमंडलीय नत्रजन का स्थिरीकरण कर पौधों को नत्र उपलब्ध करवा देते है । जिससे पौधों की वृद्धि अधिक होती है । एक साल में प्रति हेक्टेयर 25 किग्रा. नत्रजन का स्थिरीकरण होता है एवं 25 प्रतिशत रासायनिक खाद में बचत होती है । उपज में 10-15 प्रतिशत वृद्धि होती है ।

प्रयोग विधि :

● **मृदा उपचार :** 5 किलो भूपरीस ए.बी. का 50 लीटर पानी में घोल बनाएं । इस घोल को ठीक से सडी हुई 100 किलो गोबर की खाद (एफवाईएम) के साथ मिलाये । बुआई के ठिक पहले इस खाद को एक एकड़ क्षेत्र में छिड़काव करें ।

● **पौध जड़ उपचार :** 1 किलो भूपरीस ए.बी. 10 लीटर पानी में मिलाये । इस घोल में शिशु पौधों की जड़ो को 5 से 10 मिनट डुबा कर रखे और बाद में रोपाई करें ।

● **बीजोपचार विधि :** 500 ग्राम भूपरीस ए.बी. पानी की पर्याप्त मात्रा में मिलाये । इस घोल को बीजों पर डालकर एक समान रुप से परत चढ़ा दीजिए । उपचारित बीजों को छाया में सूखाने के बाद बीजों की तुरन्त बुआई करें।

● **सिफारिश** : भूपरीस ए.बी. के जीवाणु कपास, गेहूँ, मका, केला, सरसों, ज्वार, गन्ना, बाजरा, सुरजमुखी, सब्जियां तथा फल पौधों के लिए उपयुक्त है ।

सावधानी : ● जैविक उर्वरक किसी भी प्रकार के रासायनिक उर्वरक अथवा पौध संरक्षण रसायन के साथ न मिलाए और इनसे दूर रखें । ● पैकेटों को तेज धूपवाले स्थान पर ना रखें । ● भूपरीस कल्चर को अंतिम तारीख से पूर्व प्रयोग करें ।

बायो मॅन्युफॅक्चरिंग युनिट तथा सिड प्रोसेसिंग प्लांट – गोध्रा (गुजरात)

बायो ऑरगॅनिक इनपुट मॅन्युफॅक्चरिंग युनिट, गुवाहाटी (आसाम)

प्रोसेसिंग प्लांट – चिखली (महाराष्ट्र)

कोल्ड स्टोरेज

उत्पादन एवं विक्री व्यवस्था :

निर्मल सीडस् प्रा. लि. (ISO 9001:2015 प्रमाणित कम्पनी)

नोंदणीकृत एवं प्रशासकीय कार्यालय: पाचोरा–424201, जि. जलगांव (महाराष्ट्र),
फोन: (02596) 244366, 244396 फॅक्स: (02596) 244045,
ई–मेल: info@nirmalseedsindia.com CIN-U01100MH1988PTC049277.